3 राजधानी
शार्ट सर्किट से बेसमेंट में लगी आग, तीन झुलसे

8 अभिमत
पिछड़ेपन से जूझता कूर्ग समुदाय

12 विदेश
काबुल में शादी समारोह में बम धमाका, 63 मरे

14 स्पोर्ट्स
अभ्यास मैच में पुजारा का सैकड़ा

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 9 अंक 297
लखनऊ, सोमवार, 19 अगस्त, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

# पायनियर

www.dailypioneer.com

अभिनेत्रियां भी एक दिन बॉक्स ऑफिस पर बड़ी भीड़ लाएंगी : विद्या
राष्ट्रीय-11

## बाजार

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | 37,350 | |
| निफ्टी | 11,047 | |
| सोना | 37,945 | /10g |
| चांदी | 44,688 | /kg |

## क्विक न्यूज

### गंगा आरती का एलईडी स्क्रीनों पर होगा सीधा प्रसारण

**नई दिल्ली।** केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर और सभी घाटों पर गंगा आरती के सीधे प्रसारण के लिए बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाएगा। केन्द्र सरकार की मुख्य निर्माण कंपनी सीपीडब्ल्यूडी के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा नदी के बीच प्रस्तावित गलियारे पर भी एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। योजना के अनुसार विश्वनाथ मंदिर में होने वाली आरती का भी इन एलईडी स्क्रीनों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। एक अधिकारी के अनुसार परियोजना पर करीब 11.5 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

### यमुना एक्सप्रेसवे पर 30 फीट नीचे गिरी कार, चार की मौत

**नोएडा।** यमुना एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ने फिर चार लोगों की जान ले ली। हादसे में छह लोग घायल हो गए हैं। ग्रेटर नोएडा से आगरा तक जाने वाले इस एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट के समीप तेज रफ्तार कार रेलिंग तोड़ते हुए तीस फीट नीचे गड्ढे में जा गिरी। बताया जा रहा है कि कार सवार आगरा घूमने गए थे। वहां से रविवार सुबह लौटते समय यह हादसा हुआ। घायलों को ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नोएडा के कॉल सेंटर में नौकरी करने वाले सात युवक और तीन युवतियां फोर्ड इंडीवर कार से आगरा घूमने गए थे। वहां से वे रविवार को वापस लौट रहे थे। जीरो प्वाइंट के समीप तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और रेलिंग तोड़ते हुए तीस फीट नीचे जा गिरी। हादसा करीब साढ़े नौ बजे हुआ। उस दौरान बारिश भी हो रही थी। पुलिस ने युवक-युवतियों को यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया। जांच के बाद चिकित्सकों ने चार को मृत घोषित कर दिया। कार सवार चार युवक उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। युवाओं ने नई कार खरीदी थी और उसी की पार्टी करके आगरा से लौट रहे थे।

### कर्नाटक में पांच छात्रों की करंट लगने से मौत

**बेंगलुरू।** कोप्पल में एक सरकारी छात्रावास के पांच छात्रों की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए लगाए गए पोल को हटाते वक्त वहां से गुजर रहे बिजली के तार से छू जाने से करंट लगने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि छात्र छात्रावास की पहली मंजिल में लगे पोल को हटाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन वहां से गुजर रहे बिजली के तार से छू जाने से उनकी मौत हो गई। तीन अन्य छात्र उन्हें बचाने के लिए दौड़े लेकिन उनकी भी करंट लगने से मौत हो गई। मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं और मारे गए बच्चों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपए अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। यह छात्रावास एक निजी इमारत में किराए पर चल रहा था और सभी पांचों छात्र जिला मुख्यालय स्थित उच्च विद्यालयों में पढ़ते थे।

# चुनाव से पहले हुड्डा ने तरेरी आंखें

## प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनाए जाने पर पाला बदलने के संकेत

● अनुच्छेद 370 हटाने के मोदी सरकार के फैसले का किया समर्थन

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली/चंडीगढ़

**विधानसभा** चुनाव से ऐन पहले हरियाणा में कांग्रेस नई मुसीबत में पड़ सकती है। कांग्रेस छोड़ने और अपनी नई पार्टी बनाने की खबरों के बीच हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कद्दावर नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के कदम की सराहना की और कहा कि वह मोदी सरकार के इस फैसले का समर्थन करते हैं। हुड्डा ने रविवार को रोहतक में आयोजित रैली में न सिर्फ शक्ति प्रदर्शन किया बल्कि बागी तेवर दिखाते हुए अपनी ही पार्टी पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस रास्ते से भटक गई है।

रोहतक में आयोजित इस परिवर्तन महारैली में भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुट के ही ज्यादातर नेता मौजूद रहे। हुड्डा ने कहा कि अब कांग्रेस वह कांग्रेस नहीं रही। उन्होंने यह भी कहा कि वह अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के पक्ष में थे जबकि उनके ज्यादातर

रोहतक में आयोजित रैली में भूपेंद्र सिंह हुड्डा

साथियों ने इसका विरोध किया। हमारे हरियाणा के भाई कश्मीर में सिपाही के रूप में ड्यूटी पर हैं इसलिए उन्होंने इसका समर्थन किया। जब सरकार कुछ अच्छा करती है तो वह उसका समर्थन करते हैं। जब बात स्वाभिमान और देशभक्ति की आती है तो वह किसी पर भी समझौता नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी रास्ते से भटक गई है। यह वह कांग्रेस नहीं है, जो हुआ करती थी।

समर्थकों से खचाखच भरे पंडाल को संबोधित करते हुड्डा ने कहा कि वह आर्टिकल 370 को हटाने का समर्थन करते हैं लेकिन वह हरियाणा सरकार को आगाह करते हैं कि उसे अपने पिछले पांच साल में किए गए काम का हिसाब देना होगा।

रैली में ही हुड्डा ने 25 सदस्यों की समिति गठित करने की घोषणा की। इसमें 12 विधायक भी शमिल रहेंगे। यह समिति राज्य में पार्टी का भविष्य तय करने का अधिकार हुड्डा को देगी। हुड्डा ने कहा कि चूंकि यह मुद्दा (पार्टी में बने रहने या अलग होने) हरियाणा के लोगों के भविष्य से संबंधित है और इस मामले में वह अकेले फैसला नहीं ले सकते। इस समिति के फैसले की घोषणा एक सप्ताह के भीतर चंडीगढ़ में की जाएगी।

रैली कांग्रेस नेतृत्व के लिए स्पष्ट संकेत थी कि या तो प्रदेश में कांग्रेस की कमान हुड्डा के हाथ में सौंपी जाए अन्यथा व आगामी विधानसभा चुनाव में वह अपना रास्ता अलग बनाएंगे। पिछले चार साल से प्रदेश कांग्रेस का एक गुट आलाकमान पर हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर को हटाकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेदारी सौंपने का दबाव बनाता रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा और उनके बेटे पूर्व सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा एक बार कह चुके हैं कि पार्टी में उच्च स्तर पर उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। उसके बाद से ही हरियाणा कांग्रेस के इस पुराने और जमीनी पकड़ रखने वाले नेता के पार्टी छोड़ने की अटकलें लगती रही हैं।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर हुड्डा ने हरियाणा के युवाओं को स्थानीय स्तर पर नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण समेत तमाम घोषणाएं की।

इस मौके पर पलवल के विधायक करन दलाल, झज्जर के विधायक गीता भुक्कल, हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष फूल चंद मुलाना, विधानसभा के पूर्व स्पीकर रघुबीर सिंह कादियान ने आलाकमान को खुली चुनौती देते हुए कहा कि या तो हुड्डा को पार्टी प्रदेश अध्यक्ष बनाओ या फिर इसके परिणाम भोगने के लिए तैयार रहो।

# पाकिस्तान से बात सिर्फ पीओके पर: राजनाथ

● रक्षा मंत्री ने कहा- जब तक पड़ोसी देश आतंकवाद को सहयोग देना बंद नहीं करता, बातचीत संभव नहीं

**पायनियर समाचार सेवा।** कालका (हरियाणा)

**रक्षा** मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत तब तक संभव नहीं है जब तक वह आतंकवाद को सहयोग देना और उसको बढ़ावा देना बंद नहीं करता है। सिंह ने रविवार को कहा कि अगर पाकिस्तान से बातचीत होगी तो केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर होगी। हरियाणा में अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा की जन आशीर्वाद रैली को हरी झंडी दिखाने से पहले सिंह यहां एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, अगर बातचीत (पाकिस्तान के साथ) होती है तो यह पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) पर होगी, न कि किसी अन्य मुद्दे पर। सिंह ने कहा, अगर पाकिस्तान के साथ किसी तरह की वार्ता होनी है तो उन्हें आतंकवाद को सहयोग और प्रोत्साहन देना करना बंद करना होगा। रक्षा मंत्री ने सवाल किया कि हम उनसे किस मुद्दे पर बात करें और क्यों करें? इस दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, कृष्णपाल गुर्जर और रतन लाल कटारिया तथा कई अन्य कैबिनेट मंत्री और राज्य के भाजपा विधायक (शेष पेज 10)

# कड़ी सुरक्षा के बीच घाटी में आज खुलेंगे स्कूल-ऑफिस

**मोहित कंधारी।** जम्मू

● जम्मू डिविजन के पांच जिलों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं दोबारा बंद

**कश्मीर** घाटी के विभिन्न हिस्सों में दो सप्ताह से बंद स्कूल और सरकारी कार्यालय सोमवार से खोले जाएंगे। इसके मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। राज्य सरकार के प्रवक्ता और प्रमुख सचिव (प्लानिंग एंड डवलपमेंट) रोहित कंसल ने बताया कि अकेले श्रीनगर में 190 से अधिक प्राथमिक स्कूलों में फिर चहल-पहल देखने को मिलेगी और सरकारी कार्यालयों में सामान्य कामकाज होगा।

हालांकि जमीनी स्थितियों को देखते हुए ऐसी रिपोर्ट मिल रही है कि सुरक्षा संबंधी पाबंदियां और मोबाइल सेवाएं बंद रहने के चलते ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से बच सकते हैं। श्रीनगर के पुराने शहर क्षेत्र में पड़ने वाले स्कूल अभी नहीं खोले जाएंगे।

इस बीच, अफवाहों से बचने के लिए जम्मू क्षेत्र के पांच जिलों जम्मू, सांबा, कठुआ, रियासी और उद्यमपुर में मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं रविवार सुबह फिर बंद कर दी गई हैं। श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि हालात को सामान्य बनाने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि रविवार को 50 पुलिस थाना क्षेत्रों (शेष पेज 10)

## सहारनपुर में पत्रकार समेत दो की हत्या

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**प्रदेश** के सहारनपुर जिले में रविवार को एक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार के फोटो पत्रकार और उसके भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। विपक्षी दलों ने इस घटना के जरिए राज्य की भाजपा सरकार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा है। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वारदात का संज्ञान लेते हुए मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने स्थानीय पुलिस को इस मामले में सख्त कार्रवाई करने के आदेश भी दिए हैं। सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार ने बताया कि एक हिंदी दैनिक के फोटो पत्रकार आशीष (23) और उसके भाई आशुतोष (19) की उनके पड़ोसी महिपाल सैनी ने गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि महिपाल और आशीष के बीच गोबर फेंकने को लेकर विवाद था। रविवार सुबह बात बढ़ने पर महिपाल और उसके बेटे ने आशीष के घर में घुसकर उसे तथा उसके भाई आशुतोष को गोली मार दी। दोनों को पास के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दिनेश ने बताया कि हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं।

# योगी मंत्रिमंडल का विस्तार टला

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**पिछले** ढाई साल से अधिक समय के इंतजार के बाद योगी सरकार के मंत्रिमंडल का सोमवार को होने वाला पहला विस्तार अचानक देर रात टाल दिया गया। सूत्रों ने इसकी कोई वजह नहीं बताई। इससे पहले शपथग्रहण समारोह के आयोजन की पुष्टि राजभवन के सूत्रों ने की थी।

उल्लेखनीय मार्च 2017 में योगी सरकार बनने के बाद अभी तक मंत्रिमंडल में किसी भी तरह का फेरबदल और विस्तार नहीं हुआ है। हालांकि विस्तार को लेकर कवायद काफी समय से चल रही है। बीते शुक्रवार को सीएम योगी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतन्त्र देव सिंह के अचानक दिल्ली जाने और फिर राज्यपाल आनंदी बेन से सीएम योगी की मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों ने तेजी पकड़ी थी। विधायकों की संख्या के हिसाब से प्रदेश में 60 सदस्यीय मंत्रिपरिषद हो सकती है।

योगी सरकार ने मार्च 2017 में जब शपथ ली थी तो मुख्यमंत्री सहित 47 सदस्यीय मंत्रिपरिषद थी। इसमें तीन मंत्रियों सत्यदेव पचौरी, डॉ. एसपी सिंह बघेल और डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने सांसद चुने जाने के कारण त्यागपत्र दे दिया है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जा चुका है।

मंत्रिमंडल में शामिल स्वतंत्र देव सिंह को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिल चुकी है। ऐसे में वह भी मंत्रिमंडल छोड़ देंगे। इस तरह मंत्रिपरिषद सिर्फ 42 सदस्यीय ही रह जाएगा। ऐसे में 18 लोगों के लिये मंत्रिमंडल में जगह बनेगी। चार मंत्रियों के हटने से मंत्रिपरिषद में क्षेत्रीय व जातीय असंतुलन भी आ गया है। जिसे ठीक करना है। संघ और पार्टी नेतृत्व तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंत्रिपरिषद में कुछ को शामिल करने के साथ कुछ को तरक्की देना चाहते हैं। सूत्रों अनुसार जल्दी ही मंत्रिमंडल विस्तार की तारीख घोषित की जाएगी। मंत्रिमंडल में किसे स्थान मिलेगा और किसे नहीं, इस बात को जानने की कोशिश में भाजपा नेता जुटे हैं।

## पाक सेना ने भारत की अग्रिम चौकियों, गांवों को निशाना बनाया

**एजेंसी।** जम्मू

**पाकिस्तानी** सैनिकों ने संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर रविवार को लगातार दूसरे दिन भारत की अग्रिम चौकियों और गांवों को निशाना बनाया। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि शाम लगभग पौने सात बजे पाकिस्तानी सेना नौशेरा सेक्टर के कलाल क्षेत्र में मोर्टार दागने लगी और छोटे हथियारों से गोलीबारी करने लगी। भारतीय सेना ने इसका कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि तत्काल किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है और अंतिम खबर मिलने तक सीमा पार से गोलाबारी जारी थी। शनिवार को पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए संघर्षविराम उल्लंघन में देहरादून निवासी 35 वर्षीय लांस नायक संदीप थापा शहीद हो गए थे। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हुआ जिसमें उसके कई सैनिकों के मारे जाने और कई चौकियों के तबाह होने की खबरें हैं। यह हालिया संघर्षविराम उल्लंघन ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि 15 अगस्त को भारतीय सेना की गोलीबारी में पाकिस्तान के चार सैनिक मारे गए।

# जेटली की हालत नाजुक कई नेता एम्स पहुंचे

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

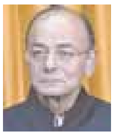

**केंद्रीय** मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, रामविलास पासवान, जितेंद्र सिंह और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित कई नेता पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए रविवार को एम्स गए। सूत्रों के अनुसार पूर्व वित्त मंत्री की हालत अभी भी बेहद नाजुक बनी हुई है।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 66 वर्षीय जेटली को जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। सांस लेने में परेशानी होने और बेचैनी महसूस होने के बाद उन्हें नौ अगस्त को अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालांकि, एम्स ने उनके स्वास्थ्य के बारे में 10 अगस्त से कोई मेडिकल बुलेटिन जारी नहीं किया है। उनके स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए हाल के दिनों में कई बड़े नेताओं ने अस्पताल का दौरा किया। सूत्रों ने बताया कि डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है। उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए रविवार को अस्पताल जाने वालों में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कलराज मिश्र, आरएसएस के संयुक्त महासचिव डॉ. कृष्ण गोपाल और समाजवादी पार्टी के पूर्व नेता अमर सिंह भी शामिल हैं। वहीं, शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल समेत कई नेता अस्पताल गए थे। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक, बसपा प्रमुख एवं उत्तरप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन, कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी और ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा एयर (शेष पेज 10)

# ईडब्ल्यूएस के छोटे कर्जदारों का ऋण माफ करने की योजना

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

**सरकार** आर्थिक दृष्टि से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) वर्ग के छोटे कर्जदारों का कर्ज माफ करने की योजना पर काम कर रही है। इसकी पात्रता को लेकर सरकार ने सूक्ष्मवित्त उद्योग के साथ चर्चा भी की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है।

कॉरपोरेट मामलों के सचिव इंजेती श्रीनिवास ने कहा कि आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के छोटे कर्जदारों के लिए प्रस्तावित कर्जमाफी की शर्तों को लेकर सूक्ष्मवित्त उद्योग के साथ चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि यह कर्जमाफी व्यक्तिगत दिवाला एवं ऋणशोधन के तहत होगी और यह ईब्ल्यूएस श्रेणी के सबसे बदहाल मामलों के लिए होगी। प्रस्तावित कर्जमाफी की पेशकश ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) के नई शुरुआत प्रावधान के तहत होगी। श्रीनिवास ने कहा, यदि आपने एक बार नई शुरुआत के प्रावधान का लाभ उठा लिया तो आप अगले पांच साल तक इसका लाभ नहीं उठा सकेंगे। हमने सूक्ष्मवित्त उद्योग की संतुष्टि के लिए सुरक्षा के सारे उपायों पर काम किया है। यह बकाया कर्ज को कम करने जैसा होगा। पूरे देश भर में तीन से चार साल की अवधि में यह 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक नहीं होगा। उन्होंने कहा, हमने सूक्ष्मवित्त उद्योग के साथ चर्चा की है और उनकी चिंताओं पर गौर किया है। उद्देश्य है कि सूक्ष्मवित्त उद्योग को बर्बाद नहीं होने दिया जाए। हमारा मकसद है कि पात्रता के आधार पर छोटे कर्जदारों का कर्ज माफ किया जाए।

## बारिश का कहर

# हिमाचल, पंजाब, उत्तराखंड में 28 की मौत

**एजेंसी।** नई दिल्ली

**उत्तर** भारत के कई इलाके भारी बारिश की चपेट में हैं। रविवार को बारिश की वजह से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में कम से कम 28 लोगों के मरने जबकि 22 अन्य के लापता होने की खबर है। वहीं यमुना एवं उसकी अन्य सहायक नदियों में जलस्तर बढ़ने के कारण दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। यमुना नदी में हथिनी कुंड बैराज से 8.14 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद हरियाणा ने सेना से तैयार रहने का अनुरोध किया है।

हिमाचल प्रदेश में बारिश जनित घटनाओं में दो नेपाली नागरिक समेत कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई जबकि नौ अन्य घायल हो गए। वहीं उत्तराखंड में बादल फटने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य लापता हो गए। पंजाब में भी तीन लोगों के मरने की खबर है। दक्षिण भारत के केरल में बाढ़ की वजह से मरने वालों की संख्या बढ़कर 121 हो गई है। मलप्पुरम के कवालप्पारा और वायनाड के पुथुमला में शवों का पता लगाने के लिए ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार (जीपीआर) का इस्तेमाल किया जा रहा है जहां हुए भयंकर भूस्खलन ने दो गांवों का नामो-निशान मिटा दिया था। दिल्ली में भी रविवार को बारिश हुई और यहां अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यमुना में जलस्तर बढ़ने से दिल्ली सरकार ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगह पर जाने की सलाह दी है क्योंकि यमुना में जलस्तर के खतरे के निशान को पार करने की आशंका है। केंद्रीय जल आयोग ने बताया कि उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना और घाघरा समेत कई नदियां उफान पर हैं। बदायूं, गढ़मुक्तेश्वर, नरौरा और फुर्खाबाद में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसी तरह से पलियाकलां में शारदा नदी और एल्गिनब्रिज में घाघरा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। उत्तराखंड के ज्यादातर स्थानों पर पिछले 24 घंटों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई जगह बादल फटने तथा भूस्खलन होने से तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई जबकि 22 अन्य लापता हो गए। उत्तरकाशी जिले के मोरी ब्लॉक में कल और आज की मध्यरात्रि में बादल फटने से यमुना की सहायक नदियों में आई बाढ ने कई गांवों में तबाही मचाई जिससे आराकोट, माकुडी, मोल्डा, सनेल, टिकोची और द्विचाणु में कई मकान ढह गए। हिमाचल प्रदेश में रविवार को बारिश संबंधी घटनाओं में दो नेपाली नागरिकों समेत 22 लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य में कुल 490 करोड़ रुपए की सम्पत्ति का नुकसान हुआ है।

शिमला में भारी बरसात के बाद हुए भूस्खलन के कारण सड़क से नीचे गिरती एक कार और बस

## बैंक घोटाले में रतुल पुरी, परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**एजेंसी।** नई दिल्ली

**सीबीआई** ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे एवं मोजरबेयर के पूर्व कार्यकारी निदेशक रतुल पुरी और अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि यह मुकदमा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से दायर 354 करोड़ रुपए के बैंक घोटाले मामले में दर्ज किया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने जिन पर मुकदमा दर्ज किया है उनमें पुरी के अलावा कंपनी (एमबीआईएल), उनके पिता एवं प्रबंध निदेशक दीपक पुरी, निदेशकों - नीता पुरी (रतुल की मां और कमलनाथ की बहन), संजय जैन और विनीत शर्मा शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन पर कथित तौर पर आपराधिक षड्यंत्र रचने, धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।

# नवरात्र में नये राम मंदिर का भूमि पूजन कराने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**सीएम के निर्देश पर सरकारी मशीनरी ने तेज की कवायद**

**सीएम योगी** आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट यानी कि अयोध्या में नये राम मंदिर का भूमि पूजन नवरात्र में कराने की तैयारी है। सरकार के अफसरों को सीएम की तरफ से निर्देश मिले हैं कि भूमि पूजन से पहले की सभी तैयारियों को नवरात्र से पहले पूरा कर लिया जाये। मुख्य सचिव स्तर से परियोजना का रोडमैप जल्द मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत किये जाने की उम्मीद है।

अयोध्या स्थित रामजन्म भूमि पर मंदिर का निर्माण हो, ऐसा सीएम योगी आदित्यनाथ चाहते हैं। वह अपने इस विचार का खुलासा कई बार कर चुके हैं, लेकिन विवाद पर अदालत का फैसला आने से पहले वह अयोध्या को धार्मिक पर्यटन के नक्शे पर ऊपर लाने की सरकार की योजना है। जिसके तहत सीएम योगी अयोध्या में सरयूतट के निकट भगवान राम की 221 मीटर ऊंची दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति लगाने का एलान पिछले साल अक्टूबर माह में कर चुके हैं। भगवान राम की इस मूर्ति के साथ रामायणकाल से जुड़े धार्मिक तथ्यों पर आधारित म्यूजियम तथा अयोध्या के नेपाल और दक्षिणी कोरिया से जुड़े रिश्तों की भी झलक परियोजना में शामिल है। इसके अलावा देश-विदेशी पर्यटकों को खींचने के लिये अन्य तमाम कार्य भी होने हैं। कुल मिलाकर यूपी सरकार की यह पूरी परियोजना को ठीक उसी तरह विकसित किया जाना है, जिस तरह गुजरात में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा लगाने की योजना को विकसित किया गया है। सीएम

सांकेतिक तस्वीर

के इस ड्रीम प्रोजेक्ट के लिये मूर्ति को बनाने का आर्डर सांस्कृतिक विभाग द्वारा दिया जा चुका है और जमीन का भी चयन किया जा चुका है।

अभी पिछले दिनों सीएम योगी ने अयोध्या जाकर प्रस्तावित स्थल का चयन किया था। जानकारों का कहना है कि दीपावली पर अयोध्या में होने वाले दीपोत्सव से पहले नये मंदिर निर्माण की परियोजना का भूमि पूजन कराने की तैयारी में सरकारी मशीनरी जुटी है। हालांकि इस पर अंतिम फैसला मुख्य सचिव द्वारा परियोजना का रोडमैप सीएम के सामने प्रस्तुत किये जाने के बाद होगा। दरअसल अयोध्या में नये राममंदिर का भूमि पूजन कराने में सरकार की सक्रियता के पीछे साधु-संतों को सीएम योगी पर बढ़ता दबाव है। सूत्रों का कहना है कि सीएम योगी के आश्वासन के चलते लोकसभा चुनाव के दौरान साधु-संतों ने राम मंदिर मामले पर चुप्पी साधे रखी थी। उन्हें सीएम योगी आदित्यनाथ की तरफ से भरोसा दिलाया गया था कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होना तय है। अगर अदालत का फैसला नहीं आता है तो भी वह नये राम मंदिर तथा भगवान राम की भव्य मूर्ति लगाने की योजना का काम शुरू करा देंगे। संत समाज को विश्वास में लेने के लिये सीएम ने मूर्ति की डिजाइन का चयन करके लोकसभा चुनाव से पहले परियोजना को एलान कर दिया था। चुनाव में मिली भारी सफलता के बाद सीएम अपने एलान को जमीन पर उतारना चाहते हैं ताकि राम मंदिर समर्थकों में संदेश दिया जा सके।

# बगैर वेतन 12 वर्ष से जूनियर हाईस्कूलों में तैनात बीएड शिक्षकों के दस्तावेज तलब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**दस्तावेजों के सत्यापन के लिए बेसिक शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में एक कमेटी का किया गया गठन**

**प्रदेश के** 1000 जूनियर हाईस्कूलों में बीते 12 वर्ष से बगैर वेतन के अध्यापन कार्य में लिप्त शिक्षकों के शैक्षिक दस्तावेज बेसिक शिक्षा विभाग ने तलब कर लिये हैं। दस्तावेज में उन शिक्षकों के शैक्षिक प्रमाण पत्र मांगे गये हैं, जिन्होंने वर्ष 2008 के पूर्व बीएड की डिग्री हासिल की हो और वर्तमान में अध्यापन कार्य में लिप्त हैं।

इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से सभी मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशकों को जारी निर्देश में कहा गया है कि निर्धारित तिथि पर दस्तावेज लेकर उपस्थित हों। बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम सिंह की तरफ से जारी आदेश में शैक्षिक दस्तावेजों के सत्यापन के लिए 19 अगस्त से 27 अगस्त का समय निर्धारित किया गया है। बता दें कि प्रदेश के 1000 जूनियर हाईस्कूलों में वर्ष 2006 में कुछ शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया अनुमोदन नियमावली 1978 के तहत हुई है या इसके विपरित हुई है। इनमें से काफी संख्या में वे शिक्षक है, जो बीएड डिग्री धारक हैं।

जबकि बीएड को वर्ष 2008 में शिक्षक भर्ती अर्हता में शामिल किया गया है। ऐसे शिक्षकों के दस्तावेजों के सत्यापन के लिए शासन स्तर पर बेसिक शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी में अपर शिक्षा निदेशक बेसिक को सदस्य सचिव एवं सम्बन्धित मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशकों को सचिव नामित किया गया है। कमेटी ने मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशकों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि ऐसे शिक्षकों के शैक्षिक अर्हता के भी दस्तावेज भी साथ लाएं।

बैठक को लेकर अलग-अलग मण्डलों के लिए अलग-अलग तिथि तय की गयी है। जिसमें 19 अगस्त को मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, 20 अगस्त को आगरा, अलीगढ़, कानपुर, 21 अगस्त को बरेली, लखनऊ, इलाहाबाद, 22 अगस्त को फैजाबाद, देवीपाटन, गोरखपुर, 26 अगस्त को बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी और 27 अगस्त को मिर्जापुर, झांसी, चित्रकूटधाम मण्डल की बैठक होगी।

# भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**समाजवादी** पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनने की राह पर था अब भाजपा राज में हत्या प्रदेश बना दिया है। राज्य में बेटियों के साथ बलात्कार और हत्या की घटनाएं हो रही हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह बर्बाद है। अब अर्थव्यवस्था पर भी मंदी के काले बादल मंडरा रहे हैं। हर मोर्चे पर भाजपा सरकार विफल है। भाजपा सरकार से जनता बुरी तरह ऊब गई है।

श्री यादव ने कहा कि वाहन उद्योग में गिरावट है। इस क्षेत्र में 3.5 लाख से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी हो गई है। भाजपा सरकार कौन सी नीति पर काम कर रही है कि नौकरियां जा रही हैं और बेकारी बेतहाशा बढ़ रही है। नौजवान परेशान हैं। अस्पतालों में न दवा है, न इलाज की व्यवस्था है। भाजपा सरकार ने पूरी चिकित्सा व्यवस्था को ही बीमार कर दिया है। सरकार संवेदनहीन है। अखिलेश यादव ने कहा कि जाति आधारित जनगणना होने पर ही सबको आनुपातिक आधार पर भागीदारी मिल सकती है। सामाजिक न्याय की लड़ाई समाजवादी लंबे समय से लड़ रहे हैं।

भाजपा केवल भटकाने और बांटने का काम करती है और अपने स्वार्थ साधन के लिए किसी सीमा तक जा सकती है। उसे विकास में दिलचस्पी नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमब्यूरो के सर्वे के मुताबिक गत 6 वर्षों में 3.7 करोड़ लोग किसानी के काम से अलग हो गए है। बीते 5 सालों में करीब 60 हजार किसानों ने आत्महत्या की है। एक करोड़ से ज्यादा नौकरियां चली गई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनता को बहुत दु:ख पहुंचाया है। किसानों और नौजवानों के भविष्य को घोर अंधकार के भंवर में फंसा दिया है।

# स्वतंत्र देव ने संजय सिंह व अमिता को दिलाई भाजपा की सदस्यता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**सपा नेता व पूर्व सांसद सुरेन्द्र नागर व संजय सेठ का भी हुआ स्वागत**

**बीजेपी के** प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भाजपा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ संजय सिंह, सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर, सपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद संजय सेठ, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कई बार की विधायक रही पूर्व मंत्री अमिता सिंह को प्रदेश भाजपा में ज्वाइन करने पर स्वागत किया तथा सदस्यता दिलाई। इन सभी नेताओं के नेतृत्व में सैंकड़ों की संख्या में नेताओं ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। संजय सिंह, सुरेन्द्र नागर, संजय सेठ और अमिता सिंह को इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने सक्रिय सदस्यता के लिए सदस्यता बही प्रदान की। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक सकारात्मक राजनीति की मीठी बयार चल रही है। आपके आने से पार्टी मजबूत होगी और बीजेपी की प्रतिष्ठा बढ़ी है। राजनीति व्यापार नहीं सेवा है। पार्टी मोदी, अमित शाह की तपस्या एवं योगी आदित्यनाथ के कठोर परिश्रम से नित्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। बीजेपी नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक नए भारत के निर्माण करने में लगी है। हम सबको भी इसमें सहयोग कर अपने-अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभानी होगी तभी यह देश खुशहाली व समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ता रहेगा। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष जेपीएस राठौर, प्रदेश महामंत्री विद्यासागर सोनकर, प्रदेश प्रवक्ता अशोक पाण्डेय, डॉ चन्द्रमोहन, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, प्रदेश सहमीडिया प्रभारी आलोक अवस्थी, प्रदेश मीडिया सम्पर्क प्रमुख तरूण कान्त त्रिपाठी, प्रदेश सहमीडिया सम्पर्क प्रमुख राकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने किया।

# केजीबी में बेड रिप्लेसमेंट के लिए बजट जारी, कमेटी करेगी क्रय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**कस्तूरबा गांधी** बालिका विद्यालयों में हर साल बेड रिप्लेसमेंट के लिए जारी होने वाले बजट को जारी कर दिया गया है। राज्य परियोजना विभाग की तरफ से जारी निर्देश में कहा गया है कि बेड रिप्लेसमेंट के लिए बीएसए के अधीन गठित एनुअल स्टॉक टेकिंग कमेटी को पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि तीन साल की अवधि पूरी हो चुकी है। परियोजना विभाग ने कहा है कि सामानों की खरीद के लिए गांधी आश्रम को प्राथमिकता दी जाय।

राज्य परियोजना विभाग के निदेशक विजय किरन आनंद के स्तर से जारी आदेश में प्रति विद्यालय 75000 रुपए का बजट जारी किया गया है। बेड रिप्लेसमेंट के स्थान पर खरीद के लिए जारी आदेश में कहा गया है कि इसके लिए आवश्यक है कि बीएसए की अध्यक्षता में एनुअल स्टॉक टेकिंग कमेटी का गठन किया जाय। कमेटी यह सुनिश्चित करेगी कि विद्यालय में कितने बेडिंग बदलने की आवश्यकता है। कमेटी द्वारा विद्यालयों में खरीद के प्रस्ताव को सुनिश्चित करने के बाद जिलाधिकारी से अनुमोदन लेने के पश्चात ही खरीद की जायेगी। आदेश में कहा गया है कि काली रुई से अने उत्पाद न खरीदें जाय, साथ ही गुणवत्ता की पूरी जिम्मेदारी बीएसए व एकाउंट ऑफिसर सहित डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर की होगी। राज्य परियोजना निदेशक ने कहा है कि खरीद के बाद इसका उपभोग प्रमाणपत्र राज्य परियोजना विभाग को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

## सहारनपुर से बाराबंकी तक कानून व्यवस्था ध्वस्त: अजय कुमार लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**प्रदेश में** बढ़ रहे अपराध पर योगी सरकार को घेरते हुए कांग्रेस विधान मंडल दल के नेता व उत्तर प्रदेश कांग्रेस, पूर्वी के संगठन प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने कहा कि पूरा प्रदेश गुण्डाराज में तब्दील हो गया है। अपराधी बाराबंकी से लेकर सहारनपुर तक दिन दहाड़े आतंक मचाये हुए हैं क्योंकि उन्हें भाजपा सरकार का खुला संरक्षण प्राप्त है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ से सटे बाराबंकी में एक बेटी के साथ बलात्कार कर अपराधियों ने निर्मम हत्या कर दिया। सहारनपुर में एक पत्रकार और उसके भाई की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गयी। यह सब सत्ता संरक्षण में हो रहा है। अपराधियों को पता है कि सत्ता में बैठे लोग उनके लोग हैं इसलिए उन पर कोई कार्रवाई नहीं होनी है। अजय कुमार ने योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता को बतायें कि यह कैसा भयमुक्त प्रदेश है जिसमें कोई सुरक्षित ही नहीं है। सहारनपुर में प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में सेवा देने वाले आशीष और उनके भाई की हत्या पर अजय कुमार लल्लू ने रोष प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से इस्तीफे की मांग की है।

## पीड़ित व उपेक्षित वर्गों पर विशेष ध्यान दें सरकारें: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

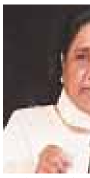

**एक दिन** पूर्व मंदी को लेकर केन्द्र सरकार को आगाह कर चुकी बसपा सुप्रीमो मायावती ने देश में खास कर एससी, एसटी, ओबीसी व अपरकास्ट समाज के करोड़ों गरीबों के आर्थिक हालात पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकारों से मांग है कि वे इन पीड़ित व उपेक्षित वर्गों पर विशेष ध्यान दे तथा उन्मूलन आदि योजनाओं का सही लाभ उन्हें उपलब्ध कराएं। रविवार को मायावती ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स ट्विटर पर पोस्ट करते हुए कहा कि इसके अलावा केन्द्र व सभी राज्य सरकारों से भी यह मांग है कि इन वर्गों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण कोटे के रिक्त पड़े पदों को विशेष अभियान चलाकर पूरा करें। जिससे इनकी आर्थिक स्थिति में थोड़ा सुधार आ सके। उन्होंने कहा कि देशहित में ऐसे कदम उठाने बहुत जरूरी हैं।

# गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए दस सितंबर तक भूमि अधिग्रहण करने का निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**अपर मुख्य** सचिव गृह एवं यूपीडा के सीईओ अवनीश कुमार अवस्थी ने गोरखपुर के कलेक्ट्रेट सभागार में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे की भूमि खरीद और गोरखपुर में औद्योगिकीकरण के लिए यूपीडा द्वारा भूमि अधिग्रहण की समीक्षा की। उन्होंने भूमि अधिग्रहण के कार्यों में और तेजी लाने तथा अवकाश के दिनों में भी सब रजिस्ट्रार कार्यालय खोलकर रजिस्ट्री कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन संसाधनों की आवश्यकता है उसे तत्काल पूरा किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव गृह ने जिलेवार भूमि अधिग्रहण की समीक्षा करते हुए संतकबीरनगर के अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को 10 सितम्बर तक कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एसएसपी से नए थाने के निर्माण की जानकारी लेते हुए कहा कि तत्काल उनका प्रस्ताव शासन को प्रेषित करते हुए तेजी कार्यवाही की जाए। उन्होंने शस्त्र लाइसेंसों एवं शस्त्र दुकानों की जांच करने के भी निर्देश दिए। बैठक में मण्डलायुक्त जयन्त नार्लिकर, जिलाधिकारी के विजयेन्द्र पाण्डियन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ सुनील गुप्ता, अपर आयुक्त प्रशासन अजयकान्त सैनी सहित शासन-प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## निर्माण कार्यों पर पैनी नजर रखें अधिकारी: केशव प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**उप मुख्यमंत्री** केशव प्रसाद मौर्य ने लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम व राजकीय निर्माण निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह निर्माण कार्यों पर पैनी नजर रखें और फील्ड में जाकर लगातार निरीक्षण करते हुए कार्यों में गति लाने का हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी निर्माण कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा करते रहें तथा अधीनस्थों को दिशा निर्देश देते रहें ताकि निर्माण कार्य समय से पूरे हों। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

केशव प्रसाद मौर्य ने अलीगढ़ में बुढ़ारी बुजुर्ग व कालीनदी के मध्य नीम नदी पर चल रहे लघु सेतु निर्माण कार्य हेतु 3 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि निर्गत करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। इसी तरह जनता और जनप्रतिनिधियों की मांग पर जिला कानपुर नगर के प्रतापपुर सरसई एवं बढ़ुवापुर के मध्य पांडु नदी पर चल रहे निर्माण कार्य को गति देने हेतु 2 करोड़ से अधिक की धनराशि निर्गत की है। उन्होंने बताया कि इन सेतुओं के निर्माण से यातायात सुगम होगा तथा जाम से निजात मिलेगी और क्षेत्रवासियों का सर्वांगीण विकास होगा।

## संघ के पूर्व प्रचारक के निधन पर भाजपा संगठन ने व्यक्त किया शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**बीजेपी के** प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह एवं प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व प्रचारक, भाजपा उत्तर प्रदेश के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष महेश दत्त शर्मा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में हुई शोक सभा में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों ने पुष्पांजलि दी। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा महेश दत्त शर्मा आयुर्वेद के बड़े जानकार डाक्टर थे। संघ के प्रचारक के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में काम किया उत्तर प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष, आवास विकास परिषद के अध्यक्ष, समाज के विभिन्न संगठनों से जुड़े हुए समाज सेवी थे। उनके जाने से समाज एवं पार्टी को क्षति पहुंची है। ईश्वर से प्रार्थना है की उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिजनों को इस अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे। महेश दत्त शर्मा के निधन पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष जेपीएस राठौर, प्रदेश महामंत्री विद्यासागर सोनकर, विजय बहादुर पाठक, अशोक कटारिया, पंकज सिंह, सलिल विश्नोई, गोविन्द नारायण शुक्ला, नीलिमा कटियार, प्रदेश मंत्री अनूप गुप्ता, प्रदेश प्रवक्ता अशोक पाण्डेय, हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, शलभ मणि त्रिपाठी, डॉ. समीर सिंह, डॉ. चन्द्रमोहन, मनीष शुक्ला, हीरो बाजपेयी, संजय राय, अनीला सिंह, जुगल किशोर, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, प्रदेश मीडिया सहप्रभारी आलोक अवस्थी, हिमांशु दुबे, मीडिया संपर्क विभाग प्रदेश संयोजक डॉ. तरूणकान्त त्रिपाठी, मीडिया संपर्क विभाग के सहसंयोजक नवीन श्रीवास्तव, अभय प्रताप सिंह ने भी दुःख व्यक्त किया है।


पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपनी पुत्री का नाम साम्भवी राज यदुवंशी के स्थान पर साम्भवी सिंह कर दिया है। भविष्य में साम्भवी सिंह के नाम से जाना/पहचाना जाए। शिवानन्द सिंह यादव पुत्र स्व वंशराज राम यादव, 645ए/732 जानकीविहार कालोनी जानकीपुरम, लखनऊ।


# पिछले सात सालों में 450 फीसद तक बढ़े बिजली के दाम

| 2012 की लागू दरें | 2019 की लागू दरें | सात वर्षों में वृद्धि प्रतिशत |
|---|---|---|
| किसानों के लिए 75 प्रति हार्स पावर बीएचपी | 150 रुपए प्रति बीएचपी | 100 प्रतिशत |
| ग्रामीण घरेलू 125 रुपए प्रति संयोजन | 400 रुपए प्रति किलोवाट | 220 प्रतिशत |
| ग्रामीण मीटर्ड 1 रुपए प्रति यूनिट | 5.50 प्रति यूनिट अन्तिम स्लैब | 450 प्रतिशत |
| घरेलू शहरी अधिकतम 3.80 प्रति यूनिट | 6.50 प्रति यूनिट अन्तिम स्लैब | 71 प्रतिशत |
| घरेलू शहरी फिक्स चार्ज 65 रुपए प्रति किवा. | फिक्स चार्ज 100 प्रति किलोवाट | 54 प्रतिशत |
| घरेलू ग्रामीण फिक्स चार्ज 15 रुपए किलोवाट | फिक्स चार्ज 80 रुपए किलोवाट | 433 प्रतिशत |

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**उपभोक्ता परिषद ने खुलासा करते हुए आयोग से की बढ़ोत्तरी रोकने की मांग**

**उप्र में** बिजली दर को लेकर हमेशा सरकारों को यह भ्रम रहता है कि बिजली दरों में बहुत ज्यादा बढ़ोत्तरी नहीं की गयी।

उपभोक्ता परिषद ने रविवार को खुलासा किया है कि सात सालों में उप्र में बिजली दरों में साढ़े चार सौ प्रतिशत तक वृद्धि की गई। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने पिछले 7 वर्षों में घरेलू ग्रामीण व किसानों की बिजली दरों में अधिकतम वृद्धि के आधार पर उप्र सरकार से विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 108 के तहत बिजली दरों में बढ़ोत्तरी को रोकने के लिये आयोग से सिफारिश करने की मांग की है जिससे आम जनता पर भार न पड़े। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार की समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा उपभोक्ता परिषद ने घरेलू ग्रामीण व शहरी के सलैब के अन्तिम अधिकतम दर का विश्लेषण किया तो पिछले 7 वर्षों में बिजली दरों में व्यापक बढ़ोत्तरी हुई, जो यह सिद्ध करता है कि इस वर्ष भी यदि ग्रामीण घरेलू व किसानों की बिजली दरों में बढ़ोत्तरी करायी गयी तो पूरे प्रदेश में हाहाकार मच जायेगा। चाह कर भी लोग बिजली का उपभोग नहीं कर पाएंगे इसलिये अभी भी समय है प्रदेश सरकार को इस पूरे मामले पर हस्तक्षेप करते हुये बिजली दरों में बढ़ोत्तरी को वापस लेना चाहिये।

अन्यथा की स्थिति में पूरे प्रदेश की जनता में एक गलत संदेश जायेगा। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा कि 20 अगस्त को होने वाली राज्य सलाहकार समिति की बैठक में उपभोक्ता परिषद इस गंभीर मुद्दे को उठायेगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

# शार्ट सर्किट से बेसमेंट में लगी आग, तीन झुलसे

### अवैध तरीके से चार्ज किये जा रहे थे ई-रिक्शा दम्पत्ति व किशोरी झुलसे

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

खुर्रमनगर में शारिक काम्प्लेक्स के बेसमेंट में रविवार को तड़के अवैध तरीके से हो रहे ई-रिक्शा चार्जिंग के दौरान शार्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग प्रथम तल तक पहुंच गई। आग की चपेट में आने से दम्पति व उसकी बेटी झुलस गई। सूचना पर पहुंची विकास नगर पुलिस व फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खुर्रमनगर निवासी शारिक अली का चौराहे के पास ही शारिक नाम से काम्प्लेक्स है। उनके साथ उनके दो भाई जावेद उर्फमुन्ना व जाकिर अपने परिवारों के साथ काम्प्लेक्स के प्रथम तल व द्वितीय तल पर रहते हैं। इंस्पेक्टर विकासनगर धीरज कुमार शुक्ला ने बताया कि काम्प्लेक्स के बेसमेंट में ई रिक्शा की मरम्मत के साथ गाड़ियों की चार्जिंग भी की जाती है। सुबह करीब 6.30 बजे अचानक बेसमेंट में आग लग गई। आग ने वहां खड़े ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। काम्प्लेक्स के प्रथम तल पर जावेद पत्नी नसरीन व 4 बच्चों के साथ सो रहे थे। आग की लपटें प्रथम तल पहुंच गईं। पूरे काम्प्लेक्स में धुआं ही धुआं भर गया। धुएं से सांस लेने में भी तकलीफ होने लगी। तभी जावेद की बेटी शमीरा की नींद खुल गई। धुआं व आग देख उसने शोर मचाते हुए घर के सदस्यों को जगाया। आग में खुद को फंसा देख वहाँ चीख पुकार मच गई।

**इंस्पेक्टर ने अपनी गाड़ी से**

**घायलों को अस्पताल भेजा** :स्थानीय लोगों ने विकास नगर पुलिस व दमकल को सूचना दी। इंस्पेक्टर विकासनगर धीरज कुमार शुक्ला फौरन दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और पीड़ितों की मदद में जुट गए। मौके पर तीन दमकल की गाड़ियां पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से जावेद, पत्नी नसरीन व बेटी शमीरा झुलस गए। उन्हें विकासनगर इन्स्पेक्टर ने अपनी गाड़ी से सिविल अस्पताल हजरतगंज में भर्ती कराया। जबकि ऊपरी तल पर फंसे लोगों को बाहर सीढ़ी लगाकर निकाला गया। घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी महानगर सन्तोष कुमार सिंह भी मौके पर पहुँचे। सीओ महानगर ने कहा कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बेसमेंट में अवैध तरीके से ई रिक्शा चार्ज किये जा रहे थे। मामले की जांच करवाई जाएगी।

### नगर निगम कार्यकारिणी आज

# अटल उदय उपवन पर हंगामे के आसार

## पूर्व पीएम के नाम से छठ घाट के विकास का रखा जाएगा प्रस्ताव

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**नगर** निगम के कार्यकारिणी समिति में पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी के नाम से छठ घाट को विकसित करने का प्रस्ताव रखा जाएगा। कानपुर रोड स्थित हीरालाल डिग्री कॉलेज के पास स्थित तालाब को छठ घाट के तौर पर संवारा जाएगा। इससे इस क्षेत्र के लोगों के लिए छठ पूजा करना आसान होगा। उन्हें तालाब या नदी तक पहुंचने की जद्दोजहद नहीं करनी पड़ेगी। कार्यकारिणी में विपक्ष की अटल उदय उपवन पर विरोध करने की संभावना बढ़ गयी है। वहीं इस संबंध में प्रस्ताव सोमवार को होने वाली नगर निगम कार्यकारिणी में रखा जाएगा।

कार्यकारिणी में विपक्षी पार्षदों का नगर निगम कार्यकारिणी में अटल उदय उपवन पर विरोध करने की संभावना बढ़ गयी है। बिना सदन एवं कार्यकारिणी में पास कराए एचसीएल को देने का विरोध सपा पार्षद दल नेता सैयद यावर हुसैन रेशू ने किया था। उन्होंने कहा कि अटल के नाम पर बिना चर्चा के किसी कंपनी को देने से गलत संदेश जाएगा। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के पत्र पर यह प्रस्ताव तैयार किया गया है। उनके पत्र पर नगर आयुक्त डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी ने गत एक जुलाई को स्वीकृति दी थी, लेकिन कार्यकारिणी या सदन से प्रस्ताव पास न होने के कारण नगर निगम की किसी योजना में यह शामिल नहीं हो सका है। अब कार्यकारिणी से प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद तालाब को छठ घाट के रूप में विकसित करने व उसे अटलजी के नाम पर करने का रास्ता साफ हो जाएगा। कान्हा उपवन के गोबर से बनेगी सीएनजी

कान्हा उपवन में बेसहारा गौवंश के गोबर को खपाने की समस्या अब दूर हो जाएगी। यहां हर रोज निकल रहा गोबर नगर निगम के लिए समस्या बन गया है। गर्मियों में गोबर के ढेर से जहां आग लग रही थी वहीं आसपास के खेतों में गीला गोबर डालने से फसल को नुकसान हो रहा था। अब गोबर से सीएनजी बनाने की योजना है। सीएनजी प्लांट लगाने के लिए निजी संस्था ने प्रस्ताव दिया है। उसे कान्हा उपवन के बगल 2.5 एकड़ जमीन 30 साल के लिए लीज पर दी जाएगी। इसके बदले वह नगर निगम को पांच लाख रुपए सालाना भुगतान करेगी। साथ ही सीएनजी उत्पादन से भी हर माह लगभग 15 लाख रुपए नगर निगम को मिलेगा। इस संबंध में प्रस्ताव कार्यकारिणी में शामिल किया गया है।

**डिग्री कॉलेज के कर्मियों का बढ़ेगा मानदेय:**इंदिरानगर में इस्माईलगंज स्थित अटल विहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कालेज में कार्यदायी संस्था के माध्यम से तैनात समूह ग के कर्मचारियों का वेतन सातवें वेतनमान के अनुसार करने का प्रस्ताव शामिल किया गया है। उनको अभी छठे वेतनमान के अनुसार 7100 रुपए वेतन मिल रहा है। उनका वेतन बढ़कर 19900 रुपए हो जाएगा। इसके अलावा सात मीटर से चौड़े मार्गों को लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित करने, चित्रगुप्त वार्ड में भारत माता मंदिर पार्क का सुंदरीकरण व सरोजनीनगर द्वितीय वार्ड के नारायणपुरी में इंटरलाकिंग के कार्यए रामलालजी सरदार पटेल वार्ड में मार्ग प्रकाश व्यवस्था तथा जलकल के प्रस्ताव कार्यकारिणी में शामिल किये गये हैं।

## कार्यकारिणी में इन प्रस्तावों पर भी होगी चर्चा

1. महापौर के आवास के आस पास मार्ग प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त होगी। भूमिगत केबिल डालने व आक्टागोनल पोल लगाकर मार्ग प्रकाश व्यवस्था का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस योजना पर 24.86 लाख रुपये खर्च होंगे। 19 को होने वाली नगर निगम कार्यकारिणी समिति की बैठक में यह प्रस्ताव रखा जाएगा। इसके अलावा 12 प्रस्ताव रखे गये हैं।

2. रामलालजी सरकार पटेल वार्ड में निरंकारी आश्रम से सिंगारनगरए चौराहे से लेसा आफिस तक एवं सामुदायिक केंद्र से राज स्कैनिंग सेंटर तक लेसा के भूमिगत केबिल डाले जाने से मार्ग प्रकाश व्यवस्था ध्वस्त हो गयी। अभी यहां अंधेरा रहता है। ऐसे में 40 खम्भे लगाकर मार्ग प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने की कार्ययोजना बनायी गयी है।

### महंगाई भत्ता, संविदा और कम्प्यूटर आपरेटर के वेतन का मुद्दा भी उठेगा

**अटल** बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज कार्यरत 18 शिक्षकों को 154 प्रतिशत महंगाई भत्ता व सातवें वेतनमान का लाभ मिलेगा। जलकल विभाग में तैनात संविदा कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रदीप कुमार मिश्रा को न्यूनतम वेतनमान दिये जाने, जलकल विभाग में कार्यरत 40 कर्मचारियों की चिकित्साप्रतिपूर्ति का प्रस्ताव, कर्मचारियों को अवकाश भत्ता, जलकल विभाग में कार्यरत दैनिक वेतन व वर्कचार्ज एवं संविदा कर्मियों के विनियमितीकरण तथा नगर आयुक्त की ओर से मुख्य अभियंता सिविल मनीष कुमार सिंह को निर्माण संबंधी अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का अधिकार दिए जाने का प्रस्ताव शामिल किया गया है।

3. सीडीआरआई व क्लार्क अवध के बीच स्थित तिराहा व पुराना डीएसओ चौराहे का नामकरण कलम दवात चौराहा कर सौंदर्यीकरण कराने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी जाएगी। इंदिरा नगर स्थित लवकुश नगर में लगाए गए सेफ ड्रिंकिंग वाटर प्लांट के संचालन की जिम्मेदारी ऽारत सेवा आश्रम को दी गई है। संस्था को 30 वर्ष के लिए जमीन का अनुबंध किया गया है, इसके संचालन के लिए 500 रुपये प्रतिमाह किराया देना होगा। प्लांट व भवन पर बिजली का किराया भी संस्था वहन करेगी।

# घूस के बिना नहीं मिल पा रहा जन्म प्रमाणपत्र

### प्रसव के 10 महीने बाद भी दंपति लगा रहे सीएचसी के चक्कर

### सीएचसी अधीक्षक ने मामले की जानकारी होने से इनकार किया

**संवाददाता।** माल

**माल** सीएचसी में कार्यरत बाबू पर घूस में सौ रुपये न देने पर बच्ची का जन्म प्रमाण पत्र न देने का आरोप लगा है। पीड़ित दंपति का कहना है कि बाबू उसे 10 महीने से सीएचसी के चक्कर कटवा रहा है। हालांकि सीएचसी अधीक्षक ने मामले की जानकारी होने से इनकार किया है। माल के थरी गांव निवासी रामलखन रावत के मुताबिक 11 अक्टूबर 2018 को उसने अपनी पत्नी शीतला देवी को प्रसव के लिए आशा बहू के जरिए से माल सीएचसी में भर्ती करवाया था। शीतला ने उसी दिन बच्ची को जन्म दिया। प्रसव के तीसरे दिन उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। रामलखन के मुताबिक जन्म प्रमाणपत्र मांगने पर अस्पताल के बाबू ने अगले दिन देने की बात कही। आरोप है कि अगले दिन अस्पताल जाने पर बाबू ने 100 रुपये की डिमांड कर दी। पीड़ित ने पास में रुपये न होने का हवाला देते हुए प्रमाण पत्र देने का अनुरोध किया। इसके बावजूद उसे चलता कर दिया गया। पीड़ित के मुताबिक जिसके बाद से वह लगातार स्वयं व आशा बहू के साथ सीएचसी जा रहा है। हर बार बाबू किसी न किसी बहाने से उसे टरका देता है। रामलखन के मुताबिक आशा बहू ने भी यह कर अपना पल्ला झाड़ लिया है कि बाबू को घूस के 100 रुपये न मिलने के कारण अब वह आनाकानी कर रहा है। इसलिए वह भी अब कुछ नहीं कर सकती। इस मामले में सीएचसी के अधीक्षक डॉ. केडी मिश्रा का कहना है कि मामले की हमे जानकारी नहीं है। सोमवार को पीड़ित से संपर्क कर जन्मप्रमाण पत्र दे दिया जाएगा। दोषी बाबू के खिलाफ जांच करवाकर कार्रवाई की जाएगी।

# सर्टिफिकेट कोर्स के लिए अब एस व्यासा और बीबीएयू में होगा करार

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**योग** आधारित सर्टिफिकेट कोर्सों के संचालन को लेकर बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान(एस-व्यासा) के साथ एक अनुबंध करेगा। अनुबंध के तहत कोर्सों के संचालन के साथ ही एस-व्यासा के योग शिक्षक क्लास ले सकेंगे। रविवार को यह जानकारी विवि के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने अत्यधिक तनाव का स्व-प्रबंधन विषय पर आधारित दो दिवसीय योग कार्यशाला के समापन सत्र में दी।

प्रो. संजय ने कहा कि इस दो दिवसीय योग कार्यशाला में हमें बहुत कुछ सीखने और समझने का अवसर मिला, जो कि एक सुखद अनुभव है। उन्होंने कहा कि परिसर में योग केंद्र खोलने के लिए भी विश्वविद्यालय प्रयासरत है। सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के अध्यक्ष प्रो.रिपुसूदन सिंह ने कहा कि हमारा दो दिन का ये अनुभव अद्भुत रहा। दो दिवसीय योग कार्यशाला के आखिरी दिन आज ग्रुप डिस्कशन हुआ। उसके बाद साइक्लिक मेडिटेशन, क्रिया योग, व्यास मूवमेंट का अभ्यास कराया गया।

**योग वेलनेस सेंटर शुरू:** परिसर में योग वेलनेश सेंटर ने काम करना शुरू कर दिया है। इसमें एक योग चिकित्सक की नियुक्त की गई है। इस सेंटर की मंजूरी प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से दी गयी है। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद गोसाईंगंज प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र में तैनात योग चिकत्सिक पूनम शर्मा को बीबीएयू के योग वेलनेश सेंटर से संबद्ध कर दिया गया है। उन्होंने अपना कार्यभार भी संभाला लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार उनके लिए जल्द ही एक सहायक की भी नियुक्त प्रदेश सरकार करेगी।

# सील बिल्डिंग में हो रहा था निर्माण, विरोध पर रुकवाया

### बिना अनुमति और कम्पाउडिंग के बिल्डर ने शुरू करवा दिया काम शिकायत पर मौके पर पहुंची पुलिस

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**हुसैनगंज** में एलडीए द्वारा सील बिल्डिंग में चल रहे निर्माण कार्य का मोहल्ले वालों ने कड़ा विरोध किया। बिल्डर के रवैये से नाराज क्षेत्रीय लोगों ने बिल्डर की शिकायत क्षेत्रीय थाने में की थी। पुलिस ने दबंग बिल्डर के कर्मियों को हिरासत में लेकर निर्माण कार्य रुकवा दिया। वहीं सील बिल्डिंग में बिल्डर द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य की एलडीए के अधिकारियों को भनक तक नहीं लगी। रविवार को हुसैनगंज के मंदिर लेन में दबंग बिल्डर 8 फिट चौड़ी सड़क पर सील अपार्टमेंट में बेखौफ निर्माण कराने में जुटा रहा, लेकिन लापरवाह एलडीए के अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं थी। इससे पूर्व राम मंदिर लेने में प्लाट नंबर - 57/73 पर बिल्डिंग निर्माण के दौरान एलडीए की संयुक्त सचिव एवं विहित प्राधिकारी ऋतु सुहास से शिकायत की गयी थी,। लेकिन अभी दो सप्ताह ही बीते होंगे कि बिल्डर ने साप्ताहिक अवकाश में निर्माण शुरू करा दिया। इसका क्षेत्रीय सुनील कुमार सहित आधा दर्जन लोगों ने विरोध किया। बिल्डर द्वारा निर्माण कार्य न रोके जाने पर क्षेत्रीय हुसैनगंज थाने से शिकायत की। सुनील कुमार के अनुसार शिकायत के बाद पुलिस ने मौके पर आकर कार्य रुकवा दिया। यही नहीं एसआई ने एलडीए के सहायक अभियंता से वार्ता कर कार्य रुकवाने के लिए कहा। अभियंता ने बताया कि सील खोलने का आदेश नहीं हुआ है, बावजूद इसके निर्माण की अनुमति किसने दी। हालांकि बिल्डर ने कपाउंडिंग कराने की बात कही। पुलिस बिल्डर के कर्मियों को थाने ले गयी। मोहल्ले वालों ने एक जुट होकर इससे पहले भी अपार्टमेंट बनाने का विरोध किया था और अधिकारियों ने क्षेत्रीय लोगों से अपार्टमेंट का निर्माण नहीं होने देने का आश्वासन दिया था। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार अपार्टमेंट का निर्माण सील तोड़कर करने के पीछे एलडीए के अफसरों की लापरवाही है। एलडीए के सख्त निर्देश के बाद अपाटमेंट का निर्माण होने के पीछे क्षेत्रीय कर्मियों की मिली भगत की आशंका है। बिना मिलीभगत के बिल्डर बेखौफ बिल्डिंग नहीं बना सकता, जबकि लगातार अपार्टमेंट का विरोध किया जा रहा है। अभी तक एलडीए ने दोबारा बिल्डिंग को सील नहीं किया है। इस बारे में शिकायत दो सप्ताह पूर्व की जा चुकी है।

# सैटेलाइट कैम्पस में छह मंजिला अस्पताल बनेगा शासन को भेजी डीपीआर

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**किंग** जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के बलरामपुर में खुलने वाले सैटेलाइट सेंटर में छह मंजिला अस्पताल का निर्माण होगा। तीन सौ बेड के इस अस्पताल के निर्माण के लिए राजकीय निर्माण निगम ने 107 करोड़ 56 लाख 97 हजार रुपए का प्रस्ताव तैयार किया है। निगम द्वारा तैयार डीपीआर को विवि की तरफ से शासन को भेज दिया गया है।

सैटेलाइट कैम्पस में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू करने के लिए विवि की तरफ से तकरीबन 20 विभाग खोले जाने की योजना है। कुलसचिव राजेश राय के मुताबिक एमबीबीएस के लिए सेटेलाइट कैंपस में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी,बायोकेमिस्ट्री, रेडियो डायग्नोसिस, एनेस्थीसिया, पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फर्माकोलॉजी, फॉरेंसिक मेडिसिन, कम्युनिटी मेडिसिन, जनरल मेडिसिन, पीडियाट्रिक्स, ईएनटी, ऑप्थेलमोलॉजी, डरमेटोलॉजी, साइकेट्री, जनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक, ऑब्स एंड गाइनी और डेनटिस्ट्री विभाग शुरू होंगे। सेटेलाइट कैंपस में एमबीबीएस की पढ़ाई के साथ-साथ इलाज की भी बेहतर व्यवस्था होगी।

# रक्षाबंधन पर 12 लाख महिलाओं ने उठाया मुफ्त बस सेवा का लुत्फ

### बारह सौ से ज्यादा बसों का हुआ संचालन 2412 महिलाओं को वापस की गई 11 लाख से अधिक की टिकट की धनराशि

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**रक्षाबंधन** पर्व पर इस बार रिकार्ड 1203221 महिलाओं को रोडवेज बसों में मुफ्त सफर का लुत्फ उठाया। रोडवेज प्रशासन द्वारा रक्षाबंधन के दिन 12080 बसों का संचालन किया गया। कई मार्गों पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए निगम प्रशासन ने 1502 अतिरिक्त बसें भी चलाई। वहीं जिन महिला यात्रियों ने रक्षाबंधन पर यात्रा करने के लिए एडवांस टिकटों की बुकिंग कराई थी। उन्हें भी रोडवेज ने उनका किराया वापस कर दिया है। करीब 2412 महिलाओं को 1177411 रुपए की धनराशि वापस की गई है। यह धनराशि पांच दिनों में उनके बैंक खाते में पहुंच जाएगी। रक्षाबंधन पर्व पर सबसे ज्यादा निशुल्क सफर मेरठ परिक्षेत्र की महिला यात्रियों ने किया। रक्षाबंधन के दिन यहां पर करीब सवा लाख से अधिक महिलाओं ने सफर किया तो वहीं झांसी परिक्षेत्र में 26531 महिला यात्रियों ने सफर किया। रोडवेज के प्रबंध निदेशक डा. राजशेखर ने बताया कि रक्षाबंधन के दिन प्रदेश में संचालित बसों में कुल 2399590 यात्रियों ने सफर किया। जिसमें महिला यात्रियों की संख्या 1203221 है। 14 अगस्त की रात 12 बजे से लेकर 15 बजे की रात 12 बजे तक रोडवेज बसों ने कुल 137430847 रुपए की कमाई की। वहीं इस दौरान महिला यात्रियों को 76752835 रुपए धनराशि मूल्य के निशुल्क टिकट जारी किया गया। डा. राजशेखर ने बताया कि त्योहार के दिन यात्रियों की सुविधा के लिए कई मार्गों पर अतिरिक्त बसों के संचालन किया गया। वहीं यात्रियों की सुविधा के लिए 24 घंटे तक कंट्रोल रूम में अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती भी रही। जिससे यात्रियों की समस्या का निराकरण तत्काल कराया जा सके। इस दौरान रोडवेज के कंट्रोल रूम में कुल 1880 मामले प्रकाश में आए जिसमें से 1729 शिकायतों का तत्काल निराकरण कर दिया गया।

# उमड़े यात्री, चलाई गईं दर्जनों अतिरिक्त एसी बसें

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**रक्षाबंधन** पर्व के बाद वापसी यात्रा के लिए रविवार को बस स्टेशनों पर यात्रियों की जमकर भीड़ उमड़ी। सबसे ज्यादा भीड़ दिल्ली व गोरखपुर जाने वाले यात्रियों की रही। लिहाजा दिल्ली के लिए जहां करीब डेढ़ दर्जन तो गोरखपुर के लिए भी करीब आधा दर्जन एसी श्रेणी की बसों को रवाना किया गया। वहीं यात्रियों की सुविधा के लिए रविवार को लखनऊ से दो की जगह चार स्लीपर बसें भी चलाई गई। देर रात तक परिवहन निगम के अधिकारी बस स्टेशनों पर डटे रहे और अपनी देखरेख में बसों को रवाना कराया। क्षेत्रीय प्रबंधन पल्लव बोस ने बताया कि दिल्ली की भीड़ को देखते हुए देर रात तक करीब 20 एसी बसों को रवाना किया गया। एआरएम चारबाग अमरनाथ सहाय ने बताया कि यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए ऑन डिमांड बसों का संचालन कराया जा रहा है। बताते चलें कि रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए रोडवेज के एमडी डा. राजशेखर ने निगम अधिकारियों को 13 से 18 अगस्त के मध्य ज्यादा से ज्यादा संख्या में बसों का संचालन करने के निर्देश दिए थे। इसी के चलते सिर्फ रक्षाबंधन के दिन 12 हजार से अधिक बसों का संचालन हुआ और ज्यादातर बसें ऑन रोड रही। देहरादून जाने वाले यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रविवार को वहां के लिए भी दो की जगह चार एसी बसें रवाना की गई। वहीं राजधानी के कैसरबाग, चारबाग व आलमबाग बस टर्मिनल से प्रयागराज, कानपुर, सहारनपुर, बहराइच, मेरठ सहित कई अन्य जिलों के लिए भी अतिरिक्त संख्या में बसें चलाई गई।

# प्रतिभाशाली व्यक्ति राष्ट्र की अमूल्य सम्पदाः हृदय नारायण

**विधानसभाध्यक्ष ने किया असाध्य का एक साधक पुस्तक का विमोचन**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**प्रतिभाशाली** व्यक्ति राष्ट्र की अमूल्य सम्पदा होते हैं। मनीषी जगत के व्यक्तियों पर किसी भी समाज व देश के उत्थान की बड़ी जिम्मेदारी होती है। जिस समाज एवं देश में श्रेष्ठ मनीषियों की तादाद ज्यादा होती है, वह समाज निरन्तर ऊँचा उठता चला जाता है। आज हमारे देश को अच्छे मनीषी लोकसेवियों की बड़ी आवश्यकता है।

रविवार को हजरतगंज के उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के यशपाल सभागार में विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने यह कथन सभा को संबोधित करते हुए कहे। वह भाग्योदय प्रकाशन द्वारा असाध्य का एक साधक राम महेश मिश्र शीर्षक से प्रकाशित पुस्तक के विमोचन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। चर्चित लोकसेवी राम महेश मिश्र के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं जीवन संघर्षों पर आधारित पुस्तक का विमोचन करने के बाद श्री दीक्षित ने कहा कि प्रहलादपुरी हरदोई में जन्में श्री मिश्र ने बीस वर्षों तक अपनी कर्मभूमि लखनऊ से गायत्री परिवार के जरिए राष्ट्र, धर्म एवं संस्कृति की सेवा की। उत्तराखण्ड से 12 वर्षों की देशसेवा के बाद वह भाग्योदय फ़ाउण्डेशन के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर युवा शक्ति को संस्कारी एवं स्वावलम्बी बनाने के लिए जनजागरण का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने परमार्थ निकेतन ऋषिकेश एवं विश्व जागृति मिशन नयी दिल्ली के जरिए भी देश की सेवा की है। इस अवसर पर पूर्व आईएएस अधिकारी एवं गोमती एक्शन परिवार के चेयरमैन जय शंकर मिश्र ने कहा किराम महेश मिश्र ने गायत्री परिवार के कार्यकर्ता के रूप में समाज के आम व खास हर वर्ग को तपस्वी गायत्री साधक आचार्य श्रीराम शर्मा की वैचारिक क्रान्ति से जोड़ा। प्रदेश के पंचायती राज निदेशक डॉ. ब्रह्मदेव तिवारी ने राम महेश मिश्र के जीवन संघर्षों को केन्द्र में रखकर पुस्तक लेखन के लिए नीना अग्रवाल व राकेश चन्द्र अग्रवाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि हरदोई के मूल निवासी श्री मिश्र उत्कट जीवट के धनी व्यक्ति हैं, उन्होंने जीवन की विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी सामाजिकता व समाजसेवा के धर्म को नहीं छोड़ा। स्वतन्त्र स्तम्भकार व वैश्विक छवि के वरिष्ठ पत्रकार के विक्रमराव ने राम महेश मिश्र को एक दृढ़संकल्पी एवं निष्ठावान राष्ट्रसेवक बताया। इस अवसर पर प्रमुख वरिष्ठ संन्यासी सन्त स्वामी देवेन्द्रानन्द सरस्वती, यमुना रक्षक दल वृन्दावन के अध्यक्ष स्वामी जय कृष्ण दास, भाग्योदय फ़ाउण्डेशन के न्यासी स्वामी रवीन्द्र प्रताप, दिलीप कुमार नायक भी मौजूद रहे।

# शहीद किसी जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र का नहीं होता : इंद्रेश कुमार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**शहीद** जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र का नहीं होता है। उसकी कोई सीमा नहीं होती है और उसे किसी परिधि में बांधा नहीं जा सकता है। आज़ादी के आंदोलन में गाय और सुअर की चर्बी लगी कारतूस का भारतीय सेना ने बहिष्कार किया। ब्रिटानिया हुकूमत के ख़िलाफ़ भारतीय सैनिक लड़े जबकि उनके पास कोई अत्याधुनिक हथियार भी नहीं थे। अंग्रेज आधी दुनिया पर राज करते थे, उनसे मुकाबला हमारे पूर्वजों ने किया। आप सोच सकते हैं कि पूर्वजों में किस तरह का राष्ट्रप्रेम था। यह बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय अधिकारी श्री इंद्रेश कुमार ने कहीं। वह महापुरुष स्मृति समिति की ओर से परमवीर चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल आर्देशीर बुर्जोर्जी तारापोर के 96वें जन्मोत्सव पर आयोजित संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आज देश में हमारे अरमानों की लिंचिंग हो रही है। हमारे अरमानों का अपमान रोजाना हो रहा है। हमने आज़ादी की कीमत नहीं चुकाई सिर्फ उसे एंज्वॉय कर रहे हैं। जो लोग देश के टुकड़े होंगे ऐसे नारे लगा रहे हैं वह कौन हैं। जम्मू-कश्मीर के विशेष प्रावधान को लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पुरजोर विरोध किया था। यह स्पेशल स्टेटस भारत की एकता और अखंडता को तोड़ने का काम करेगा। नेहरू की जिद के आगे उस समय के पांच मुस्लिम सांसदों ने इस्तीफा दे दिया था। यह सभी सांसद कांग्रेस के थे। उन्होंने यह कहा था कि हो सकता है एक दिन देश की सरकार को सद्बुद्धि आए और 370 अनुच्छेद को खत्म किया जाए।

# बसपा की लखनऊ जनपद की विधानसभावार कमेटियां गठित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**प्रदेश** की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर रविवार को लखनऊ जनपद की विधानसभावार कमेटियों की समीक्षा कर उनका पुनर्गठन किया गया है। कमेटियों का गठन बसपा की लखनऊ यूनिट के जिलाध्यक्ष डॉ. हरिकृष्ण गौतम की देख-रेख में किया गया है।

विधानसभावार कमेटियों में मलिहाबाद सुरक्षित सीट के लिए विधानसभा अध्यक्ष के रूप में शत्रोहन भारती, महासचिव आशीष रावत, कोषाध्यक्ष जीशान वली खाँ, संयोजक वीवीएफ के लिए बुद्धीलाल व रामगोपाल मौर्या को जिम्मेदारी दी गयी है। इसी तरह बक्शी का तालाब सीट के लिए विधानसभा अध्यक्ष के रूप में अमित कुमार गौतम, महासचिव सुशील कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष सहज राम रावत, संयोजक वीवीएफ के लिए लालजी व रामू गौतम को जिम्मेदारी दी गयी है। सरोजनीनगर सीट के लिए विधानसभा अध्यक्ष के रूप में अमित कुमार गौतमनीरज कुमार गौतम, महासचिव दिनेश लोधी, कोषाध्यक्ष मोहम्मद जावेद सिद्दीकी, संयोजक वीवीएफ का कार्यप्रभार मदन सेन व राम नरायन को सौंपा गया है। लखनऊ पश्चिम सीट के लिए विधानसभा अध्यक्ष के रूप में ओपी वर्मा, महासचिव अमित सिंह यादर्व, कोषाध्यक्ष मो. वसीम, संयोजक वीवीएफ के लिए गंगाधर गौतम व देवेन्द्र कुमार को जिम्मेदारी दी गयी है। लखनऊ उत्तर सीट के लिए विधानसभा अध्यक्ष के रूप में पारस अम्बेडकर, महासचिव ज्ञानचंद निषाद, कोषाध्यक्ष मुदस्सिर सिद्दीकी, संयोजक वीवीएफ की जिम्मेदारी प्यारेलाल गौतम व अमन दीवान को दी गयी है। लखनऊ पूर्वी सीट के लिए विधानसभा अध्यक्ष के रूप में रामसागर गौतम, महासचिव रामसुरेश वर्मा, कोषाध्यक्ष जवाहर रावत, संयोजक वीवीएफ की जिम्मेदारी विनोद कुमार व सचिन वाल्मिकी को दी गयी है। लखनऊ मध्य सीट के लिए विधानसभा अध्यक्ष के रूप में विशाल कुमार कांशी, महासचिव सदफ उमर, कोषाध्यक्ष आशीष सोनकर, संयोजक वीवीएफ की जिम्मेदारी उमेश गौतम व मो. लईक अहमद को दी गयी है। लखनऊ कैंट सीट के लिए विधानसभा अध्यक्ष के रूप में सुदर्शन राजेन्द्र गौतम, महासचिव विपिन शर्मा, कोषाध्यक्ष मो. तारिक, संयोजक वीवीएफ की जिम्मेदारी राम बाबू, ललित विजय कुमार को दी गयी है। मोहनलालगंज सुरक्षित सीट के लिए विधानसभा अध्यक्ष के रूप में बुद्धसेन आनंद, महासचिव शिवराम पाल, कोषाध्यक्ष अनूप कुमार पटेल, संयोजक वीवीएफ की जिम्मेदारी मोल्हे रावत व बराती लाल को दी गयी है।

# 29 अगस्त से खिलाई जाएगी पेट में कीड़े मारने की दवा

**लखनऊ।** 29 अगस्त से चार सितंबर तक इस बार चलने वाले राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के तहत एक वर्ष से 19 वर्ष के बच्चों को पेट में कीड़े मारने की दवा शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों व स्कूलों पर खिलाई जायेंगी। अभियान में पांच करोड़ से अधिक बच्चों को पेट में कीड़ा मारने वाली अलबेंडाजोल दवाई खिलाए जाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की तरफ से तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। एनएचएम के मुताबिक विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार यह कृमि जो पोषक तत्व बच्चों के शरीर के लिए ज़रूरी होते हैं उन्हें खा जाते हैं। जिससे बच्चों में एनीमिया, कुपोषण, जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 4 चरण राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के रूप में आयोजित किए जा चुके हैं।

# परोपकार में ही अपना भी उपकारः भारती गांधी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**सिटी** मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर ऑडिटोरियम में आयोजित विश्व एकता सत्संग में बोलते हुए बहाई धर्मानुयायी, प्रख्यात शिक्षाविद् व सीएमएस संस्थापिका-निदेशिका डा. (श्रीमती) भारती गाँधी ने कहा कि सबको अपना सुख भुलाकर लोगों के हित में काम करना चाहिए। हम बच्चों को 'जय जगत' व 'वसुधैव कुटुम्बकम' की शिक्षा देते हैं और यही बच्चे आगे चलकर दुनिया से लड़ाइयां खत्म करायेंगे। उन्होंने बच्चों से कहा कि हमेशा दूसरों के हित में काम करने पर अपना उपकार स्वतः ही हो जायेगा क्योंकि सभी का सामूहिक विकास होगा। इससे पहले, शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों से विश्व एकता सत्संग का शुभारम्भ हुआ, जिन्होंने बहुत ही सुमधुर भजन सुनाकर सम्पूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर कर दिया। विश्व एकता सत्संग में आज राजेन्द्र नगर (द्वितीय कैम्पस) के छात्रों ने एक से बढ़कर एक आध्यात्मिक-साँस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित सत्संग प्रेमियों को गद्गद् कर दिया। स्कूल प्रार्थना से कार्यक्रम की शुरूआत करके छात्रों ने 'वार्तालाप' कार्यक्रम के माध्यम से अपने बुजुर्गों एवं दादा-दादी के प्रति सम्मान व्यक्त किया। प्री-प्राइमरी के छात्रों ने सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया। बच्चों ने अपने कैम्पस में हो रही गतिविधियों तथा कार्यों पर भी एक सुन्दर रिपोर्ट प्रस्तुत की।

# सीएमएस आरडीएसओ कैम्पस के तीन छात्रों को 12 लाख की स्कॉलरशिप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**सिटी** मोन्टेसरी स्कूल, आरडीएसओ कैम्पस के तीन मेधावी छात्रों वैष्णवी चौहान, आनन्द शर्मा एवं सृष्टि सिन्हा को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 12 लाख रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान की जायेगी, जिसमें प्रत्येक छात्र को चार लाख रुपये मिलेंगे। मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि इन छात्रों को यह स्कॉलरशिप विज्ञान विषय में उच्च स्तरीय शिक्षा हेतु प्रदान की जायेगी, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक छात्र को पाँच वर्षों तक प्रतिवर्ष 80,000 रुपये अर्थात कुल चार लाख रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। श्री शर्मा ने बताया कि इन मेधावी छात्रों ने इस वर्ष की आईएससी (कक्षा-12) परीक्षा-2019 में अपने मेधात्व का अभूतपूर्व परचम लहराते हुए पूरे देश में 'टॉप वन परसेन्ट' मेरिट सूची में स्थान अर्जित किया है एवं इसी अभूतपूर्व प्रदर्शन हेतु विज्ञान की उच्च स्तरीय शिक्षा हेतु इस प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप हेतु चयनित किया गया है। इन मेधावी छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं शिक्षकों के अलावा सीएमएस के शैक्षिक वातावरण को दिया है।

# खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार प्रयत्नशीलः एसबी शर्मा

पायनियर समाचार सेवा, लखनऊ।

**निदेशक** उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण एस बी शर्मा ने कहा कि खद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा दे न के लिए प्रदेश सरकार लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरिमनी में सबसे ज्यादा संख्या में परियोजनाएं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से हैं, जो स्वयं में स्पष्ट करता है कि प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने की प्रबल सम्भावना विद्यमान है। ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरिमनी प्रथम में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 14 परियोजनायें जिनमें लगभग 3550 करोड़ का पूंजी निवेश प्रस्तावित था, वर्तमान में या तो वांणिज्यिक उत्पादन में हैं अथवा शीघ्र ही वांणिज्यिक उत्पादन में आने वाले हैं। ग्राउण्ड ब्रेकिंग के द्वितीय चरण में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापना की 41 परियोजनायें हैं, जिनमें 3064.55 करोड़ का पूंजी निवेश होगा। 18 परियोजनायें में लगभग 2000 करोड़ का पूंजी निवेश है, जो चीनी मिल, दुग्ध तथा एग्रो प्रासेसिंग से सम्बन्धित है। इन इकाईयों के माध्यम से प्रदेश में फल सब्जी, खाद्यान्न, तिलहन एवं दलहन से जुड़े विविध उत्पादों का उत्पादन किया जायेगा। यह इकाईयां प्रदेश के पश्चिमी भू-भाग, मध्य भू-भाग, पूर्वांचल एवं बुन्देलखण्ड सभी क्षेत्र में स्थापित हो रही हैं। इससे प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगे। निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण एस बी शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2017 में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से मण्डी शुल्क तथा एसजीएसटी से सम्बन्धित संशोधन किया गया है और उद्यमियों का आह्वाहन किया गया है कि उद्यमी उत्तर प्रदेश में बड़ी मात्रा में निवेश हेतु आगे आयें। उनकी समस्त समस्याओं का समाधान प्रदेश सरकार द्वारा शीघ्रता से किया जायेगा।

# इलाहाबाद बैंक ने की शाखा स्तर पर बैठक

**लखनऊ।** भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने हमेशा अपने व्यवसाय को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में संरेखित करने के लिए उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी है। इलाहाबाद बैंक इस संबंध में प्रतिक्रिया देने के लिए हमेशा सामने रहता है। उसी के एक भाग के रूप में इलाहाबाद बैंक ने बैंक को व्यवसाय को संरेखित करने के लिए दो दिवसीय बैठक का सफ लतापूर्वक आयोजन किया। बैंक के उप महाप्रबंधकों को 17 और 18 अगस्त को प्रत्येक क्षेत्र में 2 दिवसीय बॉटम-अप सलाहकार प्रक्रिया के संचालन और पर्यवेक्षण के लिए के रूप में नामित किया गया था। हमारे मेंटर डीजीएम मिथलेश कुमार, एजीएम मनोज कुमार शर्मा और सीएम निरंजन कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। शाखा का स्तर ऊपर के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए और बैंक के लिए रोडमैप बनाने के लिए जमीनी स्तर के प्रबंधकों से अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इस दौरान बैंक के क्रियाकलाप से जुड़े कई मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया के नरही स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में फील्ड महाप्रबंधक लखनऊ अंचल नरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल कुमार मीलू ने लखनऊ क्षेत्र के शाखा प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक की

# पंचायतीराज के तहत ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का प्रमोशन जल्द

**लखनऊ।** पंचायती राज विभाग के तहत तैनात ग्रामीण सफाई कर्मचारियों में 20 फीसदी कर्मचारियों का प्रमोशन जल्द ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर होगा। इसको लेकर निदेशक की सहमति के बाद शासन स्तर पर गंभीरता से विचार चल रहा है। शासन के उच्च सूत्रों के अनुसार सरकार पंचायती राज ग्रामीण सफाई कार्मिकों की पदोन्नति की मांग पर गम्भीरता से मंथन कर रही है। निदेशक स्तर पर लगभग पदोन्नति की मांग पर सहमति दे दी गई है। गत 17 जुलाई को प्रमुख सचिव पंचायती राज विभाग अनुराग श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग के सभी मान्यता प्राप्त सेवा संघों की द्विपक्षीय वार्ता हुई थी। इसमें उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने 13 सूत्रीय मांगों के निराकरण के लिए अनुरोध किया था। जिसमें प्रमुख सचिव ने मांगों पर सार्थक वार्ता की गई।

# इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ने आयोजित की परामर्श प्रक्रिया

**लखनऊ।** वित्तीय सेवाएं विभाग भारत सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों के अनुसार विचारों के सृजन, प्रदर्शन की समीक्षा और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं हेतु रूपरेखा बनाने के लिए इण्डियन ओवरसीज़ बैंक लखनऊ क्षेत्राधीन आने वाली सभी शाखाओं को शामिल करते हुए सतही परामर्श प्रक्रिया के प्रथम चरण की बैठक दिनांक 17 एवं 18 अगस्त को इण्डियन ओवरसीज़ बैंक लखनऊ क्षेत्र द्वारा आयोजित की गई । यह अपने तरह का पहला विमर्श था जहां शाखाओं को स्वयं ही उनके कार्य की समीक्षा करने, बैंकिंग क्षेत्र के सम्मुख उपस्थित मुद्दों व चुनौतियों की पर्यालोचना करने, भविष्य की रणनीतियों तथा आगे के मार्ग प्रशस्त करने संबंधी उपायों पर विचार-विमर्श करनेके लिए कहा गया था। बैठक मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में साख को बढ़ाने, उन्नत तकनीक का उपयोग करते हुए नवीनता लाने तथा बड़े डाटा का विश्लेषण करने में सक्षम बनाने तथा बैंकिंग को जनकेन्द्रित बनाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों, किसानों, छोटे ,उद्योगों उद्यमियों, युवाओं, विद्यार्थियों एव महिलाओं की आवश्यकताओं के प्रति और अधिक उत्तरदायी बनाने के तरीकों तथा माध्यमों की ओर केन्द्रित थी ।

बैठक मुख्य रूप से बैंक के प्रदर्शन तथाराष्ट्रीय प्राथमिकताओं के क्षेत्र के साथ राष्ट्रीय संरेखण पर केन्द्रित थी। विमर्श के परिणाम स्वरूप बड़ी संख्या में लागू करने योग्य तथा नए सुझाव आए।

# बैंक के कार्यों की समीक्षा और सुधार के लिए समागम आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**बैंकों** के कार्यों की समीक्षा तथा उसमें सुधार लाने हेतु विचारमंथन के लिए बाटम अप परामर्श प्रक्रिया तया राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ उनके समागम का पहला चरण बैंक ऑफ बड़ौदा लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर 17 तथा 18 अगस्त 2019 को आयोजित किया गया जिसमें सभी 106 शाखा प्रमुखों ने भाग लिया । यह अपनी तरह की पहली परामर्श प्रक्रिया है जो शाखाओं को अपने कार्य निष्पादन की समीक्षा, बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े मुद्दों, भविष्य की रणनीति और आगे बढ़ने के तरीकों पर विचार-विमर्श करने के उद्देश्य से आयोजित की गयी । इस कार्यशाला का उद्देश्य बैंकिंग को आमजन के साथ केंद्रित करते हुए वरिष्ठ नागरिकों, किसानों, छोटे उद्योगपतियों , उद्यमियों, युवाओं और महिलाओ जैसे विभिन्न वर्गो की जरूरतों और अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील होना भी है । इस बैठक के दौरान किंग क्षेत्र के समक्ष आने वाली विभिन्न चुनौतियों के प्रति विषयवस्तु विशेषज्ञों द्वारा नौ विषयों पर तैयार किये गये पेपर्स के आधार पर चर्चा की गयी । इस बैठक के दौरान राष्ट्रीय प्रायमिकताओं से सम्बन्धित विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं यथा आर्थिक विकास के लिए क्रेडिट समर्थन, इन्फास्ट्रक्चर, उद्योग कृषि क्षेत्र और ब्लू इकोनोमी, जन शक्ति, एमएसएमई क्षेत्र और मुद्रा ऋण, शिक्षा ऋण, निर्यात ऋण इत्यादि मुद्दों पर अद्यतन प्रगति के साथ-साथ भविष्य की रणनीति तय करने पर भी विस्तृत चर्चा की गयी । इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप अनेक नए क्रियांवयन योग्य व परिवर्तनात्मक सुझाव सामने आए यथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों तथा विशेष रूप से बैंक ऑफ बड़ौदा में बेहतर प्रदर्शन हेतु रणनीति रोडमैप इत्यादि।

# यूनाइटेड बैंक ने की विचारों के सृजन व प्रदर्शन की समीक्षा

**लखनऊ।** विचारों के सृजन व बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ उनके संरेखण हेतु निम्न स्तर से उच्च स्तर तक परिकल्पित परामर्श प्रक्रिया के प्रथम चरण के अंतर्गत क्षेत्र की समस्त शाखाओं को समिलित करते हुएए यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 18 अगस्त को क्षेत्रीय स्तर पर एक बैठक का आयोजन किया गया। यह अपनी तरह का पहला परामर्श था जहां शाखाओं को स्वयं अपने प्रदर्शन की समीक्षा करने, बैंकिंग क्षेत्र की चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने और भविष्य की रणनीति व विकास के तरीकों के बारे में विचार विमर्श किया गया। यह बैठक अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में ऋण सहायता को बढ़ाने नवोन्मेष के लिए तकनीकी के प्रयोग को बढ़ाने व वृहत आंकड़ों के विश्लेषण में सक्षम होने और वरिष्ठ नागरिकों, किसानों, छोटे उद्योगपतियों, युवा, छात्र व महिलाओं की जरूरतों और आकांक्षाओं के साथ-साथ बैंकिंग को नागरिक-केंद्रित बनाने पर केंद्रित थी।

बैठक के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सुधारों और उनके लिए भविष्य के रोडमैप पर सुझाव देने के लिए बैंकिंग क्षेत्र के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर प्रक्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा निम्नलिखित नौ विषयगत पत्रों पर चर्चा की गई। परामर्श के परिणामस्वरूप सामान्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और विशेष रूप से हमारे क्षेत्र, बैंक के प्रदर्शन में सुधार और भविष्य के लिए रोडमैप बनाने के हेतु कार्यान्वित करने योग्य और अभिनव सुझाव प्राप्त हुए।

# पीएनबी ने आयोजित कीं बॉटम अप प्रक्रिया के तहत बैठकें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**पंजाब** नैशनल बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ द्वारा बॉटम अप प्रक्रिया के तहत अंचल के अधीन आने वाली समस्त शाखाओं में 17 एवं 18 अगस्त 2019 को बैठकें आयोजित की गई । इस बैठक में क्षेत्रीय स्तर के समूह परामर्श को कवर किया गया जिसमें लखनऊ मंडल के अधीन सभी शाखाओं को शामिल किया गया । इसमें शाखा के स्तर पर आने वाली बाधाओं के कारगर उपायों पर चर्चा की गई। शाखाओं के प्रमुखों से परामर्श में डिजिटल भुगतान में वृद्धि शाखाओं के एमएसएमई के लिए क्रेडिट प्रौद्योगिकी का उपयोग खुदरा ऋण कृषि ऋण तथा पीएमयूडीवाई को आगे बढ़ाते हुए वित्तीय ग्रिड स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया । बैंक ऋण को 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य पर भी चर्चा की गई । अंचल प्रबंधक समीर बाजपेयी ने शाखा प्रमुखों से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ बैंकिंग का आवंटन शाखा स्तर पर आने वाली समस्या और विकास की संभावना के साथ बैंकिंग का समन्वय भारतीय विकास की कहानी में सक्रिय साझेदार के रूप में पंजाब नैशनल बैंक की भूमिका भविष्य के लिए रोडमैप बनाने के लिए विचारों का सृजनए आदि समकालीन मुद्दों पर चर्चा की । उन्होने उत्तर प्रदेश सरकार के एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये शाखाओं द्वारा योगदान देने का आग्रह किया, शाखाओं से प्राप्त सुझाओं को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा के लिये चुना उप अंचल प्रबंधक रमन ग्रोवर ने शाखा प्रबंधकों को शाखा के स्तर पर आने वाली बाधाओं के कारगर उपाय सुझाये तथा उनसे इस देश की अर्थव्यवस्था में बैंक ऋणों के प्रवाह को बढ़ाने के लिये आग्रह किया ।

# छेड़खानी से परेशान युवती ने लगाई फांसी

## ● जानकीपुरम सेक्टर-छह की घटना, पिता ने युवक व उसके परिवारीजनों के खिलाफ दी तहरीर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**जानकीपुरम** के सेक्टर-6 निवासी एक युवती ने युवक की छेड़खानी से परेशान होकर रविवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पिता ने युवक व उसके परिवारीजनों के खिलाफ परेशान करने के आरोप में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

इंस्पेक्टर जानकीपुरम मुहम्मद अशरफ ने बताया कि सेक्टर-6 निवासी 22 वर्षीय युवती प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परिवारीजनों के मुताबिक चिनहट के मटियारी निवासी रजत तिवारी उसे काफी समय से परेशान कर रहा था।

मोबाइल पर अश्लील मेसेज भेजने के अलावा राह चलते रोक कर अश्लील बातें करता था। कई बार समझाने के बावजूद रजत अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था।

### थाने पर हुआ था समझौता

**स्थानीय लोगों** के मुताबिक युवती की फ्रेंड ने रविवार को इसकी शिकायत 1090 पर की थी। जहां से जानकीपुरम इंस्पेक्टर को मामले की गंभीरता से जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। लोगों के मुताबिक जिसके बाद दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया। जहां रजत ने माफी मांग ली थी। जिसके बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया।

### जांच को पहुंची पुलिस, तब हुई घटना की जानकारी

**पुलिस के** मुताबिक रजत की मां की तहरीर पर पुलिस युवती के घर जांच करने पहुंची। जहां पता चला कि रात करीब 8.30 बजे युवती ने कमरे में पंखा और दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली थी। जिसे उतार कर पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं लोगों ने पुलिस पर जबरन सुलह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि पुलिस ने दिन में ही आरोपित युवक के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर देती तो शायद युवती जिंदा होती। इंस्पेक्टर ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पिता ने तहरीर दी है आरोप के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### रजत व उसके माता-पिता की युवती के घर वालों ने की थी पिटाई

**इधर रजत** की मां चन्द्रावती तिवारी ने रविवार देर शाम जानकीपुरम थाने में तहरीर देकर पुलिस को बताया कि युवती के भाई ने उसे व उसके पति समेत रजत को बातचीत करने के लिए घर ले गया था। जहां आरोप है कि युवती के पिता व भाई समेत अन्य परिवारीजनों ने तीनों को बंधक बनाकर पिटाई कर दी थी। इतना ही नहीं चाकू और बंदूक दिखा कर धमकी देते हुए भगा दिया था। हालांकि युवती के पिता का कहना है कि रजत व उसके परिवार के लोगों ने स्वयं उसके घर आकर मारपीट की थी। इससे क्षुब्ध होकर युवती ने फांसी लगाई है।

# जालसाजों ने खाते से उड़ाए 1.96 लाख रुपये

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**राजधानी के** मडियांव में शातिर साइबर जालसाजों ने एक व्यक्ति को उसके बैंक एकाउंट से चार बार में 1.96 लाख रुपये ट्रांसफर कर चपत लगा दी। पीड़ित को बैंक से कॉल आने पर घटना की जानकारी हो सकी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंस्पेक्टर मडियांव संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इटौंजा के सिंघामऊ निवासी राजेश्वर नारायण सिंह एक निजी कंपनी में कमीशन पर काम करते हैं। उनका बैंक एकाउंट रैथा रोड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में है। पीड़ित के मुताबिक उसके एकाउंट से 15 और 16 अगस्त को चार बार में 1.96 लाख रुपये चार अलग-अलग एकाउंट में गलत तरीके से ट्रांसफर कर लिए गए। जिसकी जानकारी शनिवार को बैंक मैनेजर ने फोन करके पीड़ित को दी। इंस्पेक्टर के मुताबिक रविवार को पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सोमवार को बैंक खुलने पर पड़ताल की जाएगी।

# एसएसपी की फटकार पर दर्ज किया हत्या का मुकदमा

## ● 15 अगस्त की रात्रि बाथरूम में मिला था युवक का शव, पुलिस फाइल बंद करने की कर रही थी तैयारी

संवाददाता। बीकेटी

**बीकेटी नगर** पंचायत के वार्ड रुदही में गुरुवार रात बाथरूम में मिले युवक के शव पर चोट के निशान मिले थे। इसके अलावा पहचान मिटाने के लिए शव से घटना के समय पहने कपड़े भी बदल दिए गए थे। इतना ही नहीं घटना की जानकारी भी पुलिस या परिवार के सदस्यों को नहीं दी गई थी जिसके बाद मृतक के भाइयों ने हत्या का आरोप लगाया था।

आरोप है कि बीकेटी पुलिस लगातार तीन दिन मामले को टालती रही। शनिवार को मृतक का भाई जब फिर हत्या की तहरीर लेकर थाने पहुंचा तो थानेदार ने पीएम रिपोर्ट में हैंगिंग आना बताकर उसे भगा दिया। जिसके बाद वह सब एसएसपी के मीडिया कमांड स्थित आवास पर पहुंच गए। रविवार को एससपी की कड़ी फटकार के बाद पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

माल के बदैयाँ निवासी कीर्ति सिंह का गुरुवार रात बाथरूम में शव मिला था। वह रुदही वार्ड के रामस्वरूप यादव के मकान में किराए पर पत्नी व बच्चों के साथ रहकर पासपोर्ट आफिस में काम करते थे। शव के गले कंधे व हांथ की उंगलियों पर जाहिरा चोट के निशान थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया जिसमें मौत का कारण स्पष्ट न होने के कारण बिसरा सुरक्षित कर दिया गया है। इस मामले में शव का अंतिम संस्कार करने के बाद मृतक के भाई मनोज सिंह व अन्य परिवारी जन शनिवार को एकबार फिर हत्या की तहरीर लेकर बीकेटी थाने पर पहुंचे और कई संदेहों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच करने की मांग करने लगे। आरोप है कि थानेदार अमरनाथ वर्मा ने उनको थाने से भगा दिया।

जिसके बाद वह एससपी के पास न्याय की गुहार लगाने पहुंच गए। रविवार को एससपी की कड़ी फ्टकार के बाद बीकेटी पुलिस ने मकान मालिक रामस्वरूप यादव, मृतक की पत्नी विंदू सिंह तथा दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या व हत्या के साक्ष्य मिटाने का मुकदमा दर्ज किया। वहीं मृतक के भाई मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीकेटी पुलिस पर विश्वास नहीं है। जब बीकेटी पुलिस हत्या की रिपोर्ट ही नहीं दर्ज कर रही थी निष्पक्ष जांच कैसे करेगी।

## क्विक न्यूज

### युवक गिरफ्तार, माल बरामद

**लखनऊ।** मड़ियांव पुलिस ने चोरी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी का माल बरामद होने का दावा किया है। इंस्पेक्टर मड़ियांव संतोष कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को हरिओम नगर से सीतापुर के मछरेहटा निवासी कुलदीप मिश्रा उर्फ गुड्डू को दबोच कर उसके पास से 15 अगस्त की रात बड़ी खदान निवासी एक महिला के घर से चोरी हुए दो मंगलसूत्र और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

### दुर्घटना में युवक की मौत

**लखनऊ।** जनपद देवरिया निवासी वृन्दावन यादव(20)पुत्र रामायन यादव जोमेटो कंपनी में काम करता था। बीते रात करीब 1.20 बजे वृन्दावन अपनी बाइक से अयोध्या रोड से लखनऊ की तरफ आ रहा था। उसी बीच पीछे से आ रही वोल्वो बस चालक नाम पता अज्ञात ने लापरवाही बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर बाइक में लगते ही वृन्दावन सड़क पर गिर गया और बुरी तरह से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस घायल वृन्दावन को राममनोहर लोहिया अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

### गौशाला में किया गया पौध रोपण

**राजधानी।** गोसाईगंज के मीसा गांव स्थित श्री नारायण गौशाला में रविवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन गौशाला के संस्थापक रिषी केश पान्डेय ने किया। जिसमें 525 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम मे मौजूद भाजपा जिला महामंत्री लखनऊ वीरेन्द्र रावत, भाजपा वरिष्ठ नेता अशोक तिवारी गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्यामजी भाजपा नेता विनोद पांडेय, रेलवे सलाहकार बोर्ड के सदस्य शशीकान्त मिश्रा उपाध्यक्ष अनुण मोर्या मुकेश रावत, देवेश पान्डेय, सतेन्द्र तिवारी, नरेन्द्र तिवारी आदि ने पौध रोपण के बाद महर्षि देवराहा बाबा के दर्शन कर गौशाला को हर सम्भव मदद करने का आश्वासन दिया।

### अधेड़ की मौत

**लखनऊ।** राजधानी के नाका थाना क्षेत्र में संदिग्ध हालात में एक ठेला चालक का कमरे में पंखे से लटकता मिला। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। पुराना बेगमखेड़ा राजेन्द्र नगर थाना नाका निवासी अमिता रावत ने बताया कि उसका भाई ठेला चलाता था। रविवार को सुबह जब वह अपने भाई रामू रावत को जगाने गई तो उसके भाई का कमरा बंद था। आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। खिड़की से झांककर देखा तो उसका भाई रामू रावत(45)कमरे में छत में लगे पंखे में चादर का फंदा बनाकर लटक रहा था।

### रोकथाम को प्रशिक्षण आज

**सरोजनीनगर।** भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षको का प्रशिक्षण सोमवार को आयोजित किया जाएगा। सरोजनीनगर स्थित उद्यमिता विकास संस्थान परिसर में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में चार दर्जन से अधिक प्रशिक्षको को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह जानकारी संस्थान के विशेषकार्याधिकारी उदयभान सिंह ने दी।

### सौरभ खरे बने निदेशक

**सरोजनीनगर।** सौरभ कुमार खरे को कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान के निदेशक पद पर नियुक्त किया गया है। उप्र कौशल विकास मिशन व नेहरू युवक केन्द्र जैसे तकरीबन आधा दर्जन से अधिक विभागों में कार्य कर चुके सौरभ कुमार खरे ने पदभार ग्रहण करने के दौरान कहा कि ग्रामीण व अल्प शिक्षित युवक-युवतियों को व्यवसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार-स्वरोजगार से जोड़ना पहली प्राथमिकता है।

# बंद मकानों में चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार साथी की तलाश तेज

**लखनऊ।** राजधानी की हसनगंज पुलिस ने घरों में नकबजनी करने वाले गिरोह के एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है। जानकारी के अनुसार इंस्पेक्टर हसनगंज धीरेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि बंद मकानों की चोरी करने वाले गिरोह की तलाश में पुलिस नदवा कालेज की तरफ पहुंची तभी एक युवक काला बैग टांगे निकला पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में उसने अपना नाम बेनीगंज जिला हरदोई निवासी लाल मोहम्मद बताया। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त ने बताया कि उसने अपने साथी इकराम के साथ मिलकर इलाके में कई चोरी की घटनाएं अंजाम दी हैं। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से दो लैपटाप बरामद कर उसके साथी की तलाश शुरू कर दी है।

# गम्बूशिया मछली दिलाएगी डेंगू और मस्तिष्क ज्वर से निजात

## ● तकरीबन दो दर्जन पंचायतों के तालाब में अब तक यह मछलियां छोड़ी जा चुकी हैं

संवाददाता। मोहनलालगंज

**मस्तिष्क ज्वर** और डेंगू जैसी खतरनाक मच्छरजनित बीमारियों से लोगों को छुटकारा दिलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग और ब्लाक अधिकारियों ने जलजमाव वाले स्थानों पर गम्बूशिया मछली पालन कराने का सहारा लिया है। योजना को अमलीजामा पहनाते हुए मोहनलालगंज की तकरीबन दो दर्जन पंचायतों के तालाब में अब तक मछलियां छोड़ी जा चुकी हैं। अभियान को जारी रखते हुए जल्द ही सभी पंचायतों तक ले जाने की तैयारी है। मोहनलालगंज में कुछ वर्ष पूर्व डेंगू बुखार कई दर्जन लोगों की जिन्दगी छीनकर उनके परिवारों को गहरे जख्म दे चुका है। इसके अतिरिक्त जरा सी बारिश से ही कस्बा समेत कई पंचायतों में जलभराव की समस्या खड़ी हो जाती है। जिसे लेकर सतर्क स्वास्थ्य विभाग और ब्लाक अधिकारियो ने मोहनलालगंज की सभी ग्राम पंचायतो के तालाबों समेत अन्य जलजमाव वाले स्थानो में मच्छरजनित मस्तिष्क ज्वर डेंगू चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने से रोकने के लिए मच्छरो के लार्वा को खा जाने वाली गम्बूशिया मछली पालने की तैयारी की है। बीडीओ भोलानाथ कनौजिया ने बताया समेसी, राती, भगवानपुर, जबरौली, कुढ़ा, भौंदरी, करनपुर, नटौली धनुवासांड, देवती, कोड़रा, रायपुर और भदेसुवा समेत तकरीबन दो दर्जन पंचायतों में अब तक गम्बूशिया खरीदकर आबादी के समीप तालाबों में डाला जा चुका है।

# खुद ही मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर पकड़ा चोर

संवाददाता। सरोजनीनगर

**सरोजनीनगर** के अनौरा गांव निवासी रेलवे कर्मी रामचंद्र यादव का मकान निर्माणाधीन होने के कारण अभी तक कमरों में दरवाजे नहीं लग सके हैं। रामचंद्र के बेटे सोनू के मुताबिक बीते गुरुवार रात वह अपने परिजनों के साथ मकान के एक अलग कमरे में सो रहा था। तभी चोरों ने खूंटी में टंगी उसकी पैंट की जेब में रखे 26050 रुपए, एक घड़ी, दो मोबाइल फोन व एक पावर बैंक चोरी कर लिया।

सोनू ने बताया कि रात में ही जब उसने नींद से उठकर टाइम देखने के लिए मोबाइल ढूंढना शुरू किया तब उसे घटना की जानकारी हुई और उसने इसकी सूचना 100 नंबर पर दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस जांच पड़ताल कर वापस लौट गई। अगले दिन शुक्रवार को पीड़ित सोनू ने खुद अपने मोबाइल नंबर को ट्रेस करना शुरू किया तो शाम के समय उसके मोबाइल की लोकेशन पारा के बुद्धेश्वर मंदिर, कुछ देर बाद बंथरा के लोनहा गांव, बाद में पिपरसंड गांव और थोड़ी देर बाद फिर लोनहा गांव में मिली। लोकेशन मिलने के बाद पीड़ित सोनू लोनहा गांव पहुंचा और लोकेशन ट्रेस होने की जगह राजेश जनरल स्टोर पर लोगों को मामले की जानकारी दी।

जहां कुछ देर बाद पता चला कि लोनहा गांव निवासी राजू रावत के बेटे विशाल के पास चोरी किए गए मोबाइल मौजूद हैं। यह जानकारी होते ही ग्रामीणों ने विशाल को धर दबोचा। बाद में अपने बेटे को चोरी के मोबाइल के साथ पकड़े जाने की खबर पाकर राजू ने खुद इसकी सूचना 100 नंबर पर दी। जिसके बाद ग्रामीणों ने गांव पहुंची पुलिस के हाथों विशाल को सौंप दिया। पुलिस को जामा तलाशी के दौरान विशाल के पास से एक मोबाइल, हाथ घड़ी और पावर बैंक बरामद हो गया।

# ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

**निगोहां।** नौकरी के लिए इंटरव्यू देकर दोस्तों के साथ गंगा गोमती ट्रेन से लखनऊ से रायबरेली स्थित अपने मौसा के घर जा रहा एक छात्र निगोहां के रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के गेट से गिर गया। दोस्तों ने उसे गिरता देख चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोका और उसकी तलाश की। इसी बीच अपने दोस्त का रेलवे ट्रैक पर क्षत विक्षत पड़ा देख स्टेशन मास्टर को सूचना दी। सूचना पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कानपुर के रहने वाले अशोक कुमार दुबे का इकलौता बेटा 20 वर्षीय अभिनव दुबे पिछले कई दिनों से रायबरेली के लालगंज में अपने मौसा के घर रह रहा था। शनिवार सुबह वह अपने दोस्त पंकज व आदर्श के साथ लखनऊ स्थित एचसीएल में नौकरी के लिए इंटरव्यू देने गया हुआ था। जहाँ से वह देर रात लगभग 8 बजे वाह गंगा गोमती ट्रेन से अपने दोनों दोस्तों के साथ वापस रायबरेली जा रहा था। दोस्तों ने बताया कि अभिनव ट्रेन के गेट के पास खड़ा था कि अचानक वह नीचे गिर गया। उसके गिरने के बाद चेन पूलिंग कर ट्रेन को रोका जिसके बाद दौड़कर तलाश शुरू की रेलवे ट्रैक पर दोस्त का शव क्षतविक्षत पड़ा देखा। इसके बाद जीआरपी, पुलिस व परिवारीजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं सूचना पर पहुंचे परिवारीजनों का रो-रो कर बुरा हाल रहा। दोस्तों ने बताया कि अभिनव ने डिप्लोमा कंप्लीट किया था जिसका दो दिन पहले ही रिजल्ट आया था।

# पारदर्शिता और जवाबदेही के नए युग का शुभारंभ

## ● पंचायतों में बहुप्रतीक्षित आनलाइन पेमेण्ट शुरू

संवाददाता। मोहनलालगंज

**पंचायतों में** बहुप्रतीक्षित आनलाइन पेमेण्ट की शुरुआत होने के साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही के नए युग का शुभारम्भ हो गया है । जिला प्रशासन की सख्ती के बाद मोहनलालगंज समेत राजधानी के सभी ब्लाक में अधिकतर प्रधान और सचिवों के डिजीटल सिग्नेचर युक्त मॉडम तैयार कराए जा चुके हैं। स्वतंत्रता दिवस पर राजधानी के काकोरी ब्लाक ने पहले आनलाइन पेमेण्ट का गौरव भी हासिल कर लिया है।

पंचायतों में अब तक विकास कार्यों के लिए निर्माण सामग्री और मजदूरी का भुगतान चेक के माध्यम से किया जाता रहा है। ग्राम्य विकास विभाग की मनरेगा और आवास योजना में सीधे बैंक खाते में भुगतान की सफलता के बाद पंचायतराज विभाग ने पहली बार शौचालय निर्माण के लिए लाभार्थियों को आनलाइन भुगतान की शुरुआत की। जिसके बाद ग्राम पंचायतो में सभी प्रकार के विकास कार्यो में भी पंचायतराज विभाग ने अब पीएफएमएस के माध्यम से सीधे आनलाइन भुगतान की योजना को अमल में ला दिया है।

प्रभारी एडीओ पंचायत कमल किशोर शुक्ल ने बताया फिलहाल जिला प्रशासन के निर्देशानुसार पंचायतो में सभी प्रकार के आफलाइन भुगतान पर रोक लगा रखी गई है। आनलाइन भुगतान योजना के तहत प्रियासाफ्ट पर फीड की गई कार्ययोजना के सापेक्ष किसी विकास कार्य को कराने के लिए सामग्री और मजदूरी भुगतान के लिए साफ्टवेयर पर पूरा ब्योरा देकर प्रधान और सचिव संयुक्त रुप से मॉडम लगाकर आनलाइन भुगतान करेंगे। उधर योजना को लेकर कुछ प्रधान और सचिवों में जहां छटपटाहट नजर आ रही है वहीं जागरुक ग्रामीण योजना लागू होने के बाद पारदर्शिता बढ़ने को लेकर काफी उत्साहित हैं।

### डबटेल की मांग ने पकड़ा जोर

**ग्राम पंचायतों** में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने को लेकर प्रबुद्ध वर्ग ने आनलाइन पेमेण्ट के साथ ही अब पंचायतनिधि और मनरेगा के डबटेल से ही विकास कार्य कराने की मांग बुलन्द कर दी है। अधिकतर पंचायतो के ग्रामीणो का कहना है कि जिला प्रशासन को सामग्री भुगतान पंचायत निधि और मजदूरी भुगतान मनरेगा से कराने की अनिवार्यता भी कर देनी चाहिए। जिससे ग्राम पंचायतो में किसी भी तरह की कमीशनखोरी की गुंजाइश काफी हद तक समाप्त हो जाए।

### काकोरी से हुआ शुभारंभ

**जिला पंचायतराज** अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया काकोरी ब्लाक से आनलाइन पेमेण्ट का शुभारम्भ किया जा चुका है। राजधानी के अन्य सभी ब्लाक में भी एडीओ पंचायत के माध्यम से सभी सचिव और प्रधानों के डिजिटल सिग्नेचर मॉडम तैयार कराए जा चुके हैं। बची-खुची तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आनलाइन पेमेण्ट के बारे में पूरी जानकारी देकर जल्द ही जिले की सभी पंचायतों में इसकी शुरुआत कराई जानी है। बैंकों को पत्र भेजकर तब तक किसी भी तरह के चेक भुगतान न करने के लिए कहा गया है।

# अंधाधुंध बिजली कटौती बनी मुश्किल का सबब

संवाददाता। मोहनलालगंज

**राजस्व वसूली** बढ़ाने के बहाने विद्युत विभाग की टीमें अंधाधुंध बिजली कटौती कर उपभोक्ताओ को दर्द दे रही हैं। आलम यह है कि सुबह से शाम तक किसी एक गांव में डिस्कनेक्शन अभियान चलने का कहकर शटडाउन लेकर पूरे फीडर की सप्लाई बन्द कर रखी जा रही है । परेशानहाल उपभोक्ताओं ने स्थानीय अधिकारियो से समाधान न मिलते देख ऊर्जा मंत्री को शिकायत भेजी है।

लखनऊ विद्युत संपूर्ति प्रशासन के सेस तृतीय खण्ड में उपभोक्ताओ को पिछले कुछ दिनो से डिस्कनेक्शन अभियान के बहाने अंधाधुंध बिजली कटौती झेलने के लिए विवश किया जा रहा है। सर्वाधिक परेशानी मोहनलालगंज के सबसे लम्बे उतरठिया फत्तेखेड़ा और सिसेण्डी फीडर से पोषित गांव के उपभोक्ताओ को उठानी पड़ रही है। उपभोक्ताओ का आरोप है कि किसी एक गांव में बकाएदारों के डिस्कनेक्शन और बिजली चोरी के विरुद्ध अभियान चलाने के लिए पहुंच रही विद्युत विभाग की टीमें पूरे फीडर की सप्लाई बन्द कर दे रही हैं। जिससे सुबह 10 बजे के बाद प्रारंभ होने वाले अभियान के दौरान शाम 6 बजे तक उपभोक्ताओ को बेवजह बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। वहीं विभागीय सूत्रो की मानें तो मोहनलालगंज के अधिकतर गांव में सप्लाई बन्द करने की पुख्ता व्यवस्था नही है।

### क्या कहते हैं अधिकारी...

**अधिशाषी** अभियन्ता आरएन वर्मा ने बताया बकाया वसूली के लिए डिस्कनेक्शन और लाइन लॉस कम करने के लिए विद्युत चोरी निरोधक निरंतर अभियान चलाया जाना बेहद जरुरी है। विभाग की कोशिश रहती है कि अभियान के दौरान उपभोक्ताओ को किसी तरह की असुविधा न हो। हालांकि आवश्यकता पड़ने पर शटडाउन लेकर बिजली सप्लाई बन्द कराने की मजबूरी रहती है। फिर भी सभी कर्मचारियो को निर्देशित कर रखा गया है कि कम से कम शटडाउन लेने की कोशिश करें। उपभोक्ताओ की परेशानी को देखते हुए शटडाउन की नियमित मानीटरिंग कराई जाएगी।

# बिल्डर को जमीन नहीं बेची तो बना दिया रास्ता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**गोसाईगंज** के शाहखेड़ा गांव निवासी किसान केदार सिंह ने ओमेक्स कंपनी के कर्मचारियों पर जमीन पर जबरन कब्जा कर मिट्टी पाटकर रास्ता बनाने का आरोप लगाते हुए गोसाईगंज पुलिस से शिकायत की है। पीड़ित का आरोप है कि ओमेक्स कंपनी से लगी रिश्ता अपार्टमेंट के पास गाटा संख्या 436 में उसकी जमीन है। जिसका सौदा कंपनी से नहीं किया तो उसने जमीन पर जबरन कब्जा कर रास्ता बना दिया। रविवार की सुबह जब किसान अपनी जमीन देखने पहुंचा तो कंपनी द्वारा बनाई जा रही सड़क का विरोध किया तो कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर ने अपने गुर्गो के साथ पहुंचकर किसान को जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग दिया। पीड़ित किसान ने सौ नंबर पर घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को देख कर सभी भाग खड़े हुए। पीड़ित ने गोसाईगंज थाने पर उक्त दो सहित करीब 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत की है। इस संबध में कंपनी के लोगों से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन बात नहीं हो सकी।


उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड खुली ई-निविदा संख्या- 04, 05, 06, 07 / वि0पारे0ख0(लखी0) / 2019-20 का तिथि विस्तारण सूचना इस कार्यालय के पत्र संख्या 0761 / वि0पारे0ख0 (लखी0) / दिनांक 12-07-2019 द्वारा प्रकाशित निविदा तकनीकी व्यवधान के कारण दिनांक 31-08-2019 को 14:00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है तथा उसी दिन 15:30 बजे खोली जायेगी। शेष नियम व शर्तें पूर्ववत् रहेंगी। **अधिशासी अभियन्ता विद्युत पारेषण खण्ड, उ0प्र0 पावर ट्रान्स0 कारपो0लि0 132 के0वी0 उपकेन्द्र (छाउछ) लखीमपुर-खीरी- उ0प्र0 262701**
पत्रांक-931 दिनांकः-17.08.2019 "राष्ट्रहित में बिजली बचायें"।


# दीक्षांत समारोह में पदकों से हुआ मेधावियों का सम्मान

## ● आईआईएलएम इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में दीक्षांत समारोह का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोमतीनगर स्थित आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग के 14वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि शिक्षाविद् डा. अमृता दास एवं बतौर विशिष्ट अतिथि सुमित अरोड़ा ने उत्तीर्ण छात्रों को उपाधियों एवं पदक प्रदान किए। दीक्षांत समारोह में पीजीडीएम एवं एमबीए पाठयक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को उपाधि के साथ स्वर्ण, रजत एवम कांस्य पदक से भी सम्मानित किया गया। पीजीडीएम बैच से रजनीश शर्मा को कुलवन्त राय स्वर्ण पदक, सौरभ अग्रवाल एवं दीक्षा स्वर्णकार को चेयरपर्सन रजत पदक और यामिनी श्रीवास्तव को निदशक कॉस्य पदक से नवाजा गया। एमबीए बैच से मानसी श्रीनेत को कुलवन्त राय स्वर्ण पदक, प्रीति सिंह को चेयरपर्सन रजत पदक एवम अब्दुल मन्नान को निदेशक कास्य पदक दिया गया। ओवर आल एक्सीलेंस में उत्कृ-ुनवजयट योगदान के लिये रिषभ रोनाल्ड को स्वर्ण पदक, यशराज श्रीवास्तव को रजत पदक और ऐश्वर्या सिंह को कॉस्य पदक से सम्मानित किया गया। वहीं आनंद शर्मा को सर्वश्रेष्ठ स्कॉप मेंबर चुना गया। कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए संस्थान की निदेशक डा. नायला रुश्दी ने कहा कि संस्थान में लखनऊ के छात्रों के सम्पूर्ण विकास के लिए पाठ्यक्रम के अतिरिक्त भी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिससे छात्र वास्तविक जीवन की कठिनाईयों का सामना करने के लिए तैयार हो जाते है तथा सभी छात्रों का देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में चयन भी हो जाता है। वहीं कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विचार व्यक्त करते हुए डा. अमृता दास ने सभी उत्तीर्ण छात्रों को बधाई दी। उन्होंने छात्रों की सफलता में अभिभावकों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने उत्तीर्ण छात्रों को प्रोत्साहित भी किया।


## कार्यालय नगर पालिका परिषद-गुरसहायगंज, कन्नौज

पत्रांक-324 / न0पा0प0 गुरसहायगंज / 2019-20 दिनांक-17.08.2019

### अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

पालिका के समस्त पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज (कन्नौज) स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से शौचालय एवं यूरिनल निर्माण कराना चाहती है, जिसकी ई-निविदाएं निम्न कार्यक्रम के अनुसार आमंत्रित की जाती है।

| क्र. | नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज/ANN Stage | Vendor Stage | प्रारम्भ तिथि व समय | अन्तिम तिथि व समय |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Tender Release | | 19-08-2019 05:00 PM | |
| | | Tender Download | 19-08-2019 05:00 PM | 26-08-2019 10:00 AM |
| | | Bid Submission | 19-08-2019 05:00 PM | 26-08-2019 10:00 AM |
| | Closed of Bid | | | 26-08-2019 10:00 AM |
| | Technical Bid Opening | | | 26-08-2019 11:00 AM |
| | Financial Bid Opening | | After Approval of Technical Bid | |

नोट-निविदा सम्बन्धी नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी http://etender.up.nic.in पर निर्धारित समय पर या कार्यालय अवधि में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

(एस.एम.सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
गुरसहायगंज-कन्नौज

(धीरेन्द्र कुमार)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
गुरसहायगंज-कन्नौज

# भाजपा सदस्यता अभियान का नया लक्ष्य 20 करोड़

**संवाददाता।** डलमऊ-रायबरेली

**डलमऊ** में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा सदस्यता अभियान चलाया गया। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अपने कार्यकर्ताओं को नया लक्ष्य सदस्यों की संख्या 20 करोड़ पहुंचाने का दिया है। सफर थमा नहीं, ठहरा भी नहीं, चलता रहा। छह जुलाई, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से सदस्यता अभियान की शुरुआत की।

दरअसल 6 जुलाई को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती होती है। छह से 10 जुलाई तक सामान्य सदस्यता अभियान रहा और अब सक्रिय सदस्यता अभियान चल रहा है जो 30 अगस्त तक चलेगा। सक्रिय सदस्य कम से कम 50 लोगों को पार्टी की सदस्यता दिला सके जिससे पार्टी की मजबूती को नया आयाम मिलता रहे। इसी क्रम में शनिवार को पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा डलमऊ में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता के लिए वृहद स्तर पर अभियान चलाया गया जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कुछ वर्ग केंद्र सरकार के कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा दिखाते हुए सदस्यता ग्रहण की। संघ के कर्तव्यनिष्ठ एवं पूर्ण समर्पित कार्यकर्ता दिनेश त्रिपाठी एवं विनीत त्रिवेदी द्वारा यहां पर आए हुए लोगों को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाने का कार्य शुरू हुआ।

इसके साथ व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष संतोष दीक्षित जैसे युवा नेता लोगों को सरकार की नीतियों से प्रभावित करते हुए भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाई। सदस्यता दिलाने के उपरांत जिला महामंत्री दिनेश त्रिपाठी एवं संघ कार्यकर्ता विनीत त्रिवेदी द्वारा लोगों का माल्यार्पण कर मुंह मीठा कराया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल महामंत्री महेंद्र पटेल, सेक्टर संयोजक संदीप मिश्रा, बूथ अध्यक्ष वैभव अवस्थी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता रामगोपाल वैश्य उपस्थित रहे।

# गरीबों के हकों की हो रही अनदेखी जिले के आला अधिकारी मौन

**बछरावां-रायबरेली।** समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय सामग्र विकास योजना के तहत गरीबों को रोजगार से जोड़कर उनकी रोजी-रोटी मुहैया कराने के प्रयास को ठेंगा दिखाते हुए खुलेआम मानकों को ताक पर रखकर ब्लॉक बछरावां और थाने के पीछे कई दर्जन दुकानें बनाई गईं। वहीं दूसरी तरफ समाज कल्याण विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों की गठजोड़ के कारण गरीब, असहाय, मजदूर, दिव्यांगजनों को लाभ न देकर सेटिंग-गेटिंग करके बड़े व्यवसायियों को और ऊंची रसूख वाले लोगों को दुकानें आवंटित कर दी गई। विडंबना तो यह है कि जिन गरीबों को दुकानें आवंटित हुईं उनपर ऊंची रसूख के कारण जबरिया कब्जे कर लिए गए। उदाहरण के तौर पर ब्लॉक गेट पर राष्ट्रीय सामग्र योजना के तहत राजाराम यादव होटल व्यवसाई, जोकि बछरावां क्षेत्र के सबसे धनाढ्य, कई करोड़ों संपत्तियों के मालिक हैं, इनके द्वारा विभाग के अधिकारियों से सेटिंग कटिंग करके एक दुकान आवंटित कराई गई । सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दबंगई के बल पर मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति के नाम आवंटित दुकान पर जबरिया कब्जा कर लिया गया। वही इस दबंग होटल व्यवसायी वर्तमान में तीन तीन दुकानों पर कब्जा जमाए हुए हैं। वहीं आलम तो यह है कि न गरीबों को दुकानें आवंटित हुई और जो भी दुकाने व्यवसायियों को आवंटित हुई वे स्वयं रोजगार ना करके लगभग शत-प्रतिशत दुकाने किराए पर उठाकर मुनाफा कमा रहे हैं। अगर समाज कल्याण विभाग के आला अधिकारी ब्लॉक और थाने के पीछे बनी दुकानों का स्थलीय सर्वेक्षण करा कर जांच कराई जाए तो हकीकत बयां हो जाएगी की क्षेत्र के गरीबों के लिए आवंटित की गई दुकानों में किस कदर धांधली की गई। क्षेत्र के गरीब, असहाय और दिव्यांगों के हकों पर डाका डाला गया है।

इस खेल में बछरावां ब्लॉक के ग्राम मल्हीपुर के निवासी राम लखन जो कि 25 वर्षों से अधिक समय से डीआरडीए में बाबू पद पर कार्यरत हैं, उन्हीं के द्वारा सेटिंग गेटिंग करके अमीरों को दुकानें आवंटित करवाई गई।

वहीं क्षेत्र में चर्चा है की गरीबों को उनके अधिकार से वंचित करने में इसी बाबू का खेल है और इसी के संरक्षण में किराए पर दुकान में और अवैध कब्जे हुए हैं क्योंकि अगर किसी गरीब ने समाज कल्याण अधिकारी से शिकायत भी की तो इस बाबू द्वारा अधिकारियों से सेटिंग-गेटिंग करा दिया जाता है। लोगों में चर्चा है कि यह बाबू जब तक रायबरेली में कार्यरत है तब तक किसी गरीब को योजना का लाभ नहीं मिल पाएगा।

# धधक रहीं अवैध कोयला भट्ठियां, अधिकारी मौन

**संवाददाता।** ऊंचाहार-रायबरेली

**ऊंचाहार** कोतवाली के अन्तर्गत एक दर्जन जगहों पर अवैध कोयला की भट्ठियां धधक रही हैं जिनसे निकलने वाला धुंआ स्वच्छ हवा को दूषित करके प्राणघातक संक्रामक रोग आसपास के लोगों को बांट रहा है। इसको लेकर जिम्मेदार अधिकारी मौन धारण किए हुए है।

कोतवाली के अन्तर्गत गांव जमुनियाहार से गंज मार्ग पर दो अवैध कोयला भट्ठियां हैं जहां पर सरेआम महुआ के बोटे लगे है और भट्ठियां धधक रही हैं। इससे साफ जाहिर है कि अवैध कटान भी हरे वृक्षों की जमकर जारी है जबकि पेड़ काटने से पहले सरकार के नियमानुसार एक वृक्ष लगाने का बकायदे शपथ देना देना होगा, लेकिन यहां पर आदेश ठेंगे पर है। हालाकि कोतवाली के गांव मलकाना, पर्वत का पुरवा, कल्यानी, कोटराबहादुरगंज आदि समेत कई जगहों पर अवैध कोयला भट्ठियां सरेआम धधक रही हैं जिनसे निकलने वाला धुआं आसपास के गांवों में टीवी व सांस जैसी प्राणघातक बीमारी बांट रही है। जिम्मेदार अधिकारीगण मौन धारण किए हुए हैं। सरकार के द्वारा वृक्षारोपण से लेकर कई अभियान चलाया गये। शायद उस दौरान वृक्ष कटान पर रोक लगाने के लिए प्रेरित किया गया। लेकिन धधक रही भट्ठियां विभाग की पोल खोलने के लिए काफी है। इसके प्रति कब जिम्मेदारो की आंखे खुलेंगी ये एक पहेली बनकर गूंज रहा है। सीएचसी अधीक्षक डा. आरबी यादव ने बताया कि धुआं से सांस, दम घुटन व टीवी आदि जैसी कई बीमारी हो सकती है जिसका समय से इलाज न करवाने व लापरवाही बरतने पर जान तक जा सकती है। उधर वन विभाग के फारेस्टर रामेश्वर ने बताया कि हमे नहीं मालूम कि भट्ठियां धधक रही है और अवैध कटान भी। जांच के बाद ही कुछ कह पाएंगे। तहसीलदार शालिनी सिंह तोमर ने बताया कि प्रकरण की जांच करके विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# खेत गए किसान की अचानक हुई मौत से मचा कोहराम

**संवाददाता।** लालगंज-रायबरेली

**लालगंज कोतवाली** क्षेत्र के ऐहार गाँव का एक किसान रविवार को अपने खेतों की तरफगया था तभी वह अचेत होकर गिर पड़ा। सूचना मिलने पर घर वालों ने मौके पर पहुंचकर उसे रायबरेली जिला अस्पताल पहुंचाया जहाँ चिकित्सकों ने उसे ब्राडडेड घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार ऐहार निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र प्रभा शंकर रविवार को फसल की रखवाली के लिए खेतों की ओर गए थे तभी अचानक गश खाकर गिर पड़े । आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने राजेंद्र कुमार के घर सूचना पहुंचाई। घर वालों ने आननफानन राजेंद्र कुमार को रायबरेली जिला अस्पताल ले जा कर भर्ती कराया लेकिन डॉक्टरों ने राजेंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया। राजेंद्र कुमार की अचानक मौत से परिवार में मातम छा गया है।

# माड़ो की लड़ाई गाकर आल्हा सम्राट जयशंकर त्रिवेदी ने मचाया धमाल

**संवाददाता।** लालगंज-रायबरेली

**लालगंज** कोतवाली क्षेत्र के भर्रापुर गांव में कुश्ती और कूद प्रतियोगिता के पहले भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के रजिस्टर्ड आल्हा गायक जयशंकर त्रिवेदी ने अपने साथियों के साथ जोरदार आल्हा प्रस्तुत किया। जयशंकर त्रिवेदी के आल्हा गायन पर लोग झूम उठे। लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से आल्हा गायक जयशंकर त्रिवेदी की हौसला अफजाई की। क्षेत्रीय लोगों ने जयशंकर त्रिवेदी के आल्हा गायन पर मंत्रमुग्ध होकर उन्हें पुरस्कृत भी किया है।

आल्हा गायन के मंच पर ही कार्यक्रम के संयोजक अमर प्रधान और महेश त्रिपाठी ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दीप प्रकाश शुक्ला का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम आयोजकों ने समाजसेवी दीपप्रकाश शुक्ला को अंगवस्त्रम और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। बतौर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोलते हुए भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ला ने कहा कि आज के आधुनिक युग में आल्हा गायन का कार्यक्रम रखकर भारतीय संस्कृति और परंपरा को संजोने का बहुत ही सराहनीय कार्य आयोजकों के द्वारा किया गया है।

भाजपा नेता ने भारतीय संस्कृति को संजोने के लिए कार्यक्रम के आयोजकों के प्रति साधुवाद भी ज्ञापित किया। इस अवसर पर विजय बाजपेई, ओम प्रकाश शुक्ला, मदन बाजपेई, शिवम बाजपेई आदि लोग मौजूद रहे।

# कस्बे में चोरों का आतंक आमजन परेशान

**बछरावां-रायबरेली।** बछरावां कस्बे में आमजन चोरों के आतंक से परेशान हैं। वही आज महाराजगंज रोड पर सिनेमा हॉल के पास केपी सिंह सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर की बोलेरो घर के बाहर खड़ी थी। उसको आज रात में चोरों द्वारा लॉक तोड़कर पार कर दी गई। सुबह जब केपी सिंह ने उठकर बाहर देखा तो इनकी बोलोरो बाहर नहीं थी। पता लगाया तो गायब मिली तुरंत 100 नंबर डायल करके पुलिस को सूचना दी। तत्काल मौके पर सौ नंबर उनकी सहायता के लिए उनके घर पहुंची। पुलिस ने मामला संज्ञान में लेते हुए तुरंत नजदीकी थानों व आसपास वायरलेस से सूचित किया। व पुलिस ने तहरीर लेकर कार्यवाही शुरू की। सूत्रों के अनुसार सुबह टहलने वालों ने बताया कि मैनेजर की बोलेरो सुबह 5:00 बजे तक खड़ी थी। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि चोरों ने सुबह ही चोरी की घटना को अंजाम दिया है। बेखौफ चोर बिना किसी भय के सुबह उजाले में भी घटना को अंजाम दे रहे हैं। कैसे लोग सुरक्षित रह सके सकेंगे।

# रचनात्मक कार्यों के लिए शिक्षक एसएस पाण्डेय सम्मानित

**संवाददाता।** रायबरेली

**शिक्षा के** साथ साथ रचनात्मक कार्यों से प्रभावित होकर विधायक ने एसएस पांडेय को सम्मानित किया। सलोन विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री दल बहादुर कोरी ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के सक्रिय एवं सहयोगी तथा रचनात्मक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रचार प्रसार के अलावा हाल ही में मतदाता जागरूकता अभियान को सफल बनाने, बालिका सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम कवच अभियान, पौधरोपण कार्यक्रम जैसे अन्य अभियानों में एसएस पांडेस की सक्रिय भागीदारी करने तथा कार्यक्रमों को सफ्ल बनाने की सोच से प्रभावित होकर क्षेत्रीय विधायक द्वारा सम्मानित किया गया। विधायक ने कहा कि श्री पांडेय द्वारा अपने मूल विद्यालय को भी स्वच्छ विद्यालय सुंदर विद्यालय बनाने में सराहनीय योगदान दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिक्षक समाज के लिए आईना का काम करते हैं। समय-समय पर श्री पांडसे द्वारा कार्यक्रमों का कुशलता पूर्वक मंच का संचालन कर अभियान एवं कार्यक्रमों को सफल बनाया जाता है।

# मातृभूमि की सेवा का सपना संजोये 35 वर्षों बाद अमेरिका से लौटीं डॉ. अनु कुठारी

**संवाददाता।** शिवगढ़-रायबरेली

**करीब 35** वर्षों तक अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में रहने के बावजूद महिला विशेषज्ञ डॉ. अनु कुठारी का अपनी मातृभूमि के प्रति लगाव कम नही हुआ। सन् 1979 में किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ से मेडिकल की पढ़ाई करने के बाद अमेरिका गई। डॉ. अनु कुठारी ने न्यूयॉर्क में चार वर्षों तक प्रशिक्षण लिया जिसके बाद डॉ. अनु कुठारी न्यूयॉर्क में ही रहकर करीब 35 वर्षों तक महिला विशेषज्ञ के पद पर पर रहकर मां और शिशुओं का बेहतर इलाज करती रही किंतु इस दौरान डॉ. अनु कुठारी का अपनी मातृभूमि के प्रति लगाव कम नही हुआ और वो हिंदुस्तान के ग्रामीणांचल की गरीब माताओं और शिशुओं को सम्मानजनक एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से हिन्दुस्तान लौटकर आयी। देश की स्वास्थ्य सुविधाओं को करीब से जानने के लिए सबसे पहले डॉ. अनु कुठारी बिलासपुर शहर के गलियारी गाँव गई। जहां उन्होंने देखा कि जिनके पास बिल्कुल पैसा नहीं है वो किस तरह से एक एनजीओ के माध्यम से एक हॉस्पिटल खोलकर सर्जरी से लेकर कैंसर तक का गरीबों का इलाज कर रहें हैं। डॉ. अनु कुठारी ने बताया कि बिलासपुर के बाद वो तमिलनाडु के आदिवासी गांव पहुंची जहां डॉ. नंदकुमार द्वारा आदिवासियों का निशुल्क इलाज किया जा रहा था। जहां सात दिन रहकर काफी कुछ जानने को मिला किंतु सबसे बड़ी बात यह रही कि इस हॉस्पिटल में सिर्फ आदिवासियों का इलाज किया जाता था। देश की स्वास्थ्य सुविधाओं को और करीब से जानने के लिए डॉ. अनु कुठारी बिहार के मधुबनी डिस्टिक हॉस्पिटल पहुंची जहाँ एक सप्ताह रुक कर देखा कि सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद किस तरीके से गरीब महिलाओं को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं नही मिल रही। डॉक्टरों द्वारा बाहर की दवाई लिखी जाती हैं और बाहर की दवाएं लेने में असमर्थ होने पर उन्हें दूसरे डिस्ट्रिक्ट के लिए रेफर कर दिया जाता है जिसे देख कर डॉ अनु कुठारी काफी दुखी हुई। जहां से लखनऊ लौटने के बाद डा. अनु कुठारी ने मन में एक दृढ़ संकल्प बना लिया कि अपना सारा जीवन ग्रामीण अंचल की गरीब महिलाओं और बच्चों को सम्मानजनक स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए समर्पित कर देंगी तभी डॉ. अनु कुठारी को कम्युनिटी एंपावरमेंट लैब के संस्थापक डॉक्टर विश्वजीत कुमार के विषय में जानकारी हुई जो अमेरिका से लौटने के बाद पिछले 16 सालों से मां और शिशुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। उन्होंने अपने सार्थक प्रयासों से चंद महीनों के अंदर हाइपोथर्मिया से मरने वाले नवजात शिशु की मृत्यु दर में 54 प्रतिशत कमी ला दी थी। इसके बाद डॉ. अनु कुठारी ने डॉक्टर विश्वजीत कुमार से मिलकर अपने विचार साझा किए और कम्युनिटी एंपावरमेंट लैब के साथ मिलकर मां और शिशुओं को सम्मानजनक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए कार्य करने लगी जिसकी शुरुआत डॉक्टर अनु कुठारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ से कर दी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ के केएमसी लाउंज पहुंची। डॉ. अनु कुठारी ने स्टाफ नर्स केएमसी को करीब से जाना।

# सवारी बैठाने को लेकर भिड़े टैंपो चालक, महिलाओं को पीटा

**संवाददाता।** ऊंचाहार-रायबरेली

**सवारी बैठाने** को लेकर दो टैंपो चालक आपस में भिड़ गए। उसके बाद मौके पर पहुँचे दो युवकों ने महिला सवारियों की पिटाई कर दी जिससे पांच महिलाएं घायल हो गयी है। पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह घटना शनिवार की शाम क्षेत्र के सवैया तिराहा पर हुई है। गदागंज क्षेत्र से पांच महिलाएं अपने मायके गांव हटवा आयी थी। यहां से महिलाएं वापस अपने घर जाने के लिए सवैया तिराहा पर टैंपो का इंतजार कर रही थी। जब एक टैंपो आया तो उसने महिलाएं बैठने लगी। उसी समय एक और टैंपो आ गया। इन महिलाओ को अपने टैंपो पर बैठाने को लेकर आपस मे भिड़ गए। टैंपो चालक आपस मे झगड़ा कर रहे थे। इस बीच वहां पर पहुंचे दो युवकों प्रकाश सिंह व अंतिम सिंह ने महिलाओ को पीटना शुरू कर दिया। इस बीच यूपी 100 की जीप भी मौके पर पहुंच गयी। उसके बाद सभी को कोतवाली लाया गया। मारपीट मे रीना, अनुसूइया, लक्ष्मी देवी, पूनम और गीता घायल हुई है। कोतवाली मे एक अन्य सवारी शिव शंकर ने मामले की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने प्रकाश सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

## तहसीलदार ने अवैध कब्जे हटवाए, मचा हड़कंप

**ऊंचाहार-रायबरेली।** ऊंचाहार तहसीलदार शालिनी सिंह ने अवैध कब्जेदारो के खिलाफ शिकंजा कसा है जिसमे टीमे भेजकर अवैध कब्जे मुक्त करवाया है जिसमे सभी अवैध कब्जेदारों में हडकंप मच गया है। तहसीलदार शालिनी सिंह के निर्देश पर हल्कालेखपाल व पुलिस की टीम द्वारा जगतपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत सान्हूकुआं के गाटा संख्या 357/0.382 हेक्टेअर के बंजर भूमि पर अवैध कब्जा करके अशोक व राकेश पुत्रगण रामप्रताप निवासी पूरे हरिभजन मजरे सान्हू कुआं के किए गए। अतिक्रमण को हटवा दिया गया है जिसके बाद तहसीलदार के ही निर्देश पर इटौराबुजुर्ग के हल्का लेकपाल व पुलिस की टीम के द्वारा ग्राम पंचायत जलालपुर मे भी अवैध अतिक्रमण हटवाया गया है।

# भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्त्रियों ने आईटीबीपी जवानों को बांधी राखी

**संवाददाता।** महराजगंज-रायबरेली

**शनिवार को** राखी के पर्व पर भाजपा की महिला मोर्चा रायबरेली की नेत्री जिलाध्यक्ष संगीता पासी, जिला मंत्री सुधा अवस्थी, जिला महामंत्री कृष्णा चौधरी, महिला मोर्चा की बछरावां ब्लाक अध्यक्ष अनीता पांडेय सहित दर्जनों महिलाओं ने इस त्योहार को अलग अंदाज से मनाया। महिला मोर्चा की जिला मंत्री सुधा अवस्थी ने महराजगंज में अपने अलग अंदाज और रचनात्मक कार्यों की वजह से काफी लोकप्रिय है। इसी कड़ी में उन्होंने रायबरेली के गोरा बाजार स्थित आईटीबीटी की छावनी में अपनी दर्जनों महिला मोर्चा की नेत्रियों के साथ जाकर जवानों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की और देश की सुरक्षा का वचन लिया। आपको बता दें कि, आईटीबीपी के जवानों को राखी बांधने के उपरांत बीजेपी महिला मोर्चा की जिला मंत्री सुधा अवस्थी ने कहा कि, जिनके त्याग से हम चैन की नींद सोते है उन जवानो के साथ रक्षा बंधन का पर्व मनाकर एक नए जोश और उमंग का संचार भरा है। घर से दूर उन जवानों का जोश एवं भावनात्मक रूप देखने लायक था। कार्यक्रम की शुरुआत रायबरेली के गोरा बाजार स्थित आईटीबीटी की छावनी से हुई जहाँ आईटीबीटी और पुलिस के जवान तैनात है। इसके पश्चात भाजपा जिला महिला मोर्चा की नेत्रिओं ने कई सरकारी संस्थानों व अर्द्ध सरकारी संस्थानों में जाकर भाई बहन के पवित्र प्रेम के बंधन रक्षाबंधन के पर्व पर अधिकारियों/कर्मचारियों को राखी बांधकर सुरक्षा का वचन लिया।

# बैंक ऑफ बड़ौदा ने की शाखाओं की समीक्षा

**संवाददाता।** रायबरेली

**बैंक आफ** बड़ौदा, भारत का सार्वजनिक क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा बैंक है, जिसने एक अद्वितीय परामर्श/विचार विमर्श की शुरुआत की है। एक ओर जहां रायबरेली क्षेत्र की सभी 101 शाखाओं ने अपने सालाना प्रदर्शन की समीक्षा की, बैंकिंग क्षेत्र के समक्ष उठने वाले मुद्दों पर विचार-विमर्श किया वहीं भविष्य की रणनीति पर भी विचार किया। परामर्श विचार विमर्श के दो दिनों की अवधि के लिए शहर के होटल गणेश में आयोजित किया गया था। सम्मेलन के पर्यवेक्षण के लिये बैंक के अंचल कार्यालय से सहायक महाप्रबंधक मनोज शर्मा और बड़ौदा अकादमी के लर्निंग हेड संजय तिवारी दोनो दिन उपस्थित रहे। बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख अन्मय कुमार मिश्र ने सम्मेलन की अध्यक्षता की।

यह पहल बैंक द्वारा अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध्ध साधनों/संसाधनों जैसे वरिष्ठ नागरिक, किसान, छोटे उद्योगपति, उद्यमी, युवा, छात्र और महिलाएं, जिन्हें अपनी आकांक्षाओं एवं जरूरतों को पूरा करने के लिये बैंक की आवश्यकता हो, की सहायता कर बैंक के अग्रिम को बढाने, प्रौद्योगिकी के नये रूप में उपयोग में वृद्धि और बड़े डेटा एनालिटिक्स को सक्षम बनाने और बैंकिंग को जन सामान्य केंद्रित बनाने के साथ-साथ उनकी जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने पर केंद्रित थी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सुधारों के सुझाव देने वाली डोमिन विशेषज्ञ कमेटी के द्वारा दिये गये बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में बैंक के प्रदर्शन और आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे उद्योग, कृषि क्षेत्र और नीली अर्थव्यवस्था, जलशक्ति, एमएसएमई क्षेत्र और मुद्रा ऋण, शिक्षा ऋण, निर्यात ऋण, ग्रीन क्रेडिट समर्थन जैसे क्षेत्रों में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ इसकी संरेखण की समीक्षा की गई। अर्थव्यवस्था, स्वच्छ भारत, वित्तीय समावेशन और महिला सशक्तिकरण, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, कम नकदी डिजिटल अर्थव्यवस्था, जीवनयापन में आसानी, स्थानीय प्राथमिकताओं के साथ संरेखण और कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी जैसे बिंदु भी विचार विमर्श में शामिल थे। इस पहल के परिणामस्वरूप, कई कार्यान्वयन योग्य अभिनव एवं नये सुझाव सामने आए हैं जिसमें सामान्य रूप से पीएसबी और विशेष रूप से हमारा बैंक कैसे अपने प्रदर्शन में सुधार ला सकता है। विचारों के आदान-प्रदान के लिये परामर्श एक बॉटम-अप प्रक्रिया में आयोजित किया गया था, जिसके आधार पर भविष्य में द्वारा राज्य स्तर पर चर्चा की जाएगी और अंतिम परामर्श राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। अंत में दोनों की तुलना इंट्रा और अंतर-बैंक प्रदर्शन के आधार पर करते हुए में भविष्य में पीएसबी में इसे कार्यान्वित किया जायेगा।

परामर्श प्रक्रिया में शाखा स्तर की भागीदारी को करते हुए बैंक के भविष्य का रोडमैप तैयार किया गया है। परामर्श बैठक के द्वारा अपने प्रदर्शन में सुधार करने और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए खुद को तैयार करने के लिये कदम उठाया गया है ताकि हम भारत के विकास की कहानी लिखने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

शिक्षा सेवा अधिकरण के गठन का मामला

# व्यापारिक संगठनों ने किया हाईकोर्ट बार की मुहिम का समर्थन

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन देने के लिए बनी सहमति

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

**शिक्षा सेवा** अधिकरण के लखनऊ में गठन को लेकर रविवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने शहर के जनप्रतिनिधियों, व्यापार मंडल समेत तमाम संगठनों के पदाधिकारियों के साथ लाइब्रेरी हॉल में बैठक की। जिसमें सभी ने एक स्वर से शिक्षा सेवा अधिकरण के लखनऊ में स्थापित करने का विरोध किया। सभी ने कहा कि अधिकरण का गठन प्रयागराज में ही होना चाहिए, क्योंकि प्रयागराज नगर की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक शक्ति, गौरव और गरिमा का सवाल है, ऐसे में इसका गठन प्रयागराज में ही होना चाहिए। रविवार को हुई बैठक की अध्यक्षता हाईकोर्ट बार के अध्यक्ष राकेश पाण्डे एवं संचालन महासचिव अशोक कुमार सिंह ने किया। बैठक में सभी ने एकमत होकर आपत्ति जताई कि विगत कुछ वर्षों से प्रयागराज से सरकारी कार्यालयों, संस्थाओं, संगठनों, औद्योगिक इकाईयों आदि को सुनियोजित तरीके से प्रयागराज से बाहर स्थानान्तरित किया जा रहा है एवं प्रदेश की न्यायिक राजधानी एवं अर्द्ध प्रशासनिक राजधानी के महत्व, शक्ति, गरिमा एवं महिमा को क्षीण करने का सुनियोजित एवं कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में सभी ने एक स्वर से हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की मुहिम का समर्थन किया। जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन देने का संकल्प लिया। बैठक में राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह, विधायक हर्षवर्द्धन बाजेपई, शिक्षक विधायक सुरेश कुमार त्रिपाठी, एमएलसी वासुदेव यादव, पूर्व विधायक दीपक पटेल, अनुग्रह नारायण सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेन्द्र नाथ सिंह, विनोद चन्द्र दुबे, मुरारी लाल अग्रवाल, डा. आरके एस चौहान, सुशील खराबन्दा, विजय गुप्ता, सतीश चन्द्र केशरवानी, विनोद कुमार पाण्डेय, देवेन्द्र नाथ मिश्र, संजय मिश्रा, संतोष सहाय, हरवंश पटेल, अनुराग अवस्थी, सुधीर कुमार मिश्र, दिलीप सिंह, विपुल मित्तल, राम विराग, आशीष गुप्ता समेत बार के सभी पदाधिकारी शामिल रहे।

### बैठक में अधिवक्ताओं ने सीएम से की मांग

1- शैक्षिक सेवा अधिकरण की स्थापना प्रयागराज में की जाए।
2- जीएसटी अपीलीय अधिकरण की स्थापना प्रयागराज में की जाए।
3- आवासीय एवं वाणिज्यिक संस्थानों की गहकर वृद्धि पर रोक लगायी जाए।
4- प्रयागराज से सरकारी कार्यालयों की स्थानान्तरण पर रोक लगायी जाए एव ंजो सरकारी कार्यालय, संस्थाएं प्रयागराज से हटाए गए हैं उनको वापस किया जाए।
5- प्रयागराज में एम्स और एसजीपीजीआई जैसे चिकित्सीय संस्थानों की त्वरित स्थापना की जाए।
6- छात्रसंघ की बहाली की जाए।
7- कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के पश्चात आने वाली समस्याओं को देखते हुए पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया जाए।

## शिकायतकर्ता की हाजिरी जरूरी नहीं तो मजिस्ट्रेट नहीं कर सकता मुकदमा खारिज: हाईकोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

**इलाहाबाद** हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि शिकायतकर्ता की उपस्थिति जरूरी न हो तो मजिस्ट्रेट उसकी गैर हाजिरी के आधार पर आपराधिक मुकदमा खारिज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने अपर सत्र न्यायाधीश गाजियाबाद के इस्तगासा खारिज करने के आदेश को रद्द कर दिया है और निर्देश दिया है कि कोर्ट दोनों पक्षो को सम्मन कर 6 माह में केस तय करे। यह आदेश न्यायमूर्ति राजुल भार्गव ने प्रमोद त्यागी की अपील को स्वीकार करते हुए दिया है। मेसर्स टैटिनम फैसिलिटी एंड मैनेजमेंट सर्विस के खिलाफ अपीलार्थी प्रमोद त्यागी ने आपराधिक मुकदमा कायम किया। विपक्षी ने हाजिर होकर जमानत करायी। कई तारीखों पर हाजिर नही हुआ तो गैर जमानती वारंट जारी हुआ। हाजिर होने पर आदेश वापस हुआ। कुछ तारीखों पर दोनों हाजिर नही हुए। 30 अक्टूबर 18 को विपक्षी हाजिर था किंतु अपीलार्थी हाजिर नही हुआ तो कोर्ट ने आरोपी को बरी करते हुए मुकदमा खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता व आरोपी की हाजिरी जरूरी हो और शिकायतकर्ता गैर हाजिर रहे तो कोर्ट आरोपी को बरी कर मुकदमा समाप्त कर सकती है। किंतु जब शिकायतकर्ता की हाजिरी जरूरी न हो तो मुकदमा गैर हाजिर रहने पर खारिज नही कर सकते। सुनवाई स्थगित कर हाजिर होने का अवसर देना चाहिए।

## हाईकोर्ट का आदेश न मानने पर तहसीलदार को अवमानना नोटिस जारी

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

**इलाहाबाद** हाइकोर्ट ने तहसीलदार हंडिया राजकुमार को अवमानना का नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने उनको हाइकोर्ट के आदेश का पालन करने का एक माह का समय दिया है। आदेश का पालन न करने पर तहसीलदार को हाइकोर्ट में हाजिर होना होगा। हंडिया की राजकुमारी देवी के याचिका पर न्यायमूर्ति सुनीत कुमार सुनवाई कर रहे हैं। याची के का कहना था कि याची ने केवला देवी से जमीन का बैनामा कराया था तथा इसके नामांतरण के लिए तहसीलदार हंडिया को दरखास्त दी थी। इस बीच फर्जी दस्तावेजों के आधार पर महेश सिंह ने भी नामांतरण के लिए अर्जी दाखिल की। केवला देवी को इसकी जानकारी होने पर उसने महेश सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। तहसीदार हंडिया ने याची और महेश सिंह के नामांतरण अर्जियों को एक साथ सुनवाई के लिए सम्बद्ध कर दिया। इसके बाद से मामले में लगातार तारीख लग रही है। जबकि नामांतरण अर्जी 35 दिन मे निस्तारित कर देने का नियम है। याची ने हाइकोर्ट में याचिका दाखिल कर जल्दी सुनवाई की माग की थी। हाइकोर्ट ने 5 फरवरी 2018 को तहसीलदार को 6 माह में मामले का निस्तारण करने का आदेश दिया। इसके बावजूद तहसीलदार सिर्फ तारिख लगा रहे हैं। इससे पूर्व दाखिल अवमानना याचिका पर भी कोर्ट ने तहसीलदार को आदेश के पालन का मौका दिया था। मगर आदेश का पालन नहीं हुआ तो दोबारा अवमानना याचिका दाखिल की गई है।

# प्रयागराज व वाराणसी में तेजी से बढ़ रहा गंगा का जलस्तर, हटने लगीं दुकानें

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

● लेटे हनुमान जी तक पहुंचा गंगा का जल, जल्द बजरंग बली करेंगे स्नान

**प्रयागराज** में गंगा यमुना का जलस्तर लगातार तेजी से बढ़ता जा रहा है और कछारी इलाका एवं यमुना गंगा के किनारे बसे गांव में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे घुसने लगा है। अभी फिलहाल फाफामऊ में 7 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है, वहीं छतनाग में भी 11.7 सेंटीमीटर की रफ्तार से गंगा बढ़ रही है नैनी में यमुना नदी 8 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रही हैं। गंगा यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए शहरी और ग्रामीण इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। जिस तरह से गंगा यमुना का पानी लगातार प्रति घंटे की रफ्तार से तेजी से बढ़ रहा है ऐसे में हफ्ते भर के अंदर बाढ़ का पानी शहरी और ग्रामीण इलाकों में पहुंच जाएगा। जिला प्रशासन ने बाढ़ नियंत्रण कक्ष के साथ जल पुलिस एनडीआरएफ की टीम और एसडीएम तहसीलदार तथा अधिकारियों को अलर्ट पर रखा है। निचले इलाकों में अभी से ही बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है लोग अपने घरों से सामान निकाल कर दूसरी जगह पर पहुंच रहे हैं। सोमवार को गंगा का पानी दारागंज नागवासुकी मन्दिर व दशाश्वमेध मंदिर पर सुबह तक आ सकता है, इस संभावना के मद्देनजर सड़क के किनारे लगी दुकाने हटने लगी हैं। वहं जलस्तर देखकर कयास लगाया जा रहा है कि रविवार देररात तक लेटे हनुमान जी स्नान कर लेंगे।

## वरुणा का जलस्तर बढ़ने की संभावना, एनडीआरएफ टीम सतर्क

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

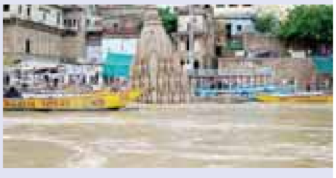

**केन्द्रीय जल** आयोग के मुताबिक गंगा के जलस्तर में बढ़ोत्तरी दर्ज किया जा रहा है। गंगा के जलस्तर में हो रही तेज बढ़ोतरी से गंगा के निचले इलाके भी इसके चपेट में होंगे। कयास लगाया जा रहा है कि गंगा के जल स्तर में हो रही बढ़ोतरी का असर वरुणा में भी देखने को मिलेगा। गंगा के जलस्तर में हो रही बढ़ोत्तरी के चलते गंगा तट जलमग्न हो रहे हैं। आलम यह है कि गंगा के जल स्तर में हो रही बढ़ोत्तरी के चलते घाटों पर होने वाली गंगा आरती के स्थान को परिवर्तित करते हुए उपर लाया गया है। पिछले 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में तेजी से बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। गंगा के जलस्तर में हो रहे बढ़ोत्तरी के मद्देनजर जिला प्रशासन की ओर से एहतियात बरता जा रहा है। गंगा में बढ़ाव के चलते एनडीआरएफ की टीम को सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। बढ़ाव के चलते गंगा में चलने वाली नावों चालन पर रोक लगा दी गई है। गंगा का जलस्तर इतना बढ़ गया है कि गंगा किनारे होने वाले शवदाह के स्थान में भी परिवर्तन किया गया है। मणिकर्णिका घाट पर छत पर दाह संस्कार किया जा रहा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार पिछले चौबीस घण्टे में 5.2 सेण्टीमीटर बढ़ी हैं। गंगा का जलस्तर रविवार को यह आंकड़ा 66.72 मीटर पहुंच गई है। वाराणसी में गंगा नदी का खतरा बिंदु 71.26 मीटर है वहीं चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर है। शनिवार को गंगा का जलस्तर 65.42 मीटर था। गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोत्तरी दर्ज किया जा रहा है। गंगा के जलस्तर में बढ़ोत्तरी के चलते घाट किनारे के मंदिरों में पानी भर गया है। जस्तर में बढ़ाव के चलते तटवर्ती इलाकों के लोग एहतियात बरत रहे हैं। गंगा के जलस्तर में बढ़ाव के चलते दशाश्वमेध घाट ओर अस्सी घाट पर होने वाले आरती का स्थान बदला गया है। गंगा का बढ़ता जलस्तर तटवर्ती इलाकों में रह रहे लोगों के लिए चिंता का सबब बन सकता है।

## अदालतों में कार्यरत कर्मियों को रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष प्रत्यावेदन देने की छूट

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला अदालतों में कार्यरत कर्मियों को सेवा से हटाने के खिलाफ महानिबंधक के समक्ष प्रत्यावेदन दाखिल करने का समय दिया है। इन कर्मियों को निर्धारित अर्हता ट्रिपल सी प्रमाणपत्र न पेश करने के आधार पर दो साल की सेवा के बाद हटा दिया गया है। याचियों का कहना है कि उनके पास समक्ष प्रमाणपत्र है, जिसे मान्य नही किया गया जो नियमो के विपरीत है। कोर्ट ने अपील दाखिल करने में 913 दिन की देरी माफकर दी है और कहा है कि अपीलार्थी दीपक शर्मा केस के फैसले के अनुसार सेवा समाप्ति के खिलाफ प्रत्यावेदन दे सकते हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम नाथ तथा न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की खंडपीठ ने आजमगढ़ के रणजीत कुमार व कई अन्य जिलों के कर्मियों की विशेष अपील निस्तारित करते हुए दिया है। सिविल कोर्ट स्टाफ भर्ती में ऐसे लोगों की बर्खास्त कर दिया गया जो ट्रिपल सी धारक नही थे। कोर्ट ने समकक्ष प्रमाणपत्रो को भी ट्रिपल सी के बराबर माना है। इसी के आधार पर कोर्ट ने प्रत्यावेदन देने का मौका दिया है।

## आज से होगा न्यायिक कार्य अब होगा क्रमिक अनशन

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील सोमवार 19 अगस्त से न्यायिक काम करेंगे। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि सोमवार से हाईकोर्ट के वकील काम करेंगे। परन्तु शिक्षा सेवा अधिकरण के लखनऊ में स्थापना के खिलाफ उनका क्रमिक अनशन सोमवार से शुरू होगा। बार एसोसिएशन का यह निर्णय हाईकोर्ट द्वारा इस मामले में हस्तक्षेप कर आदेश पारित करने के कारण लिया गया है। हाईकोर्ट के दो जजों की खंडपीठ ने शुक्रवार 16 अगस्त को विस्तृत आदेश पारित कर शिक्षा ट्रिब्यूनल के लखनऊ में स्थापना का मामला हाईकोर्ट के वृहद्पीठ को संदर्भित कर दिया है। अब इस मामले पर 30 अगस्त को हाईकोर्ट की वृहद्पीठ सुनवाई करेगी। मामले को वृहद्पीठ को संदर्भित करते हुए जजों ने आदेश मे कहा कि सरकार की गलत नीतियों के चलते यह समस्या पैदा हो रही है। बहरहाल वकीलों ने सोमवार से काम पर लौटने का निर्णय लिया है। बार एसोसिएशन ने शिक्षा सेवा अधिकरण एवं जीएसटी अधिकरण प्रयागराज में स्थापित करने की मांग पर कायम रहते हुए आंदोलन की रणनीति बदल ली है। अब अधिवक्ता अपनी मांगों के समर्थन में क्रमिक अनशन पर बैठेंगे। बार एसोसिएशन के पुस्तकालय हाल में हुई आम सभा में यह निर्णय लिया गया। सभा की अध्यक्षता राकेश पांडेय एवं संचालन महासचिव जे बी सिंह ने किया। अधिवक्ताओं ने अम्बेडकर मूर्ति चौराहे पर प्रदर्शन किया। इसके बाद बार की आम सभा हुई और जारी हड़ताल स्थगित कर क्रमिक अनशन का फैसला लिया गया। बार के पदाधिकारी वृहदपीठ शीघ्र गठन के लिए मुख्य न्यायाधीश गोविन्द माथुर से मिलकर अनुरोध करेंगे। बार की सभा में वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व अध्यक्ष आर के ओझा, पूर्व अध्यक्ष आई के चतुर्वेदी, पूर्व अध्यक्ष सी एल पांडेय, पूर्व महामंत्री ए सी तिवारी, पूर्व संयुक्त सचिव सन्तोष मिश्र, अजय कुमार मिश्र, पूर्व महासचिव प्रभाशंकर मिश्र, पूर्व महासचिव अशोक कुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्र गांधी, संयुक्त सचिव प्रियदर्शी त्रिपाठी, आशुतोष पांडेय आदि अधिवक्ताओं ने विचार रखे।

## प्रयागराज का ऐतिहासिक घंटाघर 30 साल बाद फिर समय बताएगा

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

**पिछली** शताब्दी के शुरू में शहर के व्यस्त चौराहे पर बनाया गया विशाल घंटाघर 30 बरस बाद एक बार फिर समय बताएगा। प्रयागराज नगर निगम ने इस ऐतिहासिक घंटाघर की घड़ी और घंटे को चालू हालत में लाने की कोशिश तेज कर दी है। इसके कलपुर्जे मिलने में दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन उम्मीद है कि इस बरस अक्तूबर तक यह चालू हालत में होगा।

प्रयागराज स्थित चौक घंटाघर भारत के सबसे पुराने बाजारों में से एक है और मुगलों की परंपरागत स्थापत्य और निर्माण कला का नमूना है। इसे लखनऊ के घंटाघर के बाद उत्तर प्रदेश का दूसरा सबसे पुराना घंटाघर कहा जाता है। इसके खम्भों पर रोमन नक्काशी की बहुत सुंदर कलाकृतियां उकेरी गई हैं, जो सौ बरस बीत जाने पर धुंधली भले हो गई हों, लेकिन उनकी खूबसूरती में कहीं कोई कमी नहीं आई। अब अगर घंटाघर बनाने के औचित्य की बात करें तो 1881 में लखनऊ में बना घंटाघर देश का सबसे ऊंचा घंटाघर है। यह ऐसा समय था जब अंग्रेज अफसरों के अलावा घड़ी किसी के पास नहीं होती थी। कृषि प्रधान देश में सूरज के उगने और छिपने से वक्त का अंदाजा लगाया जाता था, लेकिन अंग्रेज हुकूमत के सरकारी दफ्तरों और फैक्ट्रियों में काम करने वाले लोग समय पर अपने काम पर पहुंचे इसके लिए शहर के बीचोंबीच व्यस्त चौराहे पर विशाल घंटाघर बनवाने का चलन शुरू हुआ। यह इमारत संबद्ध शहर की पहचान और इतिहास का हिस्सा हुआ करती थी। लखनऊ का घंटाघर अवधी और ब्रिटिश स्थापत्यकला का नमूना है।

नगर निगम के अधिशासी अभियंता अजय सक्सेना ने बताया कि चौक स्थित घंटाघर की घड़ी पिछले 30 साल से खराब पड़ी है जिसे ठीक कराने की कोशिश नगर निगम ने की, लेकिन इसके कई कल-पुर्जे लापता होने से इसे ठीक कराना चुनौतीपूर्ण कार्य हो गया। उन्होंने बताया कि अब इस काम का जिम्मा मुंबई की एक कंपनी को सौंपा गया है।

उन्होंने बताया कि घंटाघर को नया स्वरूप देने के साथ ही इसकी चारों दिशाओं में नई घड़ियां लगाई जाएंगी, जिनमें रोमन लिपि में नंबर अंकित होंगे। प्रत्एक घड़ी की लागत तकरीबन एक लाख रुपए होगी। इसके अलावा घंटा आदि दुरुस्त करने पर करीब एक लाख रूपए का खर्च आएगा। घड़ियों के रखरखाव का जिम्मा उसी कंपनी का होगा जिसके लिए वह सालाना 16,000 रुपए शुल्क लेगी।

उन्होंने कहा कि इस काम के लिए क्षेत्र के विधायक और मौजूदा प्रदेश सरकार में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी अपने विधायक निधि से धन उपलब्ध करा रहे हैं। प्रयागराज स्थित चौक घंटाघर पर लगे संगमरमर के शिलालेख के अनुसार इसका निर्माण 1913 में शहर के रईस रायबहादुर लाला रामचरन दास तथा लाला विश्वेस्वर दास ने अपने पूर्वजों लाला मनोहर दास और लाला मुन्नीलाल की याद में करवाया था। दरअसल दिसंबर 1910 में यमुना किनारे दो सौ बीघा जमीन पर एक विशाल प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसे देखने देश विदेश के लाखों लोग आए थे। इसी प्रदर्शनी में एक विशाल घंटाघर बनाया गया था, जिसका डिजाइन सर एस जैकब ने तैयार किया था। चौक घंटाघर हुबहू उसी आकार और रंगरूप का बनवाया गया। इनटैक प्रयागराज चैप्टर के सदस्य वैभव मैनी ने बताया कि अवधी और ब्रिटिश वास्तुकला के सबसे बेहतरीन नमूनों में शुमार 221 फीट ऊंचे लखनऊ घंटाघर को वहां के स्थानीय लोगों के समुदाय ने मिलकर ठीक कराया था, जबकि मुंबई स्थित राजा बाई घंटाघर को मुंबई की एक कंपनी ने ठीक किया। मैनी कहते हैं कि घंटाघर भी हमारी विरासत है जिसे सहेजने की जिम्मेदारी सरकार के साथ ही नागरिक समाज की भी है। इस दिशा में सकारात्मक पहल होना प्रसन्नता की बात है।

## ट्रेनों में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार दो किलोग्राम गांजा बरामद

**मथुरा।** उत्तर प्रदेश के मथुरा में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने ट्रेनों में चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब दो किलोग्राम गांजा, चाकू और नकदी बरामद हुई है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों ने पिछले महीने पंजाब मेल के एसी कोच में चोरी करने की बात भी कबूल की है। ए लोग ट्रेनों के एसी कोच के यात्रियों को शिकार बनाते रहे हैं। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार यादव ने बताया कि टीम के साथ जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या सात पर शुक्रवार की रात जांच कर रहे थे। इसी दौरान दो युवक पुलिस को देख कर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। उनमें से एक ने अपना नाम बादशाह उर्फ सद्दाम तथा दूसरे ने शाकिब बताया। तलाशी में बादशाह के पास से दो किलोग्राम गांजा और 2600 रुपए नकदी, शाकिब के कब्जे से एक चाकू बरामद हुआ। दोनों ने छह जुलाई की रात पंजाब मेल के ए-। कोच में एक यात्री का पर्स चोरी किए जाने की बात भी स्वीकार की। पर्स में पांच हजार रुपए नकदी व अन्य जरूरी सामान था। इस मामले की रिपोर्ट जीआरपी थाने में दर्ज है।

# सीएमओ को बचाने के लिए अधीनस्थ से कराई गई जांच

संवाददाता। बस्ती

**साढ़े पांच करोड़** के अनियमित दवा खरीद में फंसे पूर्व सीएमओ डा. जेएलएम कुशवाहा के विरुद्ध बहुत पहले कार्रवाई हो गई होती अगर तत्कालीन डीएम ने जांच के मामले में नियमों का पालन किया होता। नियमानुसार किसी अधिकारी की जांच उसके अधीनस्थ से नहीं कराई जा सकती है। मगर सीएमओ के मामले में ऐसा नहीं किया गया, सीएमओ की जांच उनके अधीनस्थ अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सीएल कन्नौजिया से कराई गई, जब इसकी रिपोर्ट डीएम के जरिए शासन को उपलब्ध कराई गई तो इसे नियमों के विपरीत बताते हुए जांच सीडीओ या फिर एडीएम से कराने के निर्देश दिए गए। सीएमओ की शिकायत मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से सदर विधायक दयाराम चौधरी, एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के प्रतिनिधि हरीश सिंह और भाजपा के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य गणेश नारायण मिश्र ने एक साल पहले की थी। इस पर प्रमुख सचिव शासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम को जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। शिकायतकर्ता विधायक दयाराम चौधरी और हरीश सिंह का कहना है कि सीएमओ को बचाने में विभाग के साथ स्थानीय प्रशासन भी लगा हुआ है। कहते हैं कि नियम कानून जानते हुए भी तत्कालीन डीएम ने जांच किसी उच्च अधिकारी से न कराकर अधीनस्थ से कराया ताकि मनमाफिक रिपोर्ट लग सके। कहते हैं कि अगर स्थानीय प्रशासन ने इस मामले में नियमों का पालन किया होता तो सीएमओ के विरुद्ध बहुत पहले कार्रवाई हो गई होती। कहते हैं कि अगर इस मामले में सीएम ने पहल न की होती तो शायद अभी तक सीएमओ का तबादला भी नहीं होता। बड़े से बड़े घोटाले को किस तरह मैनेज किया जा सकता है, यह सीएमओ के मामले में देखा जा सकता है। इस मामले में पहले जांच टीम ने आरोप साबित होने के बाद भी सीएमओ को क्लीन चिट दिया, उसके बाद रही सही कसर अधीनस्थ से जांच करवा कर पूरी कर दी गई। हालांकि अभी तक शासन द्वारा बनाई गई उच्च स्तरीय जांच टीम ने जांच शुरु नहीं की है। सीएमओ की जांच प्रदेश के वित्त नियंत्रक की ओर से भी किया जा रहा है।

### हमेशा प्रशासन का प्रमुख अंग रहा है सीएमओ कार्यालय

जिले के विकास में हमेशा प्रशासन और सीएमओ कार्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका रही हैं, प्रशासन के अगर सबसे करीब माना जाता रहा है तो वह है सीएमओ। यही कारण है कि अधिकतर सीएमओ की कमियों को भी प्रशासन नजरअंदाज करता रहा है। हालांकि प्रशासन के करीबी का फायदा भी कई सीएमओ ने खूब उठाया। यहां तक कि खूब मनमानी भी की, कई मामलों में तो डीएम को भी अंधेरें में रखा, जैसा कि सविंदा कर्मियों के तबादले में देखा गया। कुछ लोगों का मानना है कि प्रशासन का करीबी बनने के लिए पिछले कई सीएमओ ने जो रास्ता अपनाया उससे सरकारी धन का दुरुपयोग अधिक हुआ। कहा भी जाता है कि जिन जनपदों में सीएमओ कार्यालय प्रशासन से दूर रहा, उन जनपदों में सरकारी धन का दुरुपयोग बहुत कम हुआ।

## नहाते समय गंगा नदी में डूबे दो बालक

**मिर्जापुर।** थाना पडरी क्षेत्र के पैड़ापुर चौकी क्षेत्र छठहा गंगा घाट पर नहाते समय दो बालक डूब गए जिनको खोजने की कोशिश की जा रही है घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है सूचना मिलने पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने बालकों की तलाश शुरू की स्थानीय चौकी क्षेत्र के चौहान पट्टी गांव निवासी आशीष 12 वर्षीय पुत्र स्वर्गीय सूर्यबली अपनी बुआ के लड़के सौरव यादव 13 वर्षीय पुत्र राजेश यादव निवासी बारीपुर भरूहना थाना देहात कोतवाली के साथ शनिवार को दोपहर में गंगा नदी में नहाने गया था जहां दोनों पानी में डूबने से लापता हो गए पुलिस के अनुसार चार लड़के वहां पर गए थे जिसमें मुरली यादव 18 वर्षीय पुत्र नंद लाल यादव और श्रीराम यादव 12 वर्षीय पुत्र राजबली यादव मृतक आशीष व सौरभ चारों एक साथ स्नान के लिए गंगा नदी में गए थे लड़कों को नदी में स्नान करते जाते देख ग्रामीणों ने रोकना चाहा तो बालकों ने ग्रामीणों की बातों को अनसुना कर दिया जिसके बाद आशीष और सौरव गंगा नदी में डूब गए।

## चाचा-भतीजे ने किशोरी से किया सामूहिक दुष्कर्म

शर्मनाक

● थाना रेउसा क्षेत्र की घटना, मुंह खोलने पर अश्लील वीडियो, फोटो वायरल करने की दी धमकी

● केस दर्जकर आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

**रेउसा सीतापुर।** थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग किशोरी के साथ चाचा-भतीजे द्वारा सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने दोनों पर सम्बंधित धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्र एक गांव की निवासी 13 वर्षीय किशोरी ने आरोप लगाया है कि वह शनिवार की शाम को गांव के बाहर के खेत में शौच के लिए गई थी। जहां पहले से घात लगाए बैठे प्रधान का बेटा पप्पू पुत्र मुख्तार व भाई इकबाल पुत्र इलियास निवासी सेमरा थाना रेउसा ने बालिका के साथ दुराचार किया। बालिका का आरोप है कि दुराचार करने बाद उसकी अश्लील तस्वीरों का मोबाइल से वीडियो बनाया व फोटो खींचे और उन्हें वायरल करने की धमकी देते हुए फरार हो गए। किशोरी ने गम्भीर हालत में घर पहुंचकर अपनी मां को आप बीती बताई। जिस पर पीड़िता के पिता ने रविवार को थाने में दोनों अभियुक्तों के खिलाफ तहरीर दी। इंस्पेक्टर नोवेंद्र सिंह सिरोही ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 376डी, 506 व पाक्सो एक्ट के तहत केस पंजीकृत कर बालिका को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

## संदिग्ध हालातों में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

**महोली सीतापुर।** कोतवाली महोली इलाके में एक युवक का शव गांव के किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। शव की गर्दन में रस्सी बंधी हुई थी जबकि पास में लगे एक पेड़ में भी थोड़ी रस्सी बंधी थी। स्थानीय लोगों का मानना है कि पहले उसको फंदे से लटका कर मार डाला गया। फिर उसकी उसकी रस्सी काट कर शव जमीन पर डाल दिया। बता दें कि मृतक के पिता काफी दिन पहले ही खत्म हो चुके थे वह अपने ताऊ के घर में रहता था और कुछ माह पूर्व ही मृतक का उसके चाचा से बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। इलाके के हसनापुर निवासी मनोज (24) पुत्र स्व लल्लू शनिवार देर शाम घर से बाहर निकला था। मनोज के माता पिता की मौत होने के बाद से वो अपने ताऊ रामकुमार के साथ ही रहता था। जब सुबह देर तक वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसे तलाश करना शुरू कर दिया। जिसके बाद गांव बाहर पूरब की ओर मनोज की लाश जमीन पर पड़ी मिली उसके गले मे रस्सी बंधी थी जो कि आधी कटी थी शेष रस्सी पास के पेड़ से बंधी हुई थी।

# छात्रा की मौत मामले में लम्भुआ कोतवाल सस्पेंड

● बाइक सवार युवकों की छेड़छाड़ के दौरान साइकिल सवार छात्रा हुई थी जख्मी

● इलाज के दौरान लखनऊ में तोड़ा था दम

● कोतवाल ने घटना के तीन दिन बाद दर्ज किया था मुकदमा

**लम्भुआ, सुलतानपुर।** बाइक सवार युवकों की छेड़छाड़ के दौरान साइकिल सवार छात्रा गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। उपचार के दौरान घायल छात्रा ने लखनऊ में दम तोड़ दिया था। परिजनों का आरोप था कि कोतवाल ने मामले को गंभीरता से नही लिया और घटना के तीन दिन बाद काफी हीलाहवाली करते हुए रिपोर्ट किया था। प्रकरण में कोताही बरतने वाले लम्भुआ कोतवाल संजय सिंह को पुलिस अधीक्षक हिमांशु कुमार ने सस्पेंड कर दिया है।

लंभुआ कोतवाली क्षेत्र की एक छात्रा स्कूल से छुट्टी होने के बाद बीते आठ अगस्त को साइकिल से घर जा रही थी। तभी रास्ते में तीन लड़कों ने उसके साथ छेड़खानी की। इस दौरान छात्रा की साइकिल व लड़कों की बाइक की टक्कर हो गई। इससे छात्रा बुरी तरह से घायल हो गई। उसे सीएचसी लंभुआ में भर्ती कराया गया। वहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करके जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में भी हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों द्वारा लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। लखनऊ में इलाज के दौरान 14 अगस्त को छात्रा की मौत हो गई थी। मृतक छात्रो के परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए शिकायत की थी कि घटना के तीन दिन बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और मामले में काफी हीलाहवाली की। परिजनों का आरोप था कि छेड़खानी का विरोध करने पर बाइक सवार युवकों ने छात्रा को जान से मारने की नीयत से बाइक से साइकिल में ठोकर मारी। छात्रा की मौत के बाद जब मामला सुर्खियों में आया तो एसपी ने इसकी जांच कराई। जांच में पुलिस अधीक्षक ने पाया कि लंभुआ कोतवाल द्वारा छात्रा के साथ हुई घटना के मामले में काफी लापरवाही बरती गई। लापरवाही के आरोप में पुलिस अधीक्षक ने लंभुआ कोतवाल को निलंबित कर दिया। एसपी की इस कार्यवाही से अन्य मामलों में कोताही बरतने वाले पुलिस कर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है।

# सीडीएस की घोषणा

## ढांचागत व तकनीकी सुधार भी जरूरी

**बालाकोट** के बाद राष्ट्रवादी प्रचार अभियान चलाने पर सत्ता में आई मोदी की दूसरी सरकार सेना और सैनिकों से संबंधित कई मामले टालती लग रही थी। वह आमतौर से सुधार या व्यवस्थाओं की कमी की बात नहीं करती थी। लेकिन प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में चीफ आफ डिफेंस स्टाफ-सीडीएस की घोषणा कर दी। इसकी मांग बहुत लंबे समय से की जा रही थी और यह एक तात्कालिक आवश्यकता भी थी। इसका अर्थ है कि तीनों सेनाओं से समन्वय का एक बिंदु होगा जिसमें उनका कामकाज, प्रशिक्षण, लाजिस्टिक्स, नियोजन एवं खरीद शामिल हैं। इससे एकीकृत व लक्षित आपदा प्रतिक्रिया मोड्यूल भी विकसित होगा। व्यावहारिक रूप से इससे वर्तमान सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा तथा तैयारी के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण से खुफिया सेवाओं का बेहतर प्रयोग हो सकेगा। कारगिल घटना अचानक होने के कारण सीडीएस की मांग तेज हुई थी। दुनिया में युद्धक टकरावों की गंभीर प्रकृति तथा राजनीतिक नेतृत्व को विशेषज्ञ सलाह देने के लिए भी इसकी आवश्यकता थी ताकि तेजी से निर्णायक कार्रवाई हो सके। यह पद लगभग 20 साल बाद सक्रिय किया जा रहा है और हम ऐसा करने वाली अंतिम नाभिकीय शक्ति हैं। लेकिन सवाल है कि संयुक्त सेना कमांड को ठीक से काम करने दिया जाएगा अथवा यह एक और नौकरशाही मोर्चा बन जाएगा। तकनीक-संचालित युद्ध के समय में हमारी सेनाओं को अपने बेड़े, उपकरणों, हथियार व्यवस्थाओं तथा ढांचे व श्रमशक्ति को अद्यतन बनाना होगा। पैसे की भारी कमी, मानक स्वदेशी व्यवस्थाओं की कमी तथा सेना तैनाती पर बहुत ज्यादा जोर को देखते हुए वायुसेना और नौसेना के पक्ष में संतुलन बदलना चाहिए। बालाकोट ने अद्यतन लड़ाकू जेट विमानों की आवश्यकता उजागर की है। सीडीएस चाहे जितना शक्तिशाली हो, वह ऐसे नीतिगत मुद्दों पर निर्णय नहीं कर सकता है।

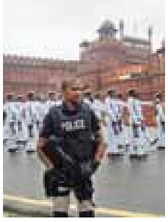

सवाल है कि क्या हमने कारगिल से समुचित सबक सीखे हैं जहां हवाई सुरक्षा के अभाव में हमारे सैनिकों को आमने-सामने लड़ाई करनी पड़ी? क्या हमारे पास उचित संख्या में राइफलें और गोला-बारूद है जिससे सैनिकों की रक्षा हो सके क्योंकि उनके हताहत होने की संख्या अब भी बहुत अधिक है? नौसेना के पास पुराने विमानवाहक पोत हैं। हालांकि, नाभिकीय पनडुब्बी के रूप में अरिहंत को शामिल करने तथा रूस से अकुला-क्लास की पनडुब्बियां पट्टे पर लेने के बाद हमारी शक्ति बढ़ी है। लेकिन चीन की नौसेना ने पनडुब्बियों पर हमला करने वाला बेड़ा तैयार करने के साथ ही अनेक बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां बनाई हैं। हमारे पास 11 विध्वंसक हैं, जबकि चीन के पास 36 और वे सभी 1999 के बाद सेवा में आए हैं। चीन भले ही स्मार्ट अमेरिकी नौसेना का मुकाबला न कर सके, पर वह थोड़े ही समय में दुनिया की सर्वाधिक शक्तिशाली नौसेना बन गई है। भारत में नियोजन की कमियां, रक्षा क्षेत्र में बिना आधुनिक बनाए पीएसयू को संरक्षण देना तथा रक्षा समझौतों में भ्रष्टाचार बहुत घातक रहा जिसके कारण आज हम दुनिया में सबसे बड़े हथियार खरीदार हैं। यदि हम सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम बना सकते हैं तो रक्षा क्षमतायें भी बढ़ाने के लिए सस्ती व खोजी तकनीक प्रयोग कर सकते हैं। भारत ने उपग्रह-मारक क्षमता प्रदर्शित की है। सेना शोध एवं विकास के लिए ज्यादा संसाधन प्रदान करना आवश्यक हैं। भारत को भावी युद्धों के लिए तैयार रहना चाहिए, लेकिन विडंबना है कि पड़ोसी देश भी हमारी रणनीतिक क्षमता से प्रभावित नहीं हैं और चीन को बेहतर मानते हैं। सीडीएस गठन से स्पष्ट है कि अब मोदी के सामने सहमति बनाने की समस्या नहीं है और उनको सुधार तेज करने चाहिए।

# पिछड़ेपन से जूझता कूर्ग समुदाय

क्या चीजें कूर्ग समुदाय के लिए वास्तव में बदली हैं? सविता की कथा से स्पष्ट होता है कि अभी अस्पृश्यता का कलंक समाप्त करने के लिए उनको लंबा रास्ता तय करना है।

**स्वप्ना मजूमदार**
लेखिका वरिष्ठ
पत्रकार हैं)

पहली नजर में 21 वर्षीय 'जीता सम्मानित मंगलौर विश्वविद्यालय की किसी अन्य छात्रा जैसी लगती है। लेकिन एक अंतर है कि वो कूर्ग समुदाय की है। यह आदिवासी समुदाय विलुप्त होने के कगार पर है और अस्पृश्य समझा जाता है। 9 अगस्त को भारत में विश्व आदिवासी दिवस या दुनिया के स्वदेशी लोगों का अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया गया। लेकिन, क्या कूर्गों के लिए चीजें वास्तव में बदली हैं। क्या उनको समान अवसर मिले हैं या अस्पृश्यता का कलंक अभी उन पर लगा है? इसका जवाब जातीय व जनजातीय पदानुक्रम में कूर्गों की स्थिति है। नवीनतम जनगणना आंकड़ों के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या में जनजातियां 8.6 प्रतिशत हैं। देश में 705 अनुसूचित जातियां हैं। इनमें से कूर्ग उत्तर केरल के कासरकोर जिले तथा कर्नाटक के चार जिलों दक्षिण कन्नड़, उडिपी व उत्तर कन्नड़ में रहते हैं। 1986 में उनकी घटती जनसंख्या के कारण भारत सरकार ने इसे खासकर संकटग्रस्त जनजातीय समूह घोषित किया था। 2011 की जनगणना के अनुसार कूर्गों की जनसंख्या केवल 14,974 थी, जबकि 1981 की जनगणना में इनकी संख्या 15,146 थी।

ऐतिहासिक रूप से, अधिकांश अन्य जनजातियों की तरह कूर्गों ने भी भारी सामाजिक व आर्थिक वंचना झेली है। कर्नाटक वन कानून 1963 जैसे कानूनों ने जंगलों को सुरक्षित व वन जंगलों के रूप में बांटा है। इसी तरह वन्य जीव संरक्षण कानून 1972 ने जनजातियों को उनकी आजीविका के स्रोतों से अलग किया है। वन भूमि से अलग होने के बाद जहां उनके पूर्वज अनेक पीढ़ियों से रहते थे, अब यह आदिवासी समूह बांस से टोकरियां बनाने, जंगलों में छोटे मोटे काम करने तथा हाथ से मैला उठाने के काम में लगा है। उनकी स्थिति अमानवीय परम्परागत व्यवहार से और खराब हुई है जिसे अंजल कहते हैं और यह केवल कूर्गों में पाया जाता है। इस परम्परा के अनुसार, उच्च जातियां उनको बचा खुचा खाना तथा पुराने कपड़े देती हैं जब वे अपना दुर्भाग्य कूर्गों को हस्तांतरित करना चाहती हैं। इसमें भोजन में बाल, नाखून व अन्य अखाद्य चीजें मिलाना तथा उनको इस विश्वास से खाने को मजबूर करना है कि उनकी समस्याएं इन आदिवासियों पर आरोपित हो जाएंगी। यह बर्ताव इस कारण फला फूला, क्योंकि अनेक कूर्ग इस खैरात पर निर्भर थे। कुपोषण, एनीमिया व घातक बीमारियों के कारण समुदाय में मृत्यु दर बहुत अधिक है। साक्षरता दर, खासकर महिलाओं में बहुत कम है। हालांकि, पिछले 15 वर्षों में इस समुदाय ने प्रगति की है तथा अपने अधिकारों को पहचाना है। जीता के माता-पिता सफाई कर्मचारी का काम करते थे और उनको उसे शिक्षा दिलाने के लिए अनेक आर्थिक व सामाजिक बाधाएं तोड़नी पड़ीं। विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना इसके लिए एक सपना था। लेकिन, यह इसलिए संभव हुआ कि सविता कूर्ग ने उसके लिए रास्ता बनाया। वह कूर्ग आदिवासी समुदाय की पहली लड़की थी जिनको छह साल पहले विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर नियुक्त किया गया।

पहले बाधा तोड़ने वाली सबिता ने जीता को अपना सपना पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी तथा किताबें देकर उसकी मदद की। सौभाग्य की बात है कि सविता को विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ में प्रशासनिक अधिकारी का दायित्व भी मिला है। इससे उनको जीता जैसी मेधावी व जरूरतमंद छात्राओं की सहायता का अवसर मिला है।

वर्तमान समय में, सबिता के संरक्षण में समाज विज्ञान की छात्रा, जीता, को अपने प्रोफेसर से बहुत कुछ सीखने को मिला है। हालांकि, उनको भी आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ा था पर जीता की समस्याएं सबिता की तुलना में बहुत कम हैं।

सबिता मात्र 5 वर्ष की थी जब उनके पिता का अवसान हो गया, मगर सविता ने किसी तरह अपनी पढ़ाई जारी रखी, पारिवारिक दायित्वों के बीच समय निकालकर, अपनी छोटे भाई और स्कूल की देखभाल करते हुए। मगर 2002 में पुन: विपत्ति आ गई। एक दुर्घटना में उसकी मां का देहांत हो गया, तब सबिता 10वीं कक्षा में पढ़ रही थी, और स्कूल छोड़ देने के सिवाय उसके पास और कोई चारा नहीं था। उनकी पहली प्राथमिकता थी नौकरी पाना जिससे कि वह अपने छोटे भाई को पाल सकें। इसी दौरान, जनजातियों के लिए काम करने वाला एक समुदाय आधारित संगठन, समग्र ग्रामीण आश्रम, कूर्ग समुदाय के बच्चों को वापस स्कूल जाने हेतु मनाने का प्रयास कर रहा था। वह एक गैर मुनाफा संगठन, एक्शन एड इंडिया, की मदद से उन्हें वापस शिक्षा ग्रहण करने के लिए राजी करने का प्रयास करता था। समुदाय के साथ ऐसी ही एक मुलाकात के दौरान, संगठन के समन्वयकर्ता अशोक शेट्टी ने सबिता के बारे में सुना और उनसे मिलने गए। यह मुलाकात उसके जीवन में परिवर्तन का प्रस्थान बिंदु बन गई। शेट्टी ने उससे कूर्गों को सशक्त बनाने हेतु अपने अभियान में सहायता करने के लिए संगठन के साथ मिलकर क्षेत्र कार्यकर्ता के तौर पर काम करने को कहा। उन्होंने उसे शिक्षा पुन: प्रारम्भ करने पर सहयोग देने की पेशकश भी की।

अगले 20 महीनों तक सविता ने संगठन के साथ काम किया, जहां वह समुदाय में महिलाओं के स्वयं सहायता समूह गठित करने में मदद करती थी। हालांकि, उस दौरान, उसने पढ़ाई पुन: प्रारम्भ करने की इच्छा जाहिर की। जब यह बात संगठन को पता चली, शेट्टी ने सुनिश्चित किया कि उसे संगठन के कार्यालय में पढ़ाई करने के लिए एक कमरा मिल जाए। और सबिता जो कक्षा दस के बाद स्कूल छोड़ चुकी थी, निराश नहीं हुई। उसने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। उसके पश्चात, उसने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

मंगलौर के बेसेंट वूमन कालेज से स्नातक उत्तीर्ण करने के बाद, सबिता ने 2010 में मंगलौर विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में स्नात्कोत्तर किया। वो न केवल विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान पर रही, बल्कि उसने नीट की परीक्षा उत्तीर्ण की जब वह स्नात्कोत्तर के तीसरे समिस्टर में थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से विश्वविद्यालय में प्रवक्ता के तौर पर नियुक्त होने की योग्यता प्रदान करने वाली, नीट परीक्षा को कठिन बाधा माना जाता है। लेकिन सबिता ने आसानी से नीट पास करके अपनी क्षमता का परिचय दिया और 2011 में मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित राज्य पात्रता परीक्षा पास की। दिसंबर 2013 में वो मंगलौर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त हो गईं।

सबिता शिक्षा को उस हीन भावना से उन्हें उबारने का श्रेय देती हैं जो उन्हें अछूत जाति का होने के कारण सहन करनी पड़ी। सबिता विस्तार से बताती हैं, ''मुझे अपनी जाति के कारण स्कूल में भेदभाव का सामना करना पड़ा। मुझे शिक्षकों के जूते उठाने पड़े। कई बार मुझे कक्षा के बाहर खड़ा रखा जाता था। मेरे सहपाठियों में से कई को अन्य बच्चों के साथ बैठने नहीं दिया जाता था और जमीन पर बिठाया जाता था। कई स्कूलों में कूर्ग छात्रों के लिए अंतिम बेंचें निर्धारित की जाती थीं। लेकिन एसजीए के साथ काम करने के बाद और अपने अधिकारों को लेकर और अधिक जागरूक होने पर, मेरे भीतर पहली बेंच पर बैठने का आत्मविश्वास जाग गया जब मैं स्कूल वापस लौटी।''

यह पहली परम्परा नहीं थी जिसे मैंने उलट दिया। उसने कूर्ग फाउंडेशन की मदद से अपने गांव में अंजल की प्रथा पूरी तरह खत्म करवा दी। मगर कलंक अभी तक नहीं मिटा है। सबिता बताती हैं, ''मैंने बचा खुचा खाना एकत्र करने के लिए अपनी मां के साथ जाने की यातना झेली है। मैंने अपने समुदाय को इस प्रथा का पालन बंद करने हेतु राजी करने के लिए कठिन परिश्रम किया। यद्यपि प्रथा बंद हो गई है मगर हमारे समुदाय को अभी भी उच्च जातियों द्वारा अछूत ही माना जाता है।'' यद्यपि सबिता स्थिति को पूरी तरह बदलने में सफल नहीं हो पाई है मगर वह समुदाय के बच्चों की मानसिकता बदलने का प्रयास कर रही है कि वे स्कूलों से निकलने हेतु बाध्य किए जाने वाले भेदभाव को सहन न करें। सबिता का कहना है, ''शिक्षा ने मेरा जीवन बदल दिया और मैं अपने समुदाय के अन्य लोगों से भी यही चाहती हूं कि वे शिक्षा का मूल्य समझें। यह वो ताकत है जो नियति को बदल सकती है, जिस तरह मेरी नियति बदली गई।''

सबिता अपने समुदाय की संभावनाओं को सुधारने के लिए राज्य की नीतियों को प्रभावित करने के लिए उत्सुक है और वह जनजातीय विकास में कार्यक्रम एवं नीतियों के मूल्यांकन एवं कर्नाटक की आदिम जनजातियों के लिए शिक्षा के सामाजिक गतिशीलता प्रेरक साधन विषय पर डाक्टोरल थीसिस पूर्ण करने में लगी हुई है। वो चाहती है कि उसका शोध कूर्ग समुदाय की महिलाओं के सशक्तीकरण को आगे बढ़ाने में सहायक हो क्योंकि बहुत से लोग अज्ञानता एवं हीनभावना के चलते अभी भी सरकारी सुविधाएं प्राप्त करने में असमर्थ हैं।

उम्मीद है कि उसकी उपलब्धियों पर राज्य सरकार के जनजातीय विकास विभाग द्वारा अनुमत एक डाक्यूमेंट्री सबिता के उद्देश्य को पूर्ण करने में मददगार होगी।

# सोनिया गांधी के समक्ष पूर्व से अधिक चुनौतियां

**कल्याणी शंकर**
(लेखिका प्रख्यात राजनीतिक टिप्पणीकार हैं)

सोनिया गांधी लगभग दो वर्ष बाद फिर कांग्रेस अध्यक्ष बनी हैं। इस समय, वो नेतृत्व से अलग रहीं तथा 2017 के बाद मैदान पूरी तरह अपने पुत्र राहुल गांधी के लिए छोड़ दिया। लेकिन, अब अगले संगठन चुनाव तक वो पार्टी के शिखर पर रहेंगी।

विचार-विमर्श की प्रक्रिया के बाद, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्लूसी) ने अंतत: सोनिया गांधी की पद पर वापसी की। लेकिन, यह स्पष्ट नहीं है कि वो पार्टी का स्वास्थ्य सुधार सकेंगी। सोनिया ने अपनी राजनीति की शुरुआत 1998 में की थी, जब देश की सबसे पुरानी पार्टी बुरे हाल में थी और वो उसका पतन रोकने में सफल हुई थीं। उन्होंने पार्टी को दो बार सत्ता में लाने में सफलता पाई। अब वो अनमने भाव से पुन: अध्यक्ष बनी हैं जो आने वाले दिनों व महीनों में उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

सोनिया के लिए पहली चुनौती हताश संगठन का पुनर्गठन करने की है। उनको सभी पीढ़ियों के नेताओं व कार्यकर्ताओं का सम्मान, भरोसा व स्वामिभक्ति प्राप्त है। 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की अपमानजनक पराजय हुई। वह केवल 52 सीटें पा सकी और राहुल गांधी के पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफे के बाद पिछले 75 दिनों से वह नेतृत्व संकट का सामना कर रही है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं में निराशा व्याप्त है। अनेक निराश नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। सोनिया को नेताओं से संवाद स्थापित करते हुए यह दिखाना होगा कि अभी भी कार्यकर्ता उन पर भरोसा करते हैं और वो उनको उत्साह बढ़ा सकती हैं।

दूसरी व ज्यादा महत्वपूर्ण चुनौती महाराष्ट्र, झारखंड व हरियाणा में अगले दो महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव हैं और कांग्रेस उनका सामना करने के लिए तैयार नहीं है। दूसरी ओर भाजपा तीनों राज्य जीतने के लिए तैयार है। सोनिया को संगठनात्मक रूप से पार्टी मजबूत करने के लिए सही लोगों को सही स्थान पर बिठाना होगा। कार्यकर्ताओं व नेताओं में गुटबाजी व्याप्त है। उनको मजबूत महासचिव नियुक्त करने होंगे जो चुनावी तैयारियों पर नजर रख सकें। यदि पार्टी केवल एक राज्य में ही चुनाव जीते ले तो इससे कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ जाएगा।

तीसरा, सोनिया को पार्टी को एकजुट रखना होगा। वरिष्ठ नेता अब तक इसे संचालित करते रहे हैं, ऐसे में उनको सुनिश्चित करना होगा कि निराश नौजवानों को उचित स्थान दिया जाए, ताकि वे पार्टी छोड़कर न जाएं। अफवाह है कि कुछ युवा नेताओं की भाजपा से बातचीत चल रही है। सोनिया को उनको समझाकर पार्टी में बनाए रखना तथा महत्व देना होगा। चौथा, पार्टी में विघटन रोकना आवश्यक है। 1998 में सीमाराम केसरी से दायित्व ग्रहण करते समय सोनिया ऐसा करने में सफल रही थीं। उन्होंने यह काम ऐसे समय पर किया था जब पार्टी विपक्ष में थी और अनेक वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ रहे थे। आज वही परिदृश्य सामने है। संजय सिंह व भुवनेश्वर कलिता जैसे नेता भाजपा में शामिल हो गए हैं। अधिकांश राज्यों में अन्य नेता भी पार्टी छोड़ सकते हैं। इनमें महाराष्ट्र, गोवा और तेलंगाना शामिल हैं। ये नेता डूबता जहाज छोड़कर भाग रहे हैं। ऐसे में, सवाल उठता है कि क्या सोनिया गांधी उनको रोक सकेंगी?

पांचवां, उन्हें कांग्रेस को ऐसी स्थिति में लाना होगा कि वह भाजपा को चुनौती दे सके। इसके लिए, उनको पार्टी का स्वरूप बदलना होगा। पहले पंचमढ़ी व शिमला में विचार मंथन शिविर के माध्यम से वो पार्टी नेताओं के बीच ऐसा करने में सफल हुईं थीं। 2019 चुनाव में पार्टी की अपमानजनक पराजय के बाद आज इसकी विशेष आवश्यकता है। पार्टी को आत्मावलोकन कर उचित परिवर्तन करने होंगे।

छठा, उनको अपने बच्चों की भूमिकाएं निर्धारित करनी होंगी, नहीं तो सत्ता के तीन केंद्र बन जाएंगे। राहुल गांधी ने कहा था कि वो पार्टी के लिए काम करते रहेंगे। प्रियंका गांधी पहले ही उत्तर प्रदेश से महासचिव हैं, पर वो केवल महासचिव नहीं हैं, क्योंकि अपनी मां तक उनकी सीधी पहुंच है।

सातवां, सोनिया को अपनी गठबंधन रणनीति पर पुन: काम करना होगा, खासकर उन राज्यों में जहां कांग्रेस कमजोर हैं वहां छोटे व क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन अवश्य करना चाहिए। पार्टी को समझ लेना चाहिए कि स्थिति सुधारने का यही एकमात्र रास्ता है। महत्वपूर्ण है कि पार्टी अपने पुनर्गठन पर ध्यान देते हुए मतदाताओं से पुन: जुड़ने का काम करे। 2019 के चुनाव में कांग्रेस को 17 राज्यों में एक भी सीट नहीं मिली है। पिछले पांच वर्षों में भाजपा ने अपना आधार लगातार बढ़ाया है और वह उन राज्यों में भी विजयी हुई है जहां पहले कभी नहीं थी। इस प्रकार, वह कांग्रेस को किनारे हटाकर राष्ट्रीय राजनीति का प्रमुख ध्रुव बन गई है।

कांग्रेस को उत्तरी व पूर्वी राज्यों में पुनर्गठन की नई योजना बनानी होगी। 2024 के लोकसभा चुनाव के अभी पांच साल बाकी हैं। हालांकि, इस बीच विधानसभा चुनाव भी महत्वपूर्ण होंगे। पार्टी को इसके लिए मिशनरी भाव से काम करना होगा। इसके लिए सोनिया गांधी को अच्छी टीम चाहिए। हालांकि, निकटस्थ दरबारी सत्ता की सभी सीटों पर कब्जा करना चाहेंगे, लेकिन उनको अपनी प्रमुख टीम में वरिष्ठों व नौजवान कांग्रेस नेताओं को समुचित स्थान देना होगा। यह सारा काम बहुत तेजी से करना होगा क्योंकि आगामी विधानसभा चुनावों में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है।

## आप की बात

### प्रियंका पर टिकी उम्मीद

**अंतत:** कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा सोनिया गांधी को पुन: कांग्रेस अध्यक्ष पद सौंपे जाने से यह जाहिर होता है कि विलंब इसलिए हुआ क्योंकि शायद स्वयं गांधी परिवार में इस पर कोई सहमति नहीं है। प्रियंका पार्टी की जिम्मेदारी संभालने के खिलाफ नहीं हैं, पर सोनिया गांधी अपने बेटे को इस्तीफा वापस लेने के लिए मना रही थीं। पार्टी के लिए यह कठिन समय है क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में अपमानजनक पराजय के बाद वो पूर्णत: हतोत्साहित है। कोई संगठन या दूसरे दर्जे के नेता नहीं हैं और कोई रणनीति भी नहीं है। ऐसे में प्रियंका को बताना होगा कि वर्तमान समय में कांग्रेस किस पक्ष में खड़ी है। उनको एक नई टीम बनाने के साथ वरिष्ठ लोगों को खुश करना होगा जो उनके प्रति आशंकित हैं। महाराष्ट्र, झारखंड व हरियाणा जैसे राज्यों में कुछ ही महीनों में चुनाव होने हैं, पर पार्टी अभी गुटबाजी व अनुशासनहीनता का शिकार है। उसे अनेकानेक मुद्दों का समाधान करना है। हालांकि, प्रियंका भीड़ को आकर्षित करने वाली करिश्माई नेता हैं, पर वर्तमान समय जैसे कठिन समय में पार्टी संचालित करने का उनको पहले से कोई अनुभव नहीं है।

– **राजन तिवारी**, रायबरेली

### सदन में सरकार की जल्दबाजी

**हाल** ही में समाप्त हुए संसद के सत्र में सरकार ने विधेयकों को पारित करने में काफी जल्दी दिखाई। विपक्षी सांसदों का दावा है कि प्रस्तावित विधेयकों को इतनी जल्दबाजी में पेश किया जा रहा है कि उन पर विचार, सवाल व संशोधन का समय बहुत कम है और बिना सहमति के उनको जल्दबाजी में पास किया जा रहा है। सूचना अधिकार अधिनियम इसका पहला शिकार बना है। सरकार इसकी तथा इसके द्वारा गठित संस्थान की प्रभावशीलता कम कर रही है ताकि जवाबदेही पर कुछ आलोचनाओं से बचा जा सके। नया आरटीआई सूचना आयुक्तों को उन विशेष संरक्षणों से वंचित करता है जो अब तक सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों तथा चुनाव आयुक्तों के समकक्ष हैं। इससे उनकी सेवा, रिकार्ड, कार्यकाल और वेतन सरकार या कार्यपालिका के विवेकाधीन हो जाएंगे। प्रभावी रूप से इसका अर्थ उनको हानिरहित बनाना है ताकि सरकार अपने अनुपयुक्त पाने पर उनको हटा सकती है। वैसे निर्णय जल्दी लेना बेहतर होता है कि मगर सदन में पर्याप्त चर्चा भी आवश्यक होती है। सरकार जन समर्थन व बहुमत का काफी लाभ उठा रही है मगर ध्यान रखना होगा कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अनदेखी न हो।

– **अवधेश पाल सिंह**, प्रयागराज

### शिक्षा में मूल्यों का समावेश

**शिक्षा** का उद्देश्य सदैव बीतते समय के साथ परिवर्तनशील रहा है। प्राचीन काल के दौरान चरित्र निर्माण से होकर ज्ञानार्जन व वर्तमान में जीवकोपार्जन तक शिक्षा का अपना उद्देश्य रहा है। विस्तृत रूप से शिक्षा का उद्देश्य शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास होना चाहिए न कि ज्ञानार्जन, जीवकोपार्जन या फिर केवल चरित्र निर्माण। निश्चित रूप से वर्तमान समय में शिक्षा के प्रतिशत में वृद्धि हुई है। शिक्षा के साथ हमारे संस्कार भी बने रहें प्रयास इस बात का भी किया जाना चाहिए। ऐसी शिक्षा पूर्णतय: व्यर्थ है जो हमें संस्कार न सिखाती हो। संस्कार ही हमें आपस में प्रेम करना, ईमानदार, प्रेम भावना, मृदभाषी होना सिखाते हैं। संस्कारों का महत्व शिक्षा तो से भी बढ़कर होता है क्योंकि संस्कार हस्तांतरणीय होते हैं। भारतीय संस्कृति व परम्पराओं को बनाए रखने के लिए हमारी जिम्मेदारी बनती है कि आने वाली पीढ़ी को हम संस्कार सिखाएं। अंतत: हम यह कह सकते हैं कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का अपना विशेष महत्व हैं।

– **अवनीश वर्मा**, कानपुर

**पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से**
**responsemail.hindipioneer@gmail.com**
**पर भी भेज सकते है।**

## फरमाया

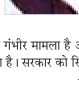

**अब** तक हमारी नाभिकीय रणनीति 'प्रथम प्रयोग नहीं' है। भविष्य परिस्थितियों पर निर्भर है।

– **राजनाथ सिंह**
केन्द्रीय मंत्री

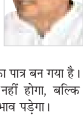

**यह** बहुत गंभीर मामला है और इसे अस्पष्ट नहीं रखा जा सकता है। सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

– **अभिषेक मनु सिंघवी**
कांग्रेस प्रवक्ता

**पाकिस्तान** दुनिया भर में हंसी का पात्र बन गया है। इससे भारत को कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि पाकिस्तान पर ही हानिकारक प्रभाव पड़ेगा।

– **राम माधव**
भाजपा महासचिव

# तुष्टीकरण की राजनीति विकास के मार्ग में बाधक : अमित शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

**भाजपा** के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को तुष्टिकरण की राजनीति को विकास एवं सामाजिक समरसता के मार्ग में बाधक बताया। शाह ने कहा कि कोई भी कुप्रथा हो, जब उसे निर्मूल किया जाता है तो उसका विरोध नहीं होता बल्कि उसका स्वागत होता है लेकिन तीन तलाक कुप्रथा को हटाने के खिलाफ इतना विरोध हुआ। इसके लिए तुष्टिकरण की राजनीति, उसका भाव जिम्मेदार है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दलों के वोट बैंक के आधार पर सालोंसाल तक सत्ता में आने की आदत के कारण देश में तीन तलाक जैसी कुप्रथाएं चलती रहीं। इस देश के विकास और सामाजिक समरसता के आड़े भी तुष्टिकरण की राजनीति आई है।

तीन तलाक की समाप्ति : एक ऐतिहासिक गलती में सुधार विषय पर अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा, जो राजनीति 60 के दशक के बाद कांग्रेस ने शुरू की और बाकी दलों ने भी उसका अनुसरण किया, उसका असर देश के लोकतंत्र, सामाजिक जीवन और गरीबों के उत्थान पर पड़ा है। 2014 में इस देश की जनता ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को पूर्ण बहुमत देकर तुष्टिकरण की राजनीति के अंत की शुरूआत कर दी। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति सामाजिक समरसता और देश के विकास के आड़े भी आई है। इसके पक्ष में बात करने वाले कई तरह के तर्क देते हैं। उसके मूल में वोटबैंक की राजनीति और शॉर्टकट लेकर सत्ता हासिल करने की राजनीति है। उन्होंने कहा कि जो अभाव में जी रहा है, जो गरीब-पिछड़ा, वो किसी भी धर्म का हो। विकास के दौर में जो पिछड़ गया है, उसे ऊपर उठाओ, अपने आप समाज सर्वस्पर्शी-सर्वसमावेशी मार्ग पर आगे बढ़ जाएगा। शाह ने कहा कि बगैर तुष्टिकरण यह सरकार समविकास, सर्वस्पर्शी विकास, सर्वसमावेशी विकास के आधार पर पांच साल चली। इसी थ्योरी पर 2019 में इस देश की जनता ने तुष्टिकरण से देश को हमेशा के लिए मुक्त करने के लिए दोबारा नरेन्द्र मोदी को जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि इसी बहुमत के आधार पर भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार ने तीन तलाक की कुप्रथा को खत्म करने का काम किया है।

नदिया (पश्चिम बंगाल) में स्वतंत्रता दिवस पर मछुआरों ने अपनी नावों को भारतीय झण्डों से सजाया, उल्लेखनीय है कि इसे 15 अगस्त 1947 के तीन दिन बाद आजादी मिली थी

## मोदी-शाह कृष्ण और अर्जुन की तरह : शिवराज

एजेंसी। पणजी

**भाजपा** के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान ने अनुच्छेद-370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को खत्म करने के केंद्र के फैसले के लिए रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की तुलना भगवान कृष्ण और अर्जुन से की। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को राणछोड़ दास गांधी करार दिया, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में मिली शिकस्त के बाद पार्टी को परित्यक्त कर दिया है, जब वह सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही है।

जम्मू-कश्मीर पर केंद्र के फैसले को लेकर मोदी और शाह की प्रशंसा करते हुए चौहान ने कहा, देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। वे कृष्ण और अर्जुन की तरह देश को आगे ले जाने में व्यस्त हैं। कांग्रेस के अनुच्छेद-370 पर भ्रमित होने का दावा करते हुए उन्होंने पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से इस मुद्दे पर बयान जारी करने की मांग की। चौहान ने यहां अयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के केंद्र के ऐतिहासिक फैसले पर कांग्रेस नेता अलग-अलग सुर में बोल रहे हैं, जबकि सोनिया गांधी इस मामले पर चुप हैं। कांग्रेस इस बात को लेकर भ्रमित है कि आखिर केंद्र के फैसले पर किस तरह की प्रतिक्रिया दी जाए।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोवा की राजधानी में पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करने आए हैं। जम्मू-कश्मीर पर केंद्र के फैसले का ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कांग्रेस के कुछ नेताओं ने समर्थन किया जबकि पार्टी ने संसद में राज्य पुनर्गठन विधेयक का विरोध किया था। हालांकि, पार्टी ने बाद में कहा कि जिस तरह से विधेयक को सत्तारूढ़ दल की ओर से संसद में पेश किया गया वह उसके खिलाफ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, चूंकि कांग्रेस के कई नेता इस मुद्दे पर अलग-अलग सुर में बोल रहे हैं, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने अबतक इस मुद्दे पर कुछ नहीं कहा है। ऐसे में मैं सोनिया गांधी जी से मांग करता हूं कि वह बयान जारी कर इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करें।

उन्होंने कहा कि वह राहुल गांधी से इस मुद्दे पर किसी बयान की उम्मीद नहीं करते हैं। कांग्रेस की बागडोर एक बार फिर सोनिया गांधी को देने पर उन्होंने कहा कि पार्टी यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि संगठन पर एक ही परिवार का एकाधिकार कमजोर न हो। चौहान ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की गलत नीतियों को जम्मू-कश्मीर और पूर्व पुर्तगाली उपनिवेश गोवा के लोगों की पीड़ा के लिए जिम्मेदार ठहराया।

## श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के मछुआरों का पीछा किया

**रामेश्वरम( तमिलनाडु ), ( एजेंसी )।** कच्चाथीवु के निकट मछली पकड़ने के दौरान यहां के लगभग दो हजार मछुआरों को श्रीलंका की नौसेना ने कथित रूप से धमकाया और उनका पीछा किया। मछुआरा संघ के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। तमिलनाडु तटीय यंत्रीकृत मछुआरा संघ के अध्यक्ष पी सेसुराजा ने बताया कि श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने 200 से अधिक नौकाओं में जीपीएस संचार उपकरण और मछली पकड़ने के जाल को कथित तौर पर नष्ट कर दिया।

उन्होंने बताया कि 700 से अधिक यंत्रीकृत नौकाओं में शनिवार को मछुआरे समुद्र में उतरे थे। वे कच्चाथीवु तथा धनुषकोडी के बीच समुद्र में मछली पकड़ रहे थे। उन्होंने बताया कि श्रीलंकाई नौसेना के जवान शनिवार की रात लगभग 11 बजे सात गश्ती नौकाओं से आए और उन्होंने मछुआरों को धमकी दी।

## लद्दाख के प्रमुख नेताओं ने केंद्र से आदिवासी क्षेत्रों की रक्षा करने को कहा

एजेंसी। लेह

**लद्दाख** के प्रमुख नेताओं ने संविधान की छठी अनुसूची के तहत इस क्षेत्र को एक आदिवासी क्षेत्र घोषित करने की केन्द्र से गुहार लगाते हुए कहा कि यहां के लोगों की सबसे बड़ी चिंता अपनी जमीन और पहचान की रक्षा करना है। स्थानीय लोगों ने हालांकि केन्द्र के अनुच्छेद 370 के प्रावधान हटाने के फैसले का स्वागत किया है, लेकिन उन्हें डर है कि बाहरी लोगों के यहां आने से इस क्षेत्र की जनसांख्यिकी में बदलाव आएगा, जिससे उनकी संस्कृति एवं पहचान को खतरा पैदा होगा। लद्दाख के सांसद जमयांग सेरिंग नामग्याल ने जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा को एक ज्ञापन में कहा कि यह मुख्य रूप से आदिवासी क्षेत्र है, जहां 98 प्रतिशत आबादी आदिवासी है। भाजपा सांसद ने शनिवार को यहां नौ दिवसीय आदि महोत्सव के शुभारंभ पर कहा, लद्दाख को केन्द्र शासित प्रदेश घोषित करने के केन्द्र के फैसले के बाद आदिवासी आबादी की सबसे बड़ी चिंता अपनी पहचान, संस्कृति, भूमि और अर्थव्यवस्था की रक्षा करना है। नामग्याल ने मुंडा से अपील की कि संविधान की छठी अनुसूची के तहत इसे आदिवासी क्षेत्र घोषित करके लोगों के हितों की रक्षा करें। अनुच्छेद 244(2) और 275(1) के आधार पर, छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में स्वायत्तशासी जिले और क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना के बाद जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के गठन की अनुमति देती है। नामग्याल ने कहा, मैं आपसे अपील करता हूं कि गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष लद्दाख की जनसांख्यिकी और संस्कृति की रक्षा के लिए हमारा प्रतिनिधित्व करें।

लेह में आदि महोत्सव में कलाकारों के साथ भाजपा सांसद जमयांग सेरिंग नामग्याल

## उच्चतम न्यायालय के जज ने मुकदमे से पहले मध्यस्थता पर दिया जोर

**नागपुर ( एजेंसी )।** उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश शरद बोबड़े ने मुकदमा दायर करने से पूर्व मध्यस्थता की जरूरत और लोगों को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए कानूनी सहायता प्रणाली की भूमिका पर जोर दिया। वह यहां 17वें अखिल भारतीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में शनिवार को बोल रहे थे। न्यायमूर्ति बोबड़े ने कहा कि अप्रैल 2017 से मार्च 2018 के बीच मध्यस्थता के जरिए l,07,587 मामले निपटाए गए

गुजरात में हाल ही में एक दिन में 24,000 मामले निपटाए गए। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ने कहा, मध्यस्थता करने पर हमारा जोर है। इसलिए हम मुकदमे से पूर्व मध्यस्थता करने की अनिवार्यता पर विचार कर रहे हैं जो केवल वाणिज्यिक विवादों तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में विधि विश्वविद्यालयों में मध्यस्थता में डिग्री, डिप्लोमा पाठ्यक्रम होने चाहिए।

बेंगलुरु के एक रेस्टोरेंट में रोबट्स ने संभाला वेटर का काम

## लोगों को नेताजी के लापता होने के बारे में जानने का अधिकार: ममता

एजेंसी। कोलकाता

**पश्चिम** बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि लोगों को यह जानने का अधिकार है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस को क्या हुआ था। बनर्जी ने यह बात माटी के लाल नेताजी को ऐसे दिन याद करते हुए कही जिस दिन वह 74 वर्ष पहले लापता हो गए थे। बनर्जी ने कहा कि 18 अगस्त 1945 को लापता होने के बाद नेताजी कहां गए? यह अभी तक पता नहीं है। उन्होंने ट्वीट किया, इसी दिन 1945 में नेताजी ताइवान के ताईहोकू हवाई अड्डे से एक विमान में सवार हुए थे और हमेशा के लिए लापता हो गए। हमें अभी भी नहीं पता कि उन्हें क्या हुआ। लोगों को माटी के लाल के बारे में जानने का अधिकार है।

कई रपटों में दावा किया गया है कि नेताजी ताइवान के ताईहोकू हवाई अड्डे से एक विमान में सवार हुए थे जो कि दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें महान नेता की मृत्यु हो गई। यद्यपि उनकी मृत्यु के बारे में कोई पुष्टि नहीं है क्योंकि विशेषज्ञ उनके लापता होने के बारे में विभिन्न दावे लेकर आए। केंद्र ने समय-समय पर नेताजी की मृत्यु या लापता होने से संबंधित रहस्यों पर प्रकाश डालने के लिए कई समितियों का गठन किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिल पाया। इन समितियों में 1956 में शाह नवाज समिति, 1970 में खोसला आयोग और 2005 में मुखर्जी आयोग शामिल है। एक सितम्बर 2016 को नरेंद्र मोदी सरकार ने जापानी सरकार की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जिसमें यह निष्कर्ष निकला था कि बोस की ताइवान में विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

## भारत के 42 धरोहर स्थल यूनेस्को की संभावित धरोहरों की सूची में

एजेंसी। नई दिल्ली

**भारत के** 42 धरोहर स्थल काफी लंबे समय से यूनेस्को की धरोहर सूची में शामिल किए जाने का इंतजार कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अब सरकार यूनेस्को के मापदंडों सहित इन धरोहरों का तुलनात्मक अध्ययन कराएगी ताकि इन्हें जल्द वैश्विक सूची में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सके। इन धरोहर स्थलों को यूनेस्को की संभावित धरोहरों की सूची में तो शामिल किया गया है लेकिन पूर्ण रूप से वैश्विक धरोहर के रूप में मान्यता अभी तक नहीं मिली है।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के भारत में संभावित धरोहरों की सूची में पश्चिम बंगाल का विष्णुपुर मंदिर, केरल के कोच्चि स्थित मात्तानचेरी पैलेस, मध्यप्रदेश के मांडू स्थित ग्रुप आफ मॉन्यूमेंट और उत्तर प्रदेश के वाराणसी के सारनाथ स्थित प्रचीन बौद्ध स्थल साल 1998 से यूनेस्को की संभावित विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं हालांकि अब तक पूर्ण रूप से विश्व धरोहर की मान्यता नहीं मिली है। यूनेस्को के विश्व धरोहर की संभावित सूची के बारे में पूछे जाने पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कहा कि यह सही है कि यूनेस्को की संभावित या अस्थाई धरोहरों की सूची में करीब 50 धरोहर हैं। ये यूनेस्को के मानदंडों को पूरा करते हैं। हमने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से कहा है कि इन मानदंडों के तहत इन स्थलों का तुलनात्मक अध्ययन करे।

उन्होंने कहा कि हमें अपने धरोहर स्थलों का विकास करना है ताकि एक तरफ पर्यटन को बढ़ावा मिल सके और दूसरी तरफ दुनिया हमारी समृद्ध संस्कृति से रूबरू हो सके। पटेल ने कहा कि धरोहर स्थल संभावित सूची में शामिल होने के एक साल बाद ही स्थाई सूची में शामिल होने के पात्र बनते हैं और इस दृष्टि से हम अपनी धरोहरों पर काम करने जा रहे हैं। यूनेस्को के संभावित धरोहरों की सूची में भारतीय धरोहरों में पंजाब के अमृतसर स्थित श्री हरमंदिर साहिब और असम में ब्रह्मपुत्र नदी की मुख्यधारा से लगे माजुली द्वीप साल 2004 से ही शामिल है। वहीं, नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान और लिटिल रन आफ कच्छ का वाइल्ड एस सैंचुरी साल 2006 से संभावित सूची में तथा नेउरा वैली नेशनल पार्क और डेजर्ट नेशनल पार्क साल 2009 से यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल है। सिल्क रोड साइट्स इन इंडिया, शांति निकेतन, चारमिनार, कुतुबशाही मकबरा, गोलकोंडा किला तथा कश्मीर का मुगल गार्डन 2010 से यूनेस्को की संभावित धरोहरों में शामिल है।

## कमलनाथ सरकार से नाराज देव मुरारी बापू ने खुदकुशी करने की दी धमकी

**भोपाल ( एजेंसी )।** मध्यप्रदेश में कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा संतों की विभिन्न मांगों को ठुकराए जाने से नाराज होकर वृंदावन के संत आचार्य देव मुरारी बापू ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बापू ने कहा कि वह सोमवार को यहां मुख्यमंत्री निवास के सामने आत्महत्या करेंगे। वह सरकार से अपने लिए मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड में एक पद की मांग भी कर रहे हैं। कथा वाचक बापू ने यहां रविवार को प्रेस कांफ्रेंस करने के बाद बताया, मैंने पिछले साल नवंबर में मध्यप्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को समर्थन देकर उसके पक्ष में प्रचार किया था। संतों के समर्थन के बिना मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार नहीं बन सकती थी। लेकिन कांग्रेस सरकार हमारी बात नहीं सुन रही है। उन्होंने कहा, मैंने कमलनाथ से मांग की थी कि 15 अगस्त तक मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड में मेरी नियुक्ति की जाए, ताकि मैं गौ सेवा कर सकूं।

## जब रात गहराती है, कश्मीर को सुरक्षित रखने के लिए जागे रहते हैं जवान

एजेंसी। श्रीनगर

**कश्मीर में** कानून व्यवस्था की स्थिति सुनिश्चित रखने के लिए अपने घरों से सैकड़ों किलोमीटर दूर तैनात अर्धसैनिक बलों के जवान सुबह से शाम तक और शाम से सुबह तक हर समय चौकन्ने रहते हैं। जवानों को विषम परिस्थितियों में काफी लंबी ड्यूटी करनी पड़ती है, लेकिन कश्मीर में अमन-चैन के लिए वे इसे पूरे मनोवेग से अंजाम देते हैं। रात में जब लोग सो रहे होते हैं तो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान उस समय जाग रहे होते हैं। रात के सन्नाटे में सड़कों पर उनके कदमों की आहट सुनी जा सकती है। हाथों में लाठियां लिए ए जवान कश्मीर के मुख्य शहर में गड़बड़ी के किसी संकेत को लेकर बेहद चौकन्ने रहते हैं। इन जवानों का समय श्रीनगर और समूची कश्मीर घाटी में हर रोज कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने और जगह-जगह स्थापित नाकों पर जांच तथा तलाशी में निकलता है। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाने और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने के केंद्र के पांच अगस्त के फैसले के मद्देनजर लगाई गई पाबंदियों में सप्ताहांत ढील दी गई। अधिकारियों ने कहा कि रात के समय जवानों के लिए चुनौतियां और बढ़ जाती हैं, लेकिन वे हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहते हैं। सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट संजीव यादव और सहायक कमांडेंट भानुशेखर उन अधिकारियों में शामिल हैं जो समूचे शहर में पूरी रात अकसर गश्त करते रहते हैं। यादव उत्तर प्रदेश और भानुशेखर बिहार के रहने वाले हैं।

डल झील के आसपास अंदरूनी क्षेत्रों में अपनी टीम के साथ गश्त कर रहे यादव ने कहा, उपचार से सावधानी बेहतर है। यादव ने कहा कि बात सिर्फ गश्त की नहीं है। अर्धसैनिक बल के जवान के लिए दिन की शुरुआत काफी पहले हो जाती है क्योंकि सुबह की तैनाती सूर्य निकलने से पहले करनी होती है। यह पता लगाने के लिए विशेष सावधानी बरतनी होती है कि कहीं आतंकवादियों ने आईईडी न लगा दिए हों। केंद्र के पांच अगस्त के फैसले के बाद समूचे शहर, खासकर उन संवेदनशील इलाकों में अवरोधक लगा दिए गए जहां सुरक्षाबलों पर अकसर पथराव होता है। अधिकारियों ने बताया कि अर्धसैनिक बलों की 24 घंटे तैनाती की रणनीति का परिणाम यह निकला कि पथराव की घटनाएं सीमित होकर मुहल्ला स्तर तक रह गई हैं। श्रीनगर के सेकिदाफर क्षेत्र के पास सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की तैनाती है। इसके सहायक उपनिरीक्षक पुरुषोत्तम कुमार ने कहा कि जहां वह तैनात हैं, वह नाका चार और पांच अगस्त की दरम्यानी रात स्थापित किया गया।

श्रीनगर में शनिवार-रविवार की रात में तैनात सीआरपीएफ के जवान

# फोन टैपिंग मामले में जांच को तैयार: कुमारस्वामी

एजेंसी। बेंगलुरु

**कर्नाटक** के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कथित फोन टैपिंग मामले की सीबीआई जांच कराने की भाजपा सरकार की घोषणा पर रविवार को कहा कि वह किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी तक से जांच के लिए तैयार है। राज्य के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने पिछली जद (एस)- कांग्रेस गठबंधन सरकार के समय के कथित फोन टैपिंग मामले की सीबीआई जांच की घोषणा की है। फोन टैपिंग के आरोपों को पहले ही खारिज कर चुके कुमारस्वामी ने यहां पत्रकारों से कहा, उन्हें कोई भी जांच कर लेने दीजिए, चाहे वह सीबीआई जांच हो या किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी से हो, या उन्हें ट्रंप (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प) से बात करने दें, और उनकी ओर से किसी के जरिए पूछताछ करने दें।

कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्धरमैया ने सीबीआई जांच का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि भाजपा राजनीतिक बदले की भावना से केन्द्रीय जांच एजेंसी का इस्तेमाल नहीं करेगी।

इस बीच, कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा कि टेलीफोन टैपिंग एक झूठ है और नफरत की राजनीति के लिए एक साजिश है। कांग्रेस इस विषय पर बंटी हुई दिखाई दे रही है। जद (एस) के नेता कुमारस्वामी ने इस मुद्दे के कवरेज को लेकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका कोई कुछ नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा, मैं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आचरण को देखता आ रहा हूं, उसका इरादा और प्रयास राज्य की राजनीति में कुमारस्वामी को लोगों से दूर रखना है। वे इसमें सफल नहीं होंगे।

कुमारस्वामी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि फोन टैपिंग मामले से उनका नाम क्यों जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा, यदि मैं इसमें शामिल होता तो मैं घबरा जाता,... मुझ पर अंगुली उठाए जाने के लिए कुछ भी नहीं है। विधानसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य करार दिए गए जद (एस)

विधायक ए एच विश्वनाथ ने पिछले सप्ताह एच डी कुमारस्वामी की सरकार पर फोन टैप करने और उनके समेत 300 से अधिक नेताओं की जासूसी कराने के आरोप लगाए। एदियुरप्पा ने यह घोषणा की है। विश्वनाथ जद (एस) के प्रदेश प्रमुख रह चुके हैं और बाद में वह बागी हो गए। पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार सहित भाजपा के कई नेताओं ने इस प्रकरण (फोन टैपिंग) के पीछे कुमारस्वामी के सीधे तौर पर मौजूद रहने का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि विधायकों की बगावत का सामना करने के दौरान कुमारस्वामी ने अपनी सरकार बचाने के लिए ऐसा किया था।

कुमारस्वामी नीत गठबंधन सरकार के दौरान सिद्धरमैया के करीबी लोगों के फोन कॉल सरकार के निगरानी के दायरे में थे। सिद्धरमैया उस वक्त गठबंधन समन्वय समिति के प्रमुख थे। एदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि वह कांग्रेस के कई नेताओं की मांग पर इन आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश देंगे। सिद्दरमैया, एम. मल्लिकार्जुन खड़गे और गठबंधन सरकार में गृह मंत्री रहे एम बी पाटिल समेत कांग्रेस नेताओं ने जांच की मांग की है, जबकि पार्टी के एक अन्य अहम नेता और पूर्व मंत्री डी के शिवकुमार ने आरोपों को खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद रविवार को सिद्धरमैया ने ट्वीट किया, मैं फोन टैपिंग मामला सीबीआई को सौंपने के एदियुरप्पा के फैसले का स्वागत करता हूं। लेकिन भाजपा ने अतीत में राजनीतिक प्रतिशोध के लिए कठपुतली की तरह सीबीआई का इस्तेमाल किया है। उम्मीद है कि भाजपा कर्नाटक के नेताओं की इस तरह की कोई मंशा नहीं होगी। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि कर्नाटक में ऑपरेशन कमल से जुड़े आरापों का जिक्र करते हुए कहा कि यह फोन टैपिंग के आरोपों की तरह ही गंभीर है।

मैं बीएसवाई बीजेपी से कथित ऑपरेशन कमल की भी सीबीआई जांच कराए जाने का अनुरोध करता हूं। मैंने सुना है कि उन्होंने फोन टैपिंग मामले में मेरी सलाह पर कार्वाई की है और मुझे उम्मीद है कि वह इस मुद्दे पर भी कार्वाई करेंगे। प्रदेश कांग्रेस ने एक ट्वीट में फोन टैपिंग को झूठ करार दिया और इसे नफरत की राजनीति के लिए एक साजिश बताया। कांग्रेस ने एक ट्वीट में आरोप लगाया कि पिछले दरवाजे से ऑपरेशन कमल द्वारा अनैतिक तरीके से मुख्यमंत्री बनने के बाद एदियुरप्पा एक भूमिगत अपराधी की तरह व्यवहार कर रहे है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता आर अशोक ने फोन टैपिंग जांच को लेकर कांग्रेस में मतभेदों को लेकर आश्चर्य व्यक्त किया।

मुंबई में भारत रत्न लता मंगेशकर को उनके आवास पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए

## कोविंद ने मुंबई में लता मंगेशकर से मुलाकात की

**मुंबई।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मशहूर गायिका और भारत रत्न से सम्मानित लता मंगेशकर से रविवार को दक्षिण मुंबई में उनके घर में मुलाकात की और उन्हें अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। कोविंद राज भवन में भूमिगत बंकर म्यूजियम का उद्घाटन करने शहर में आए हुए थे। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, लता मंगेशकर जी से मुंबई में उनके आवास पर मिलकर प्रसन्न हूं। उन्हें अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दीं। भारत का गौरव लता जी ने अपने भावपूर्ण मधुर संगीत से हमारी जिंदगियों में मिठास भर दी। वह अपनी सादगी और इनायत से हमें प्रेरित करती रही हैं। इसके जवाब में 89 वर्षीय गायिका ने ट्वीट किया, नमस्कार, हमारे देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी जब आत्मीयता से आए और मेरे आवास पर मुझसे मुलाकात की तो मैंने काफी सम्मानित महसूस किया। मैं आभारी हूं। सर, आपने हमें गौरवान्वित किया।

## बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दावों के निपटान में तेजी लाएं बीमा कंपनियां

एजेंसी। नई दिल्ली

**वित्त मंत्रालय** ने बीमा कंपनियों से कर्नाटक, महाराष्ट्र और केरल समेत बाढ़ प्रभावित विभिन्न राज्यों में बीमा धारकों के दावों के निपटान प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि मंत्रालय ने बीमा कंपनियों से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना समेत विभिन्न पॉलिसी के तहत दावों का निपटान शीघ्रता से करने को कहा है।

बाढ़ के कारण कई राज्यों में जानमाल के नुकसान की खबर है। बीमा नियामक इरडा ने जीवन बीमा कंपनियों को भेजे पत्र में कहा है कि भारी बारिश और बाढ़ के कारण कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में जानमाल के नुकसान की रिपोर्ट है।

बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों से कहा, इससे जुड़े दावों के यथाशीघ्र निपटान सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। इरडा ने लोगों की मौत के मामलों में जहां मृतक का शरीर नहीं मिलने के कारण मृत्यु प्रमाणपत्र प्राप्त करने में समस्या है, बीमा कंपनियों से 2015 में चेन्नई बाढ़ में अपनाई गई प्रक्रिया का पालन करने को कहा है।

साथ ही बीमा कंपनियों से दावों के निपटान के बारे में साप्ताहिक आधार पर राज्यवार प्रगति रिपोर्ट देने को कहा। इरडा ने साधारण बीमा कंपनियों तथा स्वास्थ्य बीमा कंपनियों से भी दावों के निपटान में तेजी लाने को कहा है। उन कंपनियों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि दावों के बारे में सर्वे तत्काल हों और उसका वितरण यथाशीघ्र किया जाए।

## भाजपा में जा सकते हैं महाराष्ट्र विधानपरिषद सभापति निंबालकर

**मुम्बई।** राकांपा के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र विधानपरिषद के सभापति रामराजे निंबालकर विधानसभा चुनाव से पहले विधानसभा में राधाकृष्ण विखे पाटिल के कदमों पर चलते हुए भाजपा में शामिल हो सकते हैं। एक नजदीकी सहयोगी ने रविवार को कहा कि निंबालकर यदि भाजपा में जाते हैं तो इसका कारण सतारा से राकांपा सांसद उदयनराजे भोसले के साथ चल रहे उनके टकराव को माना जा सकता है। निंबालकर सतारा जिले के फलटन तालुका के एक शाही परिवार से आते हैं जबकि भोसले छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज हैं। यह भी उम्मीद है कि निंबालकर पार्टी बदलने के बाद भी विधानपरिषद के सभापति पद पर बने रहें। भोसले के छोटे भाई शिवेंद्रराजे पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं। उन्हें पश्चिमी महाराष्ट्र जिले की जावली सीट से उम्मीदवार बनाने की अटकलें हैं। राकांपा संरक्षक शरद पवार के सुलह कराने के प्रयासों के बावजूद निंबालकर और भोसले ने सार्वजनिक मंचों पर एकदूसरे की आलोचना करना जारी रखा। विधानसभा चुनाव इस वर्ष सितम्बर..अक्टूबर में होने की संभावना है। विखे पाटिल इस वर्ष जून में देवेंद्र फडणवीस नीत सरकार में आवास मंत्री बनाए जाने के बाद आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल हुए।

## असम समझौते से राज्य में असहमति और मतभेद उत्पन्न हुए

**नई दिल्ली।** 1985 के असम समझौते से राज्य में स्थाई शांति नहीं आई और ऐसा लगता है कि इससे केवल असहमति और मतभेद उत्पन्न हुए। यह दावा एक नई पुस्तक में किया गया है। संगीता बरुआ पिशरोती ने अपनी पुस्तक असम: द अकॉर्ड, द डिस्कॉर्ड में दावा किया है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और असम आंदोलन के नेताओं के बीच हुए समझौते ने राज्य की राजनीति को दूषित किया और उग्रवाद को बढ़ाया। पिशरोती कहती हैं, आम लोग अजीब स्थिति में फंसे थे, उन्हें नहीं पता कि कौन शत्रु है, कौन मित्र..। पिशरोती का कहना है कि असम की कहानी बहुत पुरानी है जिसमें हर एक व्यक्ति समय के साथ एकदूसरे की नजर में पीड़ित और अपराधी बना। पिशरोती का कहना है कि उन्होंने जितना संभव हो उनके तथ्य प्रस्तुत करने का प्रयास किया है जिससे रुचि रखने वाला पाठक असम की कहानी की जटिलताओं को समझ सके।

पिशरोती को इसका दुख है कि भारत में मुख्यधारा के आख्यान में असम शायद ही कभी शामिल हुआ हो, खासकर जब दो महत्वपूर्ण घटनाक्रमों..विभाजन और आपातकाल..की बात होती है जिसने आधुनिक भारतीय राजशासन के निर्माण को परिभाषित किया है। उन्होंने कहा, "दोनों घटनाओं की लोगों और असम की राजनीति को आकार देने में बड़ी भूमिका थी जितना इसके बारे में स्वीकार किया जाता है। शायद असम आंदोलन को आपातकाल से उभरा राजनीति का अंकुर कहना पूरी तरह से गलत नहीं होगा।

फिर भी विचार करने के लिए एक और बिंदु राज्य की सीमा पर बांग्लादेश मुक्ति संग्राम का प्रभाव है। देश बांग्लादेश के निर्माण को लेकर खुश था और यह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मुकुट में रत्न बना, लेकिन सीमापार से शरणार्थियों के पलायन ने पुरानी ऐतिहासिक आशंकाओं को ताजा कर दिया और असम में व्यापक अशांति उत्पन्न की, जिस पर मुख्यधारा के भारत में ध्यान नहीं दिया गया। पुस्तक का प्रकाशन पेंगुइन रैंडम हाउस द्वारा किया गया है। उल्लेखनीय है कि अवैध प्रवासियों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने की मांग को लेकर छह वर्ष का आंदोलन संगठन एएएसयू द्वारा 1979 में किया गया था। इसकी समाप्ति राजीव गांधी की मौजूदगी में 15 अगस्त 1985 में असम समझौते के हस्ताक्षर के साथ हुई थी। पुस्तक में भाषाई आंदोलन, राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी), नागरिकता विधेयक के साथ ही असम में भाजपा के बढ़ने और 1916 में सत्ता में आने जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई है।

## अनुच्छेद 370 पर केंद्र के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय पहुंचे पूर्व अफसर

**नई दिल्ली।** पूर्व सैन्य अफसरों और सेवानिवृत्त नौकरशाहों के एक समूह ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने और इस पर राष्ट्रपति के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। दाखिल करने वालों में गृह मंत्रालय के जम्मू-कश्मीर पर वार्ताकारों के समूह (2010-11) की सदस्य रहीं प्रोफेसर राधा कुमार, जम्मू-कश्मीर काडर के पूर्व आईएएस अधिकारी हिंडाल हैदर तैयबजी, एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) कपिल काक, मेजर जनरल (सेवा.) अशोक कुमार मेहता, पंजाब काडर के पूर्व आईएएस अधिकारी अमिताभ पांडे और 2011 में केंद्रीय गृह सचिव के पद से सेवानिवृत्त अधिकारी गोपाल पिल्लई शामिल हैं। इन लोगों ने पांच अगस्त के राष्ट्रपति के आदेश को असंवैधानिक, शून्य और निष्प्रभावी घोषित करने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि इस अधिनियम की असंवैधानिकता अभूतपूर्व है। अनुच्छेद 367 में संशोधन के जरिए, अनुच्छेद 370 (3) के साथ पढ़ने की शर्त रखी गई है, जिसमें अनुच्छेद 370 के असर को पूरी तरह समाप्त करने और जम्मू कश्मीर के संविधान को पूरी तरह निरस्त करने का प्रभाव है। राज्य को विखंडित कर केंद्र शासित प्रदेश के रूप में इसका दर्जा घटाया गया है और इसके एक हिस्से लद्दाख को अलग कर एक और केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। जम्मू-कश्मीर के लोगों को कुछ बोलने का मौका दिए बिना पूरे राज्य को बंद रखकर पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। पूरी प्रक्रिया तत्कालीन जम्मू और कश्मीर के भारत में विलय की मूलभावना पर प्रहार करती है। पूर्व सैन्य अधिकारियों और नौकरशाहों ने जम्मू-कश्मीर (पुनर्गठन) अधि. 2019 को पूरी तरह से असंवैधानिक, शून्य और निष्प्रभावी घोषित करने की मांग की है। शीर्ष न्यायालय में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन और अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने को लेकर आधा दर्जन से अधिक याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं।

मुंबई में गणपति महोत्सव की तैयारी के लिए भगवान गणेश की मूर्ति को ले जाते श्रद्धालु

## चुनाव आयोग ने आधार को लेकर सरकार से कानूनी समर्थन मांगा

**नई दिल्ली।** चुनाव आयोग ने सरकार से अनुरोध किया है कि वह मतदाता सूची में बहु-प्रविष्टियों की जांच के लिए नए आवेदकों और मौजूदा मतदाताओं की आधार संख्या एकत्रित करने की खातिर उसका कानूनी समर्थन करे। कानून मंत्रालय को भेजे पत्र में प्रस्ताव रखा है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन किया जाना चाहिए ताकि निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी को मतदाता बनने के आवेदकों और पहले से ही मतदाता सूची में शामिल लोगों की आधार संख्या मांगने की अनुमति मिल सके। अगस्त 2015 में उच्चतम न्यायालय के आधार पर दिए एक आदेश ने मतदाता सूची में बहु-प्रविष्टियों की जांच के लिए आधार को मतदाता के चुनावी डाटा से जोड़ने की चुनाव आयोग की परियोजना पर रोक लगा दी थी। चुनाव आयोग तब अपने राष्ट्रीय निर्वाचक नामावली परिशोधन एवं प्रमाणीकरण कार्यक्रम (एनईआरपीएपी) के हिस्से के रूप में आधार नंबर एकत्रित कर रहा था।

## महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड में भाजपा के अपने मौजूदा सीएम के तहत चुनाव लड़ने की संभावना

एजेंसी। नई दिल्ली

**भाजपा** शासित महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड विधानसभा चुनाव भगवा पार्टी के अपने मौजूदा मुख्यमंत्रियों के नेतृत्व के तहत लड़ने की संभावना है। पार्टी नेताओं ने यहां यह जानकारी दी। भाजपा के शासन वाले इन तीनों राज्यों में साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने शुक्रवार को हरियाणा में एक रैली में संभवत: यह स्पष्ट कर दिया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर इस पद के लिए एक बार फिर पार्टी की पंसद होंगे। वहीं, सूत्रों के मुताबिक महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस और झारखंड के रघुवर दास अपने-अपने राज्यों में पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।

हरियाणा के जींद में एक रैली में शाह ने मनोहर लाल खट्टर सरकार की वापसी के लिए मतदाताओं से 90 सदस्ईय विधानसभा में पार्टी को 75 सीटें देने का अनुरोध किया। पार्टी के एक नेता ने कहा, सभी तीनों मुख्यमंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों में पांच साल शासन किया है। यदि भाजपा सत्ता में लौटी तो सरकार का नेतृत्व करने के लिए वे स्वभाविक पंसद होंगे।

गौरतलब है कि भाजपा ने इन तीनों राज्यों में पिछला विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए बगैर लड़ा था और चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद ही मुख्यमंत्रियों की घोषणा की थी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया, चाहे वह खट्टर, फडणवीस या दास हों, सभी ने लोगों के बीच एक साफ सुथरी छवि बनाई है।

भगवा दल मोदी कैबिनेट के हालिया फैसलों को मिले जन समर्थन, अपनी सरकारों के कामकाज और विपक्षी खेमे में एकजुटता के अभाव के चलते इन तीनों राज्यों में सत्ता में काबिज रहने के प्रति आश्वस्त है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बनी हुई है। उनकी लोकप्रियता के चलते ही 2014 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया था।

पार्टी का मानना है कि जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को रद्द करने के केंद्र सरकार के फैसले को लोगों का समर्थन मिला, जिसके चलते कई विपक्षी नेताओं को भी इसका समर्थन करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

## कश्मीर पुलिस आतंकवादियों को अलग-थलग करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है : डीजीपी

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि यहां की पुलिस आतंकवादियों पर निरंतर दबाव बना कर उन्हें अलग-थलग करने का प्रयास कर रही है ताकि वे आम लोगों को बहका नहीं सकें। साक्षात्कार में सिंह ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में राज्य के लोगों के सहयोग के लिए उनका धन्यवाद किया। पुलिस, अर्द्धसैनिक बलों और सेना को सम्मिलित कर बनाई गई सुरक्षा टीमों ने शानदार काम किया है, लेकिन हमें राज्य के लोगों की तरफ से दिए गए सहयोग को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को पांच अगस्त को केंद्र की ओर से निरस्त किए जाने के बाद राज्य में सुरक्षा बलों की मौजूदगी बढ़ा दी गई थी और कड़ी पाबंदिया लगाई गईं। 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी सिंह ने राज्य में किए गए संवैधानिक परिवर्तनों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया लेकिन कहा, मेरा मानना है कि राज्य में सकारात्मक विकास के युग की शुरुआत हो रही है। लोगों को इसके बारे में अच्छी चीजों को समझना चाहिए। पुलिस बल के प्रमुख के तौर पर यह सुनिश्चित करना उनका कर्तव्य है कि कुछ गिने-चुने आतंकवादी जो मुख्यत: पाक से हैं, उन्हें जम्मू कश्मीर के आम लोगों को बहकाने न दिया जाए। सिंह ने कहा, हमारी आतंकवाद रोधी इकाई इन आतंकवादियों को दूर रखने का दबाव बनाए हुए है और निश्चित तौर पर हम ऐसा कर पाएंगे।

## पेज एक का शेष

### पाकिस्तान से...

मौजूद थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में लोग कह रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत होनी चाहिए।रक्षा मंत्री ने पूछा, हम किस बारे में बात करें? मुद्दा क्या है जिस पर बात की जानी चाहिए? बातचीत क्यों होनी चाहिए? यदि पाकिस्तान से कोई बात होगी तो यह केवल तब होगी जब वह अपनी जमीन से संचालित आतंकवाद को समर्थन देना बंद करेगा। सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार के लिए भारत का सम्मान, गौरव और प्रतिष्ठा सर्वोपरि है और वह यह सब करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा यह कोई चुनावी स्टंट नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म करने के बारे में उन्होंने कहा कि इस कदम से पड़ोसी देश कमजोर हुआ है और यह उसके लिए चिंता का कारण बन गया है। उन्होंने कहा, अब वह (पाकिस्तान) हर दरवाजे को खटखटा रहा है और खुद को बचाने के लिए विभिन्न देशों से सहयोग मांग रहा है। क्या हमने अपराध किया है? और वे हमें धमकी देने की कोशिश कर रहे हैं। बहरहाल, लोगों द्वारा दुनिया के सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले देश अमेरिका ने पाकिस्तान को झिड़क दिया है और उसे भारत के साथ वार्ता शुरू करने के लिए कहा है। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी हिन्दू और मुसलमान को नहीं बांटती। भाजपा नेता ने कहा, हमारी सोच यह है कि दोनों भाई हैं। वोट बैंक की राजनीति करने वाले सत्ता पाने के लिए समुदायों को बांटते हैं।

### कडी सुरक्षा ...

में पाबंदियों में ढील दी गई है जबकि शनिवार को 35 थाना क्षेत्रों से बंदिशें हटाई गई थीं। पाबंदी हटाने का समय भी छह से आठ घंटे कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान यातायात सामन्य तौर पर चला तथा दुकानें भी खुलीं और कहीं से भी कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई है। इस बीच 304 हज यात्रियों का पहला जत्था दो फ्लाइट से श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। हज करके लौटे इन लोगों का स्वागत एयरपोर्ट पर राज्यपाल के सलाहकार फारूख खान ने किया। उनके साथ कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर बसीर खान भी मौजूद थे। दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह ने रविवार को राजौरी, उद्यमपुर और जम्मू का दौरा किया और सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता भी की और अधिकारियों को जरूरत के हिसाब से कदम उठाने के निर्देश दिए।

### जेटली की ...

चीफ मार्शल बी एस धनोआ भी शनिवार को एम्स गए थे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी जेटली के स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए शुक्रवार को एम्स पहुंचे थे। पेशे से वकील जेटली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में उनकी कैबिनेट का महत्वपूर्ण हिस्सा थे। उनके पास वित्त और रक्षा मंत्रालय का प्रभार था और सरकार के लिए वह संकटमोचक की भूमिका में रहे। खराब स्वास्थ्य के कारण जेटली ने 2019 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा। पिछले साल 14 मई को एम्स में उनके गुर्दे का प्रतिरोपण हुआ था। उस समय रेल मंत्री पीयूष गोयल को उनके वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई थी। पिछले साल अप्रैल की शुरुआत से ही वह कार्यालय नहीं आ रहे थे और वापस 23 अगस्त 2018 को वित्त मंत्रालय आए। लंबे समय तक मधुमेह रहने से वजन बढ़ने के कारण सितंबर 2014 में उन्होंने बैरिएट्रिक सर्जरी कराई थी।

## आर्थिक सुस्ती दूर करने को परियोजनाओं पर काम तेज करने की जरूरत: प्रो. भानुमूर्ति

एजेंसी। नई दिल्ली

**देश** दुनिया में आर्थिक क्षेत्र में सुस्ती गहराने की चर्चा जोर पकड़ने लगी है। इसके साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था में भी आर्थिक नरमी बढ़ने के संकेत दिखने लगे हैं। विशेष रूप से वाहन क्षेत्र का जुलाई महीने में कमजोर प्रदर्शन रहा और वाहनों की बिक्री एक साल पहले के मुकाबले 19 प्रतिशत गिर गई। यह 19 साल की सबसे बड़ी गिरावट है। आर्थिक क्षेत्र में गहराती सुस्ती को लेकर नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेंस एण्ड पालिसी के प्रोफेसर एनआर भानुमूर्ति से पांच सवाल:

**प्रश्न एक:** क्या आपको लगता है कि आर्थिक क्षेत्र में सुस्ती बढ़ रही है?

**जवाब:** वास्तव में अर्थव्यवस्था में यह नरमी काफी पहले शुरू हो गई थी। हम तो इसे 2018 के मध्य से ही महसूस कर रहे हैं। पिछले वित वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्ध दर 6.8 प्रतिशत रही जो कि पिछले कई साल का न्यूनतम स्तर है। सबसे गंभीर बात यह है कि सरकार ने आर्थिक क्षेत्र में आ रही सुस्ती की आहट को शुरुआत में मानने से इनकार कर दिया। वित्त मंत्रालय आठ प्रतिशत आर्थिक वृद्धि मानकर चल रहा है जबकि रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के दौरान वृद्धि दर सात प्रतिशत से कम रहने का अनुमान लगाया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की वृद्धि दर के आंकड़े आने वाले हैं मेरा अनुमान है कि यह छह प्रतिशत के आसपास रह सकता है।

**प्रश्न दो:** आर्थिक क्षेत्र की यह सुस्ती चक्रीय है अथवा मौजूदा वैश्विक एवं घरेलू परस्थितियों के कारण है?

**उत्तर:** मेरा मानना है कि इस आर्थिक सुस्ती की दोनों वजह हैं। इसमें कुछ योगदान तो चक्रीय सुस्ती का रहा है और कुछ संरचनात्मक कारणों से है। दुनिया के देशों में आर्थिक गतिविधियां सुस्त पड़ रही हैं। जर्मनी, ब्रिटेन, मेक्सिको, अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्थाओं की चाल धीमी हुई है। भारत पर भी इसका असर पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन कुछ घरेलू कारण भी रहे हैं जिनकी वजह से गतिविधियां बाधित हुई हैं। देश में माल एवं सेवाकर (जीएसटी) लागू होने के बाद से व्यावसायिक गतिविधियां अभी तक सामान्य नहीं हो पाई हैं। कर्ज के बोझ तले दबी कंपनियों से निपटने के लिए बनाई गई ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) से भी कारोबारी फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रहे हैं।

**प्रश्न तीन:** वाहन उद्योग में आई मंदी को आप किस रूप में देखते हैं। इसकी क्या बड़ी वजह हो सक्ती है?

**उत्तर:** सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए कर छूट भी दी जा रही है। सरकार प्रोत्साहन योजना के जरिए इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण और खरीदारी को बढ़ावा दे रही है। पेट्रोल-डीजल के वाहनों के भविष्य को लेकर खरीदार और विनिर्माता दोनों के मन में अनिश्चितता बढ़ रही है। यहां तक कि पेट्रोल- डीजल वाहनों के लिए कर्ज देने वाले बैंक और वित्तीय संस्थान भी हिचकिचाहट दिखाने लगे हैं। पुराने वाहनों की बिक्री का बाजार भी सुस्त चल रहा है। चार- पांच साल बाद पेट्रोल, डीजल के पुराने वाहनों का क्या होगा किसी को नहीं पता, इसलिए नए वाहनों के खरीदार पशोपेश में हैं। यह स्थिति वाहन बाजार में बिक्री में गिरावट की एक बड़ी वजह हो सकती है।

**प्रश्न चार:** वाहन उद्योग समेत अर्थव्यवस्था को फिर से तेजी के रास्ते पर लाने के लिए क्या उपाय होने चाहिए?

**उत्तर:** मेरे साथ ही कई दूसरे अर्थशास्त्री चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही यह बोल रहे हैं कि सरकार को अर्थव्यवस्था की चाल बढ़ाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देने होंगे। घरेलू बचत दर को बढ़ाने के वास्ते वित्तीय प्रोत्साहनों की जरूरत है। कर छूट वाले बांड जारी करने चाहिए, ढांचागत क्षेत्र से जुड़े कर मुक्त बांड जारी होने चाहिए ताकि घरेलू बचत को बढ़ावा दिया जा सके।

अस्थाई तौर पर कुछ प्रोत्साहन देने हों तो वह दिए जाने चाहिए। आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए तमाम सरकारी परियोजनाएं जो रूकी पड़ी हैं अथवा धीरे धीरे आगे बढ़ रही हैं उन पर काम तेज होना चाहिए। इन परियोजनाओं के लिए धन की, वर्ष की शुरुआत में ही व्यवस्था होनी चाहिए। वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में ही पैसा लगाकर जल्द पूरा किया जाना चाहिए ताकि रोजगार के अवसर तो बढ़े हीं साथ इनसे कमाई भी जल्द शुरु हो सके। सड़क, रेलवे, बिजली, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते आवास की परियोजनाएं, पानी, सिंचाई सहित तमाम परियोजनाएं हैं जो कि लटकी पड़ी हैं अथवा समय से पीछे चल रही हैं, इनमें काम तेजी से आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

# ई सिगरेट व निकोटिन के स्वाद वाले हुक्कों पर लग सकता है प्रतिबंध

**एजेंसी।** नई दिल्ली

**केन्द्र सरकार** इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलेवरी सिस्टम्स (ईएनडीएस) के निर्माण, बिक्री और आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक अध्यादेश लाने सहित कई विकल्पों पर विचार विमर्श कर रही है।

केन्द्र सरकार इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिलने पर ऐसा कदम उठा सकती है। दरअसल उच्च न्यायालय पूर्व में इस प्रकार के उत्पादों पर प्रतिबंध लाने के केन्द्र सरकार के फैसले पर रोक लगा चुका है। धूम्रपान के वैकल्पिक उपकरण जैसे ई सिगरेट , हीट नॉट बर्न डिवाइस ,वेप तथा ई निकोटिन फ्लेवर वाले हुक्के पर प्रतिबंध मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में स्वास्थ्य मंत्रालय के पहले 100 दिनों के एजेंडे में शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। नई सरकार के 75 दिन पूरे होने के मद्देनजर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलेवरी सिस्टम्स (ईएनडीएस) के निर्माण, बिक्री और आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए हरकत में आ गया है। सूत्रों ने बताया, मंत्रालय ईएनडीएस डिवाइसों के निर्माण,बिक्री और आयात पर प्रतिबंध के लिए अध्यादेश लाने सहित अनेक विकल्प तलाश रहा है। माना जा रहा है कि मंत्रालय इस मुद्दे पर कानूनी विकल्प भी तलाश रहा है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने राज्य के सभी औषधि नियंत्रकों को पत्र लिख कर कहा है कि वे ईएनडीएस की बिक्री,निर्माण, वितरण,व्यापार,आयात अथवा विज्ञापन करने की इजाजत नहीं दें। दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने इस साल मार्च में अपने एक फैसले में केन्द्र के सर्कुलर पर अंतरिम रोक लगाते हुए कहा था कि ए उत्पाद मादक पदार्थ नहीं हैं और इस प्रकार का निर्देश जारी करने का अधिकार अधिकारियों को नहीं है। केन्द्र ने इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय की खंडपीठ में अपील की थी। खंडपीठ ने केन्द्र की याचिका खारिज कर दी। हालांकि सरकार को अपनी याचिका ले कर एकल पीठ के पास जाने का निर्देश दिया।

## स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निकट बनेगा विश्वस्तरीय चिड़ियाघर

**वड़ोदरा।** गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के नजदीक ही विश्व स्तरीय चिड़ियाघर अगले वर्ष अक्टूबर तक बनकर तैयार हो जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं प्रबंध निदेशक राजीव गुप्ता ने कहा कि केवड़िया को प्रमुख पर्यटक स्थल बनाने के वास्ते चिड़ियाघर और रिवर राफ्टिंग की सुविधा विकसित करने की योजना है। गुप्ता ने कहा, गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निकट खलवानी में शनिवार को एक रिवर राफ्टिंग खेल सुविधा का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि यह चिड़ियाघर 1300 एकड़ में फैला होगा। इसमें शेर, बाघ, तेंदुए, 12 प्रकार के हिरण और मृग, जिराफ, ज़ेबरा, बाइसन, और अन्य विदेशी जानवर होंगे। गुप्ता ने कहा, सरदार पटेल प्राणि उद्यान बनाना इस क्षेत्र को प्रमुख पर्यटक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इच्छा के अनुरूप है।

चितूर में रविवार को श्रीवेंकटस्वामी मंदिर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूजा की

# जमीन विवाद पर युवक ने अपने चचेरे भाई की हत्या की

**एजेंसी।** सतना (मध्यप्रदेश)

**सतना जिले** के अमरपाटन थाना अंतर्गत चोरहटा गांव में जमीन विवाद को लेकर एक युवक ने एक अन्य आरोपी के साथ मिलकर अपने चचेरे भाई की हत्या कर दी। हत्या के बाद मामले को अपहरण का रंग देने के लिए आरोपियों ने मृतक के पिता को फोन कर 10 लाख रूपए की फिरौती की मांग की ताकि पुलिस को गुमराह कर सके। हालांकि, पुलिस ने संदेह होने पर जब उसे गिरफ्तार किया तो उसने हत्या करना कबूल लिया। सतना जिले के पुलिस अधीक्षक रियाज इकबाल ने रविवार को बताया, परिवार में चल रहे जमीन विवाद के चलते मुख्य आरोपी लल्ले प्रजापति (20) ने अपने साथी हरि लाल (25) के साथ मिलकर अपने 13 वर्षीय चचेर भाई विकास प्रजापति की शुक्रवार को हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि लल्ले को गिरफ्तार कर लिया गया है और फरार हरि लाल को पकड़ने के प्रयास जारी है। इकबाल ने बताया कि दोनों आरोपी विकास को घुमाने के बहाने मोटरसाइकिल पर बिठाकर शुक्रवार को चोरहटा गांव से बंशीपुर ले गए और वहां उसके हाथ-पैर बांधकर एक पुराने किले स्थित कुएं में फेंक दिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी लल्ले की निशानदेही पर कुएं से शव को बरामद कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस मामले में सतना पुलिस ने मोबाइल शॉप में सिम बेचने वाले दो अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया है। दोनों लोगों ने इन आरोपियों को वह फर्जी सिम बेची थी जिसके माध्यम से फिरौती की मांग की गई। इकबाल ने बताया कि सतना पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा दिया है और विस्तृत जांच जारी है।

# अति वरदार की मूर्ति जल समाधि में रखी गई 48 दिवसीय महोत्सव का समापन

**एजेंसी।** कांचीपुरम (तमिलनाडु)

- 40 वर्ष में एक बार होता है महोत्सव
- महोत्सव में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए

**अंजीर की** लकड़ी से निर्मित भगवान अति वरदार की मूर्ति 48 दिन तक दर्शन के लिए रखने के बाद यहां रविवार सुबह श्री देवराजस्वामी मंदिर के जल समाधि में धार्मिक उत्साह के बीच उतार दी गई। यह 40 वर्ष में एक बार होने वाला कार्यक्रम है। इसमें एक जुलाई से अभी तक एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। विशेष अनुष्ठान पूरा होने और पारंपरिक हर्बल लेप लगाने के बाद आदमकद प्रतिमा को पुजारी अनंतसरस सरोवर तक ले आए और उसे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच एक विशेष भूमिगत चैंबर में रख दिया।

भगवान की मूर्ति के पानी के भीतर स्थाई निवास में लौटने के साथ ही एक जुलाई को शुरू हुए 48 दिवसीय महोत्सव का समापन हो गया। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस मंदिर नगर आए। यह मंदिर नगर चेन्नई से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित है। शनिवार शाम को अधिष्ठाता भगवान श्री देवराजस्वामी की मूर्ति को जुलूस में वसंत मंडपम में लाया गया था जहां भगवान अति वरदार को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रखा गया था। अति वरदार की मूर्ति को सरोवर में रखने से पहले विशेष पूजा सम्पन्न किए गए। इस कार्यक्रम की शुरूआत अति वरदार की सदियों पुरानी मूर्ति को पिछले महीने जल समाधि से निकालने से हुई थी। गत। जुलाई से 31 जुलाई तक, मूर्ति स्याना कोल्लम (लेटी हुई मुद्रा में) और एक अगस्त से निंद्रा कोल्लम (खड़ी मुद्रा में) में थी। 17 अगस्त को कोई सार्वजनिक दर्शन नहीं हुआ। इस महोत्सव के दौरान विशेषकर सप्ताहांत में प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु एकत्रित हुए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी के अनुसार महोत्सव के दौरान एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने देवता के दर्शन किए। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, तमिलनाडु के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित, पलानीस्वामी, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव, तमिल फिल्म सुपरस्टार रजनीकांत महोत्सव के दौरान मूर्ति के दर्शन करने वालों में शामिल थे। सार्वजनिक दर्शन समाप्त होने की पूर्व संध्या पर, पलानीस्वामी ने श्रद्धालुओं का दर्शन सुविधाजनक बनाने में कड़ी मेहनत के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और सभी विभागों के अधिकारियों, विशेषकर राजस्व को धन्यवाद दिया। हालांकि, श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त सुविधाओं की कमी और खराब भीड़ प्रबंधन को लेकर काफी शिकायतें थीं। आखिरी बार महोत्सव 1979 में हुआ था और अगला 2059 में होगा।

## मध्यप्रदेश के शहडोल में मां ने अपने दो बच्चों की हत्या की

**एजेंसी।** शहडोल (मध्यप्रदेश)

**मध्यप्रदेश के** शहडोल में एक मां ने अपने ही दो बच्चों की कथित रूप से रविवार सुबह हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। घटना शहडोल संभागीय मुख्यालय से लगे सोहागपुर थानांतर्गत कोनी मोहल्ले की है। उप पुलिस अधीक्षक (शहडोल संभागीय मुख्यालय) बी डी पांडे ने बताया कि कोनी मोहल्ले का रहने वाला रामप्रसाद बैगा रविवार सुबह घर से बाहर गया हुआ था और घर में उसकी पत्नी गुड्डन बैगा (35), पुत्र राहुल बैगा (पांच) और पुत्री काजल बैगा (सात) सो रहे थे।

उन्होंने बताया कि कुछ देर बाद जब रामप्रसाद वापस घर आया तो देखा कि उसके पुत्र राहुल बैगा और पुत्री काजल बैगा का शव घर के बाहर पड़ा है और कमरे का दरवाजा अंदर से बंद है। उसने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। पांडे ने कहा कि पुलिस जब मौके पर पहुंची तब पता चला कि रामप्रसाद की पत्नी गुड्डन बैगा ने दोनों बच्चों की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी और अपने को कमरे के अंदर बंद कर लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने काफी देर की मशक्कत के बाद उसे कमरे से बाहर निकाला और हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने हत्या करना कबूल लिया है। पुलिस ने मौके से वह कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है, जिससे हत्या की गई। पांडे ने बताया की वारदात को अंजाम देने वाली महिला के पति रामप्रसाद का कहना है कि उसकी पत्नी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और उसका इलाज भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ भादंवि की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और विस्तृत जांच जारी है।

भोपाल में मप्र एससी-एसटी कर्मचारी संघ के समारोह में मुख्यमंत्री कमलनाथ का माला पहनाकर स्वागत किया गया

## राज्यपाल के सलाहकार ने हज यात्रियों के पहले जत्थे का स्वागत किया

**श्रीनगर।** जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के सलाहकार फारूक खान ने रविवार को हज यात्रा से वापस आने वाले जायरीनों (श्रद्धालुओं)के पहले जत्थे का रविवार को यहां स्वागत किया। सलाहकार ने जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेने के बाद राज्य में लगाए गए कुछ प्रतिबंधों के कारण हवाई अड्डे से उनके अपने गंतव्य तक जायरीनों की वापसी के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा भी की। सऊद्दी अरब से 300 यात्रियों को लेकर एयर इंडिया की उड़ान के यहां पहुंचने के बाद खान पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर क्षेत्र) स्वयं प्रकाश पाणि सहित राज्य सरकार के अन्य अधिकारियों के साथ हवाई अड्डे के डामर में देखे गए। हज यात्रा पूरी करने के लिए खान ने यात्रियों को बधाई दी और उनका कुशल क्षेम पूछा। बातचीत के दौरान जायरीनों ने खान को बताया कि उनलोगों ने राज्य की समृद्धि और शांति के लिए दुआ मांगी। जायरीनों ने खान का शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने जो इंतजामात किए थे उसकी वजह से वह बिना किसी बाधा के अपना धार्मिक कर्त्तव्य निभाने में सफल रहे हैं। बाद में खान ने नागरिक प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बडगाम के उपायुक्त तारिक गनई को निर्देश दिया कि वह यह सुनिश्चित करें कि प्रत्एक जायरीन सुरक्षित रूप से अपने घर पहुंचें।

# पाकिस्तानी शासन के तहत गिलगित-बल्तिस्तान को सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया गया

**एजेंसी।** नई दिल्ली

- पाकिस्तान ऑक्यूपाइड कश्मीर- पॉलिटिक्स, पार्टीज एंड पर्सनैलिटीज पुस्तक में किया गया दावा

**बर्फ से** ढंके पर्वतों की 32 चोटियां, विशाल ग्लेशियर, हरी-भरी घाटियां और मीठे पानी की झीलों के साथ गिलगित-बल्तिस्तान विश्व की सबसे खूबसूरत जगहों में एक है। साथ ही, वहां सोना, चांदी और यूरेनियम के प्रचुर भंडार भी हैं। हालांकि, पाकिस्तान के करीब सात दशक के अवैध कब्जे के दौरान गिलगित-बल्तिस्तान को पूरे दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया गया और उसे पिछड़ा और आर्थिक रूप से सबसे कमजोर क्षेत्र बना दिया। तीन पाकिस्तानी विशेषज्ञों द्वारा लिखी गई एक नई पुस्तक, पाकिस्तान ऑक्यूपाइड कश्मीर- पॉलिटिक्स, पार्टीज एंड पर्सनैलिटीज में ए बातें कही गईं हैं।

पुस्तक में कहा गया है, पाकिस्तान सरकार ने गिलगित-बल्तिस्तान के लोगों की आर्थिक हालत में सुधार करने के लिए कुछ खास नहीं किया है। इस इलाके को दक्षिण एशिया में सर्वाधिक पिछड़ा माना जाता है। अन्य विशेषज्ञों ने भी कहा है कि पाकिस्तान ने क्षेत्र के लोगों का सुनियोजित तरीके से दमन किया है, जो ज्यादातर शिया हैं और पाकिस्तान के अन्य हिस्सों से सुन्नी आबादी के वहां उमड़ने का सामना कर रहे हैं। रणनीतिक मामलों के एक विशेषज्ञ तिलक देवाशेर ने कहा कि पाकिस्तान ने खुद को जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक अधिकारों और आत्म निर्णय (के अधिकार) का सबसे बड़े समर्थक के रूप में पेश किया है, लेकिन सच्चाई यह है कि गिलगित-बल्तिस्तान में वह, लोगों के सुनियोजित दमन में लगा हुआ है।

उन्होंने कहा, यहां तक कि उसने उनके (वहां के लोगों के) संवैधानिक एवं कानूनी अधिकार भी नहीं दिए हैं लेकिन वह जम्मू-कश्मीर में आत्म निर्णय के अधिकार के बारे में पाखंडपूर्ण ढंग से बात करता है। क्षेत्र की एक प्रमुख राजनीतिक पार्टी बलवारिस्तान नेशनल फ्रंट (बीएनएफ) के नेता अब्दुल हामिद खान ने वहां की स्थिति के बारे में 14 मार्च 2016 को संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन प्रमुख बान की मून को एक पत्र लिख कर कहा था, पाक के कब्जे वाले गिलगित-बल्तिस्तान में लोगों को मानविधकारों के हनन से बचाने के लिए कोई कानूनी, संवैधानिक, न्यायिक तंत्र नहीं है। यह क्षेत्र 1947 में पाकिस्तान द्वारा कब्जा किए जाने से पहले जम्मू कश्मीर का ही एक हिस्सा हुआ करता था। लेकिन अब बढ़ती आत्महत्याओं, कट्टरपंथी हिंसा, मानवाधिकारों के हनन और आतंकवाद का पर्याय बन कर रह गया है। पाकिस्तान और चीन के बीच 1963 में हुए एक समझौते के तहत पाक ने गिलगित-बल्तिस्तान क्षेत्र का 5,180 वर्ग किमी हिस्सा चीन को सौंप दिया। प्रमुख थिंक टैंक इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस द्वारा प्रकाशित पुस्तक के मुताबिक वहां के 85 प्रतिशत लोग खेती से सिर्फ अपना भरन-पोषण ही कर पा रहे हैं। वहीं पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज की रिपोर्ट के मुताबिक क्षेत्र में पुरुषों की साक्षरता दर महज 14 प्रतिशत और महिलाओं की महज 3.5 प्रतिशत है। हालांकि, पुस्तक में कहा गया है कि गिलगित-बल्तिस्तान की सरकार द्वारा 2013 में तैयार डेटा में दावा किया गया था कि 1998 में साक्षरता दर 37.85 प्रतिशत और 2013 में यह 60 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। पुस्तक में कहा गया है कि पाकिस्तान पर चीन इसके लिए दबाव डाल रहा है कि वह गिलगित-बल्तिस्तान को स्पष्ट कानूनी दर्जा मुहैया करे क्योंकि भारत ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) पर सख्त ऐतराज जताते हुए कहा है कि यह गलियारा विवादित क्षेत्र को दो हिस्सों में बांटता है। पुस्तक के मुताबिक चीन ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और खासतौर पर गिलगित-बल्तिस्तान में काफी रूचि जाहिर की है क्योंकि उसने इलाके में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा की परियोजनाएं शुरू की हैं।

# कांग्रेस ने लद्दाख को तवज्जो नहीं दी इसीलिए चीन डेमचोक में घुसा: नामग्याल

**एजेंसी।** लेह

**संसद में** अनुच्छेद 370 पर अपने जोशीले भाषण से चर्चा में आए लद्दाख से भाजपा सांसद जमयांग सेरिंग नामग्याल का मानना है कि कांग्रेस के शासन में इस क्षेत्र को रक्षा नीतियों में उचित तवज्जो नहीं दी गई और इसीलिए चीन ने डेमचोक सेक्टर तक इसके इलाके पर कब्जा कर लिया है। पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए नामग्याल ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस सरकारों ने शत्रुतापूर्ण स्थितियों में तुष्टीकरण की नीति का पालन कर कश्मीर को बर्बाद कर दिया और लद्दाख को भी इससे काफी क्षति पहुंची। नामग्याल ने एक साक्षात्कार में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने फॉरवर्ड पॉलिसी अपनाई जिसमें कहा गया कि हमें एक-एक इंच चीन की ओर बढ़ना चाहिए। इसके कार्यान्वयन के दौरान यह बैकवर्ड पॉलिसी बन गई। चीनी सेना लगातार हमारे क्षेत्र में घुसपैठ करती चली गई और हम लगातार पीछे हटते चले गए।

चौंतीस वर्षीय सांसद ने कहा, यही वजह है कि अक्साई चिन पूरी तरह से चीन के नियंत्रण में है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के जवान डेमचोक नाला तक पहुंच गए क्योंकि लद्दाख को कांग्रेस के 55 साल के शासन में रक्षा नीतियों में उचित तवज्जो नहीं मिली। गौरतलब है कि पिछले साल जुलाई में चीन और भारत की सेनाओं के बीच तब गतिरोध पैदा हो गया था जब डेमचोक के पास भारत द्वारा अपने क्षेत्र में किए जा रहे नाला या नहर निर्माण पर चीनी सेना (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) ने आपत्ति जताई थी। इस साल जुलाई में कुछ तिब्बतियों द्वारा दलाई लामा के जन्मदिन के मौके पर तिब्बती झंडे लहराए जाने के बाद चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पार कर डेमचोक सेक्टर में घुस गए। सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने बाद में कहा था, कोई घुसपैठ नहीं हुई। चीनी आए और उन्होंने अपनी मानी हुई वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त की। यह पूछे जाने पर कि लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने से रक्षा के परिप्रेक्ष्य से कैसे चीजें बदलेंगी, इस पर नामग्याल ने कहा कि क्षेत्र को अब अपनी उचित महत्ता मिलेगी। भारतीय जनता पार्टी के सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली की राजग की पिछली सरकार में गृह मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा घोषित की गई पुनर्वास परियोजना के क्रियान्वयन से सीमा पर गांवों से पलायन खत्म होगा। उन्होंने कहा, जब नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में इन इलाकों में सड़कों, संपर्क, स्कूल और अस्पताल समेत शहर जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी तो सीमाएं सुरक्षित बन जाएंगी। जम्मू कश्मीर पुनर्गठन विधेयक पर एक

पखवाड़े पहले लोकसभा में अपने भाषण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से तारीफ बटोरने वाले नामग्याल ने कहा कि कांग्रेस ने कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाकर गलती की थी। उन्होंने कहा, दूसरा जब भी कश्मीर में हालात बिगड़े तो उसने (कांग्रेस) तुष्टीकरण की नीति अपनाई। वह कभी इससे सख्ती से नहीं निपटी। नामग्याल ने कहा, जब भी कश्मीर में हालात बिगड़े, कांग्रेस ने विशेष पैकेजों की घोषणा कर आक्रोश को शांत करने की कोशिश की। उसने पथराव करने वालों को खुश किया और अलगाववादियों को संरक्षण दिया। न उसकी नीति अच्छी थी और न ही मंशा। उसने कश्मीर को बर्बाद कर दिया और लद्दाख को भी इससे काफी क्षति पहुंची। लद्दाख के सांसद ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाए जाने के बाद कश्मीर की स्थिति को लेकर केंद्र पर हमला करने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की और कहा कि उनके जैसा व्यक्ति अपनी कुर्सी बचाने के लिए कुछ भी कह सकता है। नामग्याल ने कहा, कांग्रेस ने 55 साल तक शासन किया लेकिन वह इतना साहसी कदम उठाने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। अब वे इसे बेवकूफी बता रहे हैं। वह क्या कहते हैं, हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कश्मीर के साथ रहने से लद्दाख को हुए नुकसान का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, हमारे पास यहां एक डिग्री कॉलेज है जो कश्मीर विश्वविद्यालय के तहत आता है। अगर किसी के नाम में गलती भी होती है तो छात्र को इसे सही कराने के लिए श्रीनगर जाना पड़ता है। अगर कश्मीर में दिक्कत है तो लद्दाख के छात्रों को तीन साल का पाठ्यक्रम पूरा करने में पांच साल लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर लद्दाख के किसी सरकारी अधिकारी का तबादला या पदोन्नति लंबित होती थी तो उस कर्मचारी को फाइल आगे बढ़ाने के अनुरोध के लिए खुद श्रीनगर या जम्मू जाना पड़ता था। उन्होंने आरोप लगाया कि बोधि भाषा के शिक्षकों के पदों को कश्मीरी भाषा के शिक्षकों के पदों में परिवर्तित कर दिया गया। लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (एलएएचडीसी) के भविष्य पर नामग्याल ने कहा, गृह मंत्री ने संसद में कहा है। एलएएचडीसी बकरार रहेगी। लोगों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। स्थानीय लोगों की इन आशंकाओं पर कि बाहरी लोग जमीन खरीदेंगे और लद्दाख के पर्यावरण को बर्बाद कर देंगे, इस पर भाजपा सांसद ने लोगों को आश्वासन दिया कि ऐसी कोई चीज नहीं होगी। उन्होंने कहा, कुछ लोग कह रहे हैं कि बड़ी मछलियां (बाहरी लोग) छोटी मछलियों को खा जाएंगी। लद्दाख की भूमि उसके लोगों की है। लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद कानून, 1997 के अनुसार भूमि से संबंधित मामले एलएएचडीसी के तहत आते हैं। नामग्याल ने कहा कि लोगों को यह समझने की जरूरत है कि लद्दाख में कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां संभावनाओं को अभी तक तलाशा नहीं गया है और वहां निवेश से रोजगार पैदा होगा। सांसद ने पूछा, क्या हमें सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए निवेश नहीं लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए बहुत से लोग तैयार होंगे।नामग्याल ने कहा, वे जमीन नहीं खरीद पाएंगे। उन्हें इसका पट्टा लेना होगा। हम नौकरियों में अपने लोगों और एलएएचडीसी के लिए रॉयल्टी की भी मांग करेंगे। उन्होंने केंद्र से लद्दाख की भूमि, संस्कृति और पहचान की रक्षा करने के लिए संविधान की छठी अनुसूची के तहत इसे जनजातीय क्षेत्र घोषित करने का अनुरोध किया।

## बॉलीवुड अभिनेत्रियां भी एक दिन बॉक्स आफिस पर बड़ी भीड़ लाएंगी : विद्या

**एजेंसी।** मुंबई

**बॉलीवुड** अभिनेत्री विद्या बालन का कहना है कि एक समय वह भी आएगा, जब महिला किरदार अपने दम पर बॉक्स ऑफिस पर भीड़ जमा करने में सफल होगी। बॉलीवुड में ज्यादातर पुरुष सुपरस्टार ही ऐसे होते हैं, जो किसी फिल्म के लिए भीड़ को एकत्र करते हैं। प्राथमिक तौर पर उनके नाम ही फिल्म के ब्लॉकबस्टर व्यापार को सुनिश्चित करते हैं। वहीं दूसरी ओर महिला प्रधान फिल्में, जो आमतौर पर बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन करती हैंए उन्हें मध्यम से कम बजट सेट.अप में निर्मित की जाती हैंए ताकि वे जल्द से जल्द मुनाफा कमा सकें और कम से कम फिल्म को हिट स्टेटस पर पहुंचा सके। लेकिन विद्या का मानना है कि एक दिन ऐसा भी आएगाए जब यह परिदृश्य बदलेगा और महिला प्रधान फिल्में अपने दम पर व्यापार करने में सफल होंगी। विद्या बालन ने अपनी फिल्म 'मिशन मंगल' के प्रोमोशनल इवेंट के दौरान कहा कि उनको उम्मीद है कि परिस्थिति में बदलाव

आएगा। फिल्म में अक्षय कुमार सहित सोनाक्षी सिन्हाए तापसी पन्नू, कीर्ति कुल्हारी और नित्या मेनन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। महिला प्रधान फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर बड़ी ओपनिंग क्यों नहीं मिलती, इस प्रश्न के जवाब में विद्या ने कहा कि इस बात में कोई दो राय नहीं है कि इस फिल्म में देश के सबसे बड़े सितारों में से एक स्टार अक्षय कुमार हैं। जब आप किसी फिल्म के व्यवसाय के बारे में बात करते हैं, तो आप पुरुष अभिनेता को लेकर बात करते हैं। लेकिन चीजें बदल रही हैंए हम (महिला किरदार) फिल्मों में सुर्खियों में रहे हैं] हमारी फिल्में अच्छा कर रही हैं।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 19 अगस्त 2019



# भारत और भूटान प्राकृतिक सहयोगी

## मोदी ने भूटान की नई पीढ़ी से कहा

एजेंसी। थिम्पू

**प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और भूटान एक दूसरे को जितना अच्छी तरह समझते हैं या एक दूसरे से जितना कुछ साझा करते हैं, उतना विश्व में कोई भी दो देश आपस में नहीं करते होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि नई दिल्ली और थिम्पू अपने लोगों के लिए समृद्धि लाने में प्राकृतिक सहयोगी हैं। मोदी ने यहां भूटान के प्रतिष्ठित रॉयल विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्वाभाविक है कि भूटान और भारत के लोग एक-दूसरे से बहुत लगाव का अनुभव करते हैं। आखिरकार, वे न केवल अपने भूगोल के कारण करीब हैं, बल्कि उनके इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं ने हमारे लोगों और राष्ट्रों के बीच अनोखे और गहरे बंधन बनाए हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बौद्ध बहुल देश में कहा, भारत उस भूमि के लिए भाग्यशाली है जहां राजकुमार सिद्धार्थ गौतम बुद्ध बने और जहां से उनके आध्यात्मिक संदेश, बौद्ध धर्म का प्रकाश, पूरी दुनिया में फैला। भूटान में भिक्षुओं, आध्यात्मिक नेताओं, विद्वानों और साधकों की पीढ़ियों ने उसी लौ को प्रज्ज्वलित किया। उन्होंने भारत और भूटान के बीच विशेष बंधन को भी पोषित किया है। मोदी ने भूटान के प्रधानमंत्री लोटे त्शेरिंग की उपस्थिति में कहा, इसके परिणामस्वरूप, हमारे साझा मूल्यों ने एक सामान्य विश्व-दृष्टिकोण को आकार दिया है। उन्होंने कहा, लोगों के रूप में, हम इस महान विरासत के जीवित वाहक होने के लिए भाग्यशाली हैं। दुनिया में कोई भी अन्य दो देश एक-दूसरे को इतनी अच्छी तरह से नहीं समझते हैं या एक दूसरे से साझा नहीं करते हैं। कोई भी दो देश अपने लोगों के लिए समृद्धि लाने में इस तरह के प्राकृतिक भागीदार नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भूटान का कोई भी व्यक्ति अपने प्राकृतिक सौंदर्य से उतना ही प्रभावित होता है जितना कि उसके लोगों की गर्मजोशी, करुणा और सादगी से।

थिम्पू में रॉयल यूनिवर्सिटी में पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते छात्र

## पीएम मोदी ने भूटान के विपक्ष के नेता से मुलाकात की

**थिम्पू (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान के विपक्ष के नेता पेमा ग्यात्सो से रविवार को मुलाकात की। बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय हितों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान की नेशनल असेंबली के विपक्ष के नेता डॉ. पेमा ग्यात्सो से मुलाकात की। मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का भूटान के हर राजनीतिक दल के बीच पूरा समर्थन है। इससे पहले, मोदी ने राष्ट्रीय स्मारक चोर्टेन में श्रद्धांजलि अर्पित की थी, जो कि स्वर्गीय तृतीय द्रूक ग्यालपो के सम्मान में बनाया गया है। मोदी ने कहा, राष्ट्रीय स्मारक चोर्टेन में श्रद्धांजलि अर्पित कर अच्छा महसूस कर रहा हूं, जो कि द्रूक ग्यालपो के सम्मान में बनाया गया है... जो शांति, सौहार्द और सतत विकास के पैरोकार थे। मई में दूसरी बार सरकार का गठन करने के बाद मोदी की यह पहली विदेश यात्रा है। मोदी ने शनिवार को भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और भूटान के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग से मुलाकात की थी।

मोदी ने कहा, इस यात्रा के दौरान, मुझे भूटान के वर्तमान नेतृत्व के साथ निकटता से बातचीत करने का अवसर मिला है। मैंने एक बार फिर से भारत-भूटान संबंध के लिए उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया है, जिसने हमेशा अपने करीबी और व्यक्तिगत ध्यान से लाभान्वित किया है। मोदी इस वर्ष भूटान की अपनी दूसरी यात्रा पर और इस वर्ष मई में दोबारा सत्ता हासिल करने के बाद पहली बार यहां आए हैं। उन्होंने कहा, अब, आज, मैं भूटान के भविष्य के साथ यहां हूं। मैं गतिशीलता को देख सकता हूं और ऊर्जा महसूस कर सकता हूं। मुझे विश्वास है कि ए इस महान देश और इसके नागरिकों के भविष्य को आकार देंगे। चाहे मैं भूटान के अतीत को देखूं, वर्तमान या भविष्य को, उनसें सामान्यत: और निरंतरता के सूत्र हैं-ए हैं गहरी आध्यात्मिकता और युवा शक्ति। ए हमारे द्विपक्षीय संबंधों की शक्ति भी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "आज, मैं भूटान के सबसे अच्छे और प्रतिभाशाली युवाओं के समक्ष हूं। महामहिम (जिग्मे खेसर नामग्एल वांगचुक) ने कल मुझे बताया कि वह आपके साथ नियमित रूप से बातचीत करते हैं और उन्होंने पिछले दीक्षांत समारोह को संबोधित किया था। आप भूटान के भविष्य के नेता, नवप्रवर्तक हैं। आपमें से व्यवसाई, खिलाड़ी, कलाकार और वैज्ञानिक उभरेंगे। उन्होंने कहा, भारत-भूटान का पनबिजली और ऊर्जा में सहयोग अनुकरणीय है। लेकिन इस रिश्ते की शक्ति और ऊर्जा का असली स्रोत हमारे लोग हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, लोग पहले हैं, और लोग ही हमेशा इस रिश्ते के केंद्र में रहेंगे। इस यात्रा के परिणामों में यह भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि सहयोग के पारंपरिक क्षेत्रों से परे जाकर, दोनों देश विद्यालयों से लेकर अंतरिक्ष तक, डिजिटल भुगतान से आपदा प्रबंधन तक नए मोर्चे पर बड़े पैमाने पर सहयोग करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, इन सभी क्षेत्रों में हमारे सहयोग का आपके जैसे युवा मित्रों पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, लोकतंत्र और शिक्षा दोनों हमें मुक्त बनाने का लक्ष्य रखते हैं। एक दूसरे के बिना कोई पूरा नहीं है।

## शांति वार्ता पर नही पड़ेगा असर: अफगान तालिबान

एजेंसी। कराची

**अफगान** तालिबान ने कहा है कि पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत में एक मस्जिद में हुए विस्फोट में उसके सरगना मुल्ला हैबतुल्ला अखुंदजादा के भाई के मारे जाने से अमेरिका के साथ उसकी शांति वार्ता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। क्वेटा से 25 किलोमीटर दूर कुचलाक इलाके में स्थित एक मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के दौरान हुए भीषण विस्फोट में सात लोग मारे गए थे। मरने वालों में तालिबान सरगना का भाई भी शामिल था। इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी संगठन ने नहीं ली है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने सिर्फ इतना कहा कि मस्जिद के भीतर आईईडी रखा गया था। पुलिस के अनुसार इस आईईडी में लगभग 10 किलोग्राम विस्फोटक था। अफगान तालिबान ने शनिवार को पुष्टि की कि हैबतुल्ला का छोटा भाई हाफिज अहमदुल्ला शुक्रवार को हुए हमले में मारा गया।

काबुल में शादी समारोह में हुए विस्फोट के बाद घटनास्थल का दृश्य

## हांगकांग में लाखों लोग प्रदर्शन रैली में हुए शामिल

**हांगकांग (एजेंसी)।** हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं के आह्वान पर रविवार को लाखों लोगों ने एक पार्क से मार्च निकाला और प्रमुख सड़क को जाम कर दिया। इस पार्क में बड़े पैमाने पर लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारी हर सप्ताहांत में अपनी नियमित गतिविधियों को अंजाम देते हैं।

आयोजकों ने बताया कि उन्हें मार्च के शांतिपूर्ण होने की उम्मीद है। आयोजक बोनी लेउंग ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि आज कोई अराजक स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। हम उम्मीद करते हैं कि हम दुनिया को दिखा देंगे कि हांगकांग के लोग पूरी तरह शांतिपूर्ण भी हो सकते हैं। मार्च में शामिल हुई 28 वर्षीय अकाउंटेंट किकी मा ने कहा, शांति आज की प्राथमिकता है। हम सरकार को दिखाना चाहते हैं कि हम उनके जैसे नहीं है। पुलिस ने रैली के लिए अनुमति दी थी लेकिन मार्च के लिए नहीं।

# काबुल में शादी समारोह में बम धमाका, 63 मरे, 182 घायल

एजेंसी। काबुल

**अफगानिस्तान** की राजधानी काबुल में एक शादी समारोह में बम हमले में 60 से अधिक लोग मारे गए ओर सैकड़ों लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह हाल के महीनों में काबुल में सबसे घातक हमले में से एक है। यह धमाका शहर के पश्चिमी इलाके में शनिवार देर रात हुआ। यह धमाका ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और तालिबान अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना की मौजूदगी कम करने पर एक समझौता करने के अंतिम चरण में हैं। तालिबान ने हमले में संलिप्तता से इनकार किया है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता नसरत रहीमी ने बताया कि कम से कम 63 लोगों की मौत हो गई और 182 लोग घायल हैं। रहीमी ने बताया, घायलों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

दशकों से युद्ध से जूझ रहे शहर में बड़े और भव्य वेडिंग हॉल सामुदायिक जीवन के आकर्षण का केंद्र है। शादियों में सैकड़ों या अक्सर हजारों मेहमान घंटों तक जश्न मनाते हैं। यहां आम तौर पर शादियों में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग जगह होती है। शनिवार के हमले के बाद तस्वीरों में हॉल में लाशें, कपड़ों के चिथड़ें, टोपियां, सैंडल और मिनरल वाटर की बोतलें पड़ी हुई दिखाई दी। ऐसा माना जा रहा है कि यह एक शिया शादी थी। सुन्नी बहुसंख्यक अफगानिस्तान में शिया मुसलमानों को आए दिन निशाना बनाया जाता है खासतौर से इस्लामिक स्टेट समूह द्वारा। इस्लामिक स्टेट काबुल में सक्रिय है लेकिन अभी उसने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

शादी में मौजूद मोहम्मद फरहाग ने बताया कि वह महिलाओं के हिस्से में था जब उसने पुरुषों वाले हिस्से से बड़े धमाके की आवाज सुनी। उसने कहा, हर कोई चीखते और रोते हुए बाहर भाग रहा था। अफगानिस्तान के पूर्वी नंगरहार प्रांत में 12 जुलाई को एक शादी समारोह में एक आत्मघाती बम धमाके में कम से कम छह लोग मारे गए थे।

### आईएस ने ली धमाकों की जिम्मेदारी

**बेरूत (एजेंसी)।** अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक विवाह समारोह में हुए आत्मघाती हमलों की जिम्मेदारी रविवार को इस्लामिक स्टेट समूह ने ली है। अफगानिस्तान के अधिकारियों के अनुसार इस विस्फोट में 63 लोग मारे गए हैं। इस्लामिक स्टेट ने सोशल मीडिया के माध्यम से दावा किया है कि उसके लड़ाके ने काबुल में इस बड़े समारोह में खुद को उड़ा लिया जबकि अन्य ने सुरक्षा बलों के पहुंचने पर विस्फोटकों से भरे वाहन में धमाका किया।

पोर्टलैंड में अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे नागरिक

# गाजा सीमा पर इजराइली सेना के हमले में तीन फलस्तीनियों की मौत

एजेंसी। यरूशलम

**उत्तरी** गाजा पट्टी में इजराइली सैनिकों के हमले में फलस्तीन के तीन लोग मारे गए। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। इससे कुछ घंटों पहले इजराइल की ओर तीन रॉकेट दागे गए थे। मंत्रालय ने बताया कि एक अन्य फलस्तीनी गोलीबारी में घायल हो गया और अस्पताल में भर्ती है। इजराइली सेना ने बताया कि उत्तरी गाजा पट्टी में सीमा के करीब कई सशस्त्र संदिग्धों पर युद्धक हेलीकॉप्टर और टैंक से हमला किया गया।

सेना ने ट्विटर पर पोस्ट किए एक बयान में कहा, हमने गाजा से इजराइली सीमा की ओर बढ़ रहे सशस्त्र संदिग्धों की पहचान की है। हमने उनकी तरफ गोलीबारी की। यह ताजा हमला तब हुआ है जब हमास शासित गाजा पट्टी में फलस्तीनियों ने शनिवार देर रात दक्षिणी इजराइल में तीन रॉकेट दागे। इजराइली सेना ने बताया कि 24 घंटे में यह दूसरा हमला है। सेना ने बताया कि गाजा पट्टी से इजराइली क्षेत्र में तीन रॉकेट दागे गए। आयरन डोम हवाई रक्षा प्रणाली ने दो रॉकेटों को नष्ट कर दिया। शुक्रवार को भी गाजा में फलस्तीनियों ने स्देरोट शहर में एक रॉकेट दागा था जिसे सेना ने 12 जुलाई के बाद से इस तरह का पहला हमला बताया। इसके जवाब में इजराइल के युद्धक विमानों ने गाजा पट्टी में शनिवार तड़के कम से कम तीन ठिकानों को निशाना बनाया।

### अस्पताल में एक मरीज ने अन्य रोगियों पर किया हमला, चार की मौत

**बुखारेस्ट (एजेंसी)।** मनोरोग का इलाज करने वाले एक अस्पताल में एक मरीज ने अन्य रोगियों पर हमला कर दिया, जिसमें चार की मौत हो गई और अन्य नौ घायल हुए हैं। रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट के पूर्वोत्तर में स्पोका के एक अस्पताल में 38 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को भर्ती कराया था। रोमानिया की मीडिया की खबरों के अनुसार वह उपचार कक्ष में दाखिल हुआ और उसने ट्रांसफ्यूजन स्टैंड से अन्य रोगियों पर हमला कर दिया।

### झुग्गियों में आग लगने से दस हजार लोग बेघर

**ढाका (एजेंसी)।** बांग्लादेश की राजधानी में स्थित एक भीड़-भाड़ वाली झुग्गी में आग लगने की घटना में हजारों झोपड़ियां जल कर खाक हो गईं जिससे कम से कम दस हजार लोग बेघर हो गए। दमकल विभाग के अधिकारी इरशाद हुसैन ने बताया कि ढाका के मीरपुर इलाके में शुक्रवार की देर रात यह आग लगी। हुसैन ने बताया कि आग की घटना के बाद दस हजार लोग बेघर हो गए हैं।

## पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जमीन धंसने से सात मरे

**मुजफ्फराबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भारी बारिश के कारण जमीन धंसने से एक ही परिवार के सात लोगों की जान चली गई। मरने वालों में पांच बच्चे हैं। पुलिस अधिकारी राजा जुल्करनैन ने रविवार को बताया कि अजीरा गांव स्थित उनका (परिवार का) मकान शनिवार को ढह गया था। दो अन्य मकान भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। यह गांव रावल कोट जिले में नियंत्रण रेखा के पास स्थित है। जुल्करनैन ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से बचाव दल ने शव बरामद किए। मानसून के दौरान भूस्खलन और अचानक बाढ़ के दौरान पाकिस्तान में ऐसे हादसे आम हैं। हर साल अनेक लोग इनमें मारे जाते हैं।

### श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए यूएनपी नीत राजनीतिक गठबंधन बनाने पर समझौता नहीं

**कोलंबो (एजेंसी)।** श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के वास्ते व्यापक गठजोड़ को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में मुख्य पार्टी यूनाइटेड नेशनल पार्टी के घटक दलों के बीच वार्ता बिना किसी समझौते के खत्म हो गई है। पार्टी के एक सदस्य ने रविवार को इस बारे में बताया। पिछले साल देश में संवैधानिक संकट गहरा गया था जब राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के नेता और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को अपदस्थ करते हुए महिंदा राजपक्षे को पद नियुक्त किया था। उच्चतम न्यायालय के दखल के बाद दिसंबर में विक्रमसिंघे को पद पर बहाल कर दिया गया था लेकिन सरकार के भीतर मतभेद बना रहा। यूएनपी के सहयोगी दलों ने प्रस्तावित डेमोक्रेटिक नेशनल अलायंस (डीएनए) को अंतिम रूप देने के लिए शनिवार को बैठक की। डीएनए के गठन के कुछ पहलुओं पर सहयोगी दल राजी हुए। अगले राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के मुद्दे पर प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के नेतृत्व वाली यूएनपी का रुख अलग था।

## बढ़ते संकट के बीच अर्जेंटीना के वित्त मंत्री ने इस्तीफा दिया

**ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)।** अर्जेंटीना के वित्त मंत्री निकोलस दुजोने ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। आम चुनावों से पहले प्रारंभिक दौर के निर्वाचन में हार के कारण राष्ट्रपति मॉरिसियो माक्री के इस्तीफे के कारण देश में आर्थिक उथल- पुथल मचने के एक हफ्ते बाद वित्त मंत्री ने इस्तीफा दिया है। अर्जेंटीना की मीडिया ने खबर दी कि ब्यूनस आयर्स प्रांत के वित्त मंत्री हरनन लाकुन्जा देश के नए वित्त मंत्री होंगे। देश की मुद्रा पेसो का अमेरिकी डॉलर की तुलना में इस हफ्ते 20 फीसदी तक अवमूल्यन हो गया। रेटिंग एजेंसियों फिच और एस एंड पी ने देश में बढ़ती अनिश्चितता के कारण दीर्घावधि के क्रेडिट रेटिंग में कटौती की है। ला नासियोन अखबार के वेबसाइट पर दुजोने के प्रकाशित इस्तीफे में कहा गया है, वर्तमान परिस्थितियों में आर्थिक क्षेत्र में (सरकार के) प्रबंधन में आमूल-चूल बदलाव की जरूरत है।

# उइगर मुसलमानों ने मिस्र में चीन के जुल्मों की दास्तां सुनाई

एजेंसी। काहिरा

**चीन में** उइगर मुसलमानों पर अत्याचारों की बात किसी से छिपी नहीं है और अब दूसरे देशों में रह रहे उइगरों पर नकेल कसने की उसकी कारस्तानियां सामने आ रही हैं। एक उइगर छात्र अब्दुलमलिक अब्दुलअजीज को मिस्र पुलिस ने गिरफ्तार किया और जब उसकी आंखों से पट्टी हटाई गई तो वह यह देखकर सकते में पड़ गया कि चीनी अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं।

उसे दिनदहाड़े उसके दोस्तों के साथ उठाया गया और काहिरा के एक पुलिस थाने में ले जाया गया जहां चीनी अधिकारियों ने उससे पूछा कि वह मिस्र में क्या कर रहा है। तीनों अधिकारियों ने उससे चीनी भाषा में बात की और उसे चीनी नाम से संबोधित किया ना कि उइगर नाम से। बता दें कि उइगर मुसलमानों की पहचान उजागर ना करने के लिए खबर में उनके छद्म नामों का इस्तेमाल किया गया है। अब्दुलअजीज (27) ने कहा, उन्होंने कभी अपना नाम नहीं लिया या यह नहीं बताया कि वे असल में क्या हैं। अब्दुलअजीज के खुलासों से 2017 में 90 से अधिक उइगरों की गिरफ्तारियों को लेकर नई जानकारियां सामने आ रही हैं। इनमें से ज्यादातर उइगर मुस्लिम तुर्किक अल्पसंख्यक समुदाय के थे। जुलाई 2017 के पहले सप्ताह में तीन दिन तक की गई कार्वाई के बारे में उन्होंने नए खुलासे किए। वह उस समय दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित सुन्नी मुस्लिम शैक्षिक संस्थान अल अजहर में इस्लामिक धर्मशास्त्र का छात्र था।

उसने बताया कि मिस्र के पुलिसकर्मियों ने कहा कि चीनी सरकार ने कहा है कि आप आतंकवादी हैं। हालांकि उन लोगों ने कहा कि वे केवल अल-अजहर के छात्र हैं। मिस्र में सबसे बड़े निवेशकों में से चीन एक है। वह मिस्र में बड़ी ढांचागत परियोजनाओं में निवेश कर रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापार पिछले साल रिकॉर्ड 13.8 अबर डॉलर पर पहुंच गया। इन कार्वाइयों से महज तीन दिन पहले मिस्र और चीन ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पर एक सुरक्षा ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। नस्र सिटी में एक पुलिस थाने में पूछताछ के कुछ दिनों बाद अब्दुलअजीज को टोरा भेज दिया गया जिसे मिस्र की सबसे कुख्यात जेलों में गिना जाता है। हिरासत में रहने के 60 दिन बाद रिहा करने पर वह अक्टूबर 2017 में भाग कर तुर्की चला गया जो उइगर प्रवासियों का हब है। वहीं, शम्स इद्दीन अहमद (26) नामक शख्स को नस्र शहर में चार जुलाई 2017 को मूसा इब्न नासीर मस्जिद के बाहर गिरफ्तार किया गया।

शिकागो में नार्थ एवेन्यू बीच पर रॉयल एयर फोर्स के एयर एंड वाटर शो को देखते लोग

## पाकिस्तान में भारत के साथ व्यापार पाबंदी से दवाओं की कमी का खतरा

**इस्लामाबाद।** भारत के साथ व्यापार संबंध तोड़ने के निर्णय से पाकिस्तान में जीवनरक्षक दवाओं तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की कमी का जोखिम पैदा हो गया है और पाकिस्तान के एक उद्योग संगठन ने इसे देखते हुए सरकार से फिलहाल आयात नियमों को आसान करने की अपील की है। एक स्थानीय अखबार ने इसकी खबर दी है।

पाकिस्तान के अखबार डॉन के अनुसार, उद्योग संगठन एम्पलायर्स फेडरेशन ऑफ पाकिस्तान (ईएफपी) ने कहा कि भारत से कच्चा माल या तैयार उत्पाद के रूप में आयातित जीवनरक्षक दवाएं बाजार से समाप्त हो सकती हैं। इसे देखते हुए वैकल्पिक स्रोत की व्यवस्था नहीं हो जाने तक आयात में कुछ ढील दी जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त किए जाने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को पूरी तरह तोड़ लिया। ईएफपी ने हवाईअड्डों या बंदरगाहों पर पहुंच चुके भारतीय वस्तुओं को बाजार में बिकने की छूट देने की भी अपील की। उसने कहा कि जो उत्पाद पहले ही हवाईअड्डों और बंदरगाहों पर पहुंच चुके हैं,उन्हें स्थानीय बाजारों में बिकने दिया जाना चाहिए। ईएफपी के उपाध्यक्ष जाकी अहमद खान ने शनिवार को एक बयान में कहा कि जीवनरक्षक दवाएं बनाने के लिए पाकिस्तान की दवा कंपनियों ने भारत से जिन सक्रिय औषधीय अवयवों का आयात किया है, उनका इस्तेमाल करने की छूट दी जानी चाहिए।

# वैश्विक घटनाक्रमों से तय होगी बाजार की चाल

एजेंसी। नई दिल्ली

**विदेशी** पोर्टफोलियो निवेशकों के निवेश, अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता एवं तेल और रुपए की चाल से इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा तय होगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक की आर्थिक वृद्धि को गति देने और ग्राहकों की धारणा को फिर से मजबूत करने के लिए सरकार की ओर से कदम उठाए जाने वाले कदमों पर नजर है। सैमको सिक्योरिटीज एंड स्टॉकनोट के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिमीत मोदी ने कहा, कंपनियों के परिणाम जारी करने का दौर समाप्त हो गया है और अधिकतर कंपनियों की कमाई के तिमाही आंकड़े संतोषजनक नहीं रहे हैं। अर्थव्यवस्था नरमी की चपेट में है और इस तिमाही में मजबूती हासिल करने के लिए कंपनियों के पास करने के लिए बहुत कुछ नहीं है और अब बहुत सी चीजें सरकार की ओर से उठाए जाने वाले कदमों पर निर्भर हैं।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के शोध विभाग के उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने भी कहा, कंपनियों की कमाई के आंकड़े जारी करने का समय समाप्त हो चुका है और घरेलू स्तर पर बाजार को प्रभावित करने वाला कोई पहलू नहीं है। अब वैश्विक घटनाक्रमों से दिशा तय होने की उम्मीद है। निवेशकों की नजर अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता की प्रगति, कच्चे तेल और रुपए-डॉलर की चाल पर होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक सुस्ती, कंपनियों की आय में कमी, वाहन उद्योग से जुड़े संकट एवं वैश्विक व्यापार से जुड़े मुद्दे से निवेश धारणा प्रभावित हो रही है। एपिक रिसर्च के सीईओ मुस्तफा नदीम ने कहा, इस सप्ताह निफ्टी की नजर वैश्विक संकेतों पर होगी क्योंकि वहां बहुत से घटनाक्रम हो रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच व्यापार वार्ता सितंबर में संभावित है। पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 231.58 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

## एफपीआई ने अगस्त में घरेलू बाजार से अब तक निकाले 8,319 करोड़

**नई दिल्ली।** विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त महीने में अबतक घरेलू पूंजी बाजार से 8,319 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की है। एफपीआई टैक्स को लेकर अनिश्चितता तथा वैश्विक व्यापार से जुड़ी चिंताओं के कारण एफपीआई की निकासी जारी रही।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य अवधि के दौरान एफपीआई ने 10,416.25 करोड़ रुपए के शेयरों की बिकवाली की। उन्होंने इस दौरान 2,096.38 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीदारी की। इस तरह एक अगस्त से 16 अगस्त के दौरान वे 8,319 करोड़ रुपए के शुद्ध बिकवाल रहे। मॉर्निंगस्टार के वरिष्ठ विश्लेषक प्रबंधक (शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अगस्त में एफपीआई अब तक के 10 में से नौ कारोबारी दिन शुद्ध बिकवाल रहे हैं। यह बेहद नकारात्मक धारणा का संकेत है। इससे पहले जुलाई में एफपीआई 2,985.88 करोड़ रुपए के बिकवाल रहे थे।

## कर्ज मांग में नरमी, अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन की जरूरत: कुमार

एजेंसी। कोलकाता

**भारतीय स्टेट** बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन रजनीश कुमार ने रविवार को कहा कि कर्ज की मांग कमजोर बनी हुई है और अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हालांकि अर्थव्यवस्था में कर्ज मांग की कमी है जबकि कर्ज की आपूर्ति को लेकर कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास कर्ज देने को धन पर्याप्त रूप से उपलब्ध है। कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, अर्थव्यवस्था में कर्ज की मांग नरम है। अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। वह क्षेत्र में शाखा प्रबंधकों के साथ विचार-विमर्श के लिए यहां आए थे। उन्होंने कहा, कर्ज आपूर्ति को लेकर कोई बाधा नहीं है। कमोबेश सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी है और ब्याज दर भी नरम है। एसबीआई प्रमुख ने उम्मीद जताई कि मानसून का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से खर्च बढ़ने और आने वाले त्यौहारों के दौरान मांग बढ़ेगी।

## बैंक बोर्ड ब्यूरो ने पीएनबी, बैंक आफ इंडिया में शीर्ष पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किया

एजेंसी। नई दिल्ली

**बैंक बोर्ड** ब्यूरो (बीबीबी) ने सार्वजनिक क्षेत्र के दो बड़े बैंकों पंजाब नेशनल बैंक तथा बैंक ऑफ इंडिया में प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किया है।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के मौजूदा प्रबंध निदेशक और सीईओ सुनील मेहता के 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होने के कारण पद खाली हो रहा है। बैंक आफ इंडिया में यह पद दीनबंधु महापात्र के सेवानिवृत्त होने के बाद एक जुलाई से खाली है। सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य बैंक बैंक आफ बड़ौदा (बीओबी) में यह पद अक्टूबर में खाली होगा। उस समय बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा प्रबंध निदेशक पी एस जयकुमार का कार्यकाल समाप्त होगा। हालांकि बीबीबी ने चयन प्रक्रिया में इस पद को शामिल नहीं किया है। बीबीबी के नियुक्ति नोटिस के अनुसार इच्छुक उम्मीदवार 16 अक्टूबर तक पीएनबी और बैंक आफ इंडिया (बीओआई) में पदों के लिए आवेदन दे सकते हैं। नियुक्ति तीन साल के लिए होगी। नोटिस के अनुसार छांटे गए उम्मीदवारों के नेतृत्व की क्षमता और संभावित काबिलियत के बारे में एक परामर्श कंपनी सहायता कर सकती है। बीबीबी ने कहा कि बातचीत के आधार पर वह सरकार को अपनी सिफारिशें देगा। पीएनबी 14,000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का शिकार हुआ हुआ। हीरा कोरोबारी नीरव मोदी और उसके रिश्तेदार मेहुल चोकसी ने पीएनबी अधिकारियों के साथ मिलकर बैंक को चूना लगाया। वहीं बीओआइ तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के अंतर्गत था लेकिन आरबीआई ने इस साल जनवरी में नियामकीय मानदंडों को पूरा करने के बाद बैंक से पाबंदी हटा ली।

## गांवों तक दूरसंचार सेवा पहुंचाने में किसी एक कंपनी का नहीं हो वर्चस्व

● सीओएआई ने कहा

एजेंसी। नई दिल्ली

**दूरसंचार** उद्योग से जुड़े संगठन सेल्यूलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने दूरसंचार सेवाओं से वंचित ग्रामीण इलाकों तक सेवाओं को पहुंचाने के काम और उसके लिए सरकारी सहायता के आवंटन में सभी चारो दूरसंचार संपर्क सेवा प्रदाताओं को न्यायोचित भागीदारी दिए जाने की वकालत की है। संगठन ने साथ ही कहा है कि इस कार्यक्रम में किसी एक कंपनी का दबदबा नहीं होना चाहिए।

संचार मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पिछले महीने दूरसंचार कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने उद्योग से ऐसे 43,000 गांवों तक मोबाइल सेवाएं पहुंचाने की प्राथमिकता तय करने को कहा था, जहां अब तक ए सेवाएं नहीं पहुंच सकी हैं। उन्होंने एक साल के भीतर इन गांवों तक दूरसंचार सेवाओं को पहुंचाने को कहा था। नए दूरसंचार सचिव को सीओएआई ने पत्र लिखा है। उद्योग मंडल ने पत्र में कहा है कि गांवों तक मोबाइल संपर्क के विस्तार की सरकार की पहल को उद्योग की तरफ से पूरा समर्थन मिलेगा। सीओएआई ने कहा है कि कार्य का वितरण और रियायत सभी चार सेवा प्रदाताओं को मिलनी चाहिए। इसमें किसी एक कंपनी का प्रभुत्व नहीं होना चाहिए। संगठन ने सरकार को एक संयुक्त प्रस्ताव भी सौंपा है। इसमें इन गांवों तक दूरसंचार सेवाओं को पहुंचाने के लिए कई तरह के सुझाव दिए गए हैं। इनमें कार्यक्रम की रूपरेखा, नीति और तरीके के साथ विभिन्न पहलुओं पर बात की गई है। सीओएआई ने 16 अगस्त, 2019 के अपने पत्र में कहा है कि बुनियादी ढांचे के निर्माण में दोहराव नहीं होना चाहिए। संगठन के मुताबिक केवल एक दूरसंचार प्रदाता ही टावर संबंधी ढांचा तैयार करे, जिसे सभी सेवा प्रदाता साझा करें।

## सरकार ने तेल, गैस बोली चक्र बढ़ाकर साल में तीन किया

**नई दिल्ली।** सरकार ने तेल एवं गैस क्षेत्र ब्लाकों की नीलामी के लिए रुचि पत्र अब साल में तीन बार आमंत्रित करेगी। अभी इसके दो दौर ही चलाए जाते थे।। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने यह घोषणा की है। भारत ने जुलाई में 2017 में कंपनियों को अपनी रुचि के मुताबिक खोज-ब्लाक की सीमा तय करने की अनुमति दी है। इस पहल का मकसद निवेशकों को प्रोत्साहित कर तेलगैस उत्पादन संभावना वाले 28 लाख वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को खोज और उत्पादन के दायरे में लाना है। इस खुला क्षेत्र लाइसेंसिंग नीति (ओएएलपी) के तहत कंपनियों को तेल एवं गैस संभावना वाले किसी भी वैसे क्षेत्र में रूचि पत्र (ईओआई) जमा करने की अनुमति दी गई जहां अभी किसी को उत्पादन या खोज का कोई लाइसेंस नहीं दिया गया है। रुचि पत्र साल में कभी दिया जा सकता था। कुल मिलाकर साल में इसके दो चक्र होते थे लेकिन अब इसे बढ़ाकर तीन कर दिया गया है। डीजीएच ने एक अधिसूचना में कहा, कारोबार सुगमता के तहत हाल में नीति में सुधार और बदलाव को देखते हुए ईओआआई जमा करने का दौर एक साल में दो से बढ़ाकर तीन बार कर दिया गया है। अबतक साल रुचि पत्रों के जमा कराने चक्र 15 मई और 15 नवंबर को पूरा होते थे। 15 मई तक जमा ईओआई को 30 जून तक नीलामी के लिए रखे जाने की संभावना थी जबकि दूसरे चक्र के प्रस्ताव पर नीलामी 31 दिसंबर तक की जाती थी। डीजीएच के अनुसार ईओआई जमा करने के संशोधित चक्र के तहत पहला चक्रम एक अप्रैल से 31 जुलाई, दूसरा एक अगस्त से 30 नवंबर और तीसरा एक दिसंबर से 31 मार्च होगा। यह संशोधित तेल एवं गैस खोज लाइसेंस नीति बोली के चौथे दौर से क्रियान्वित होगी।

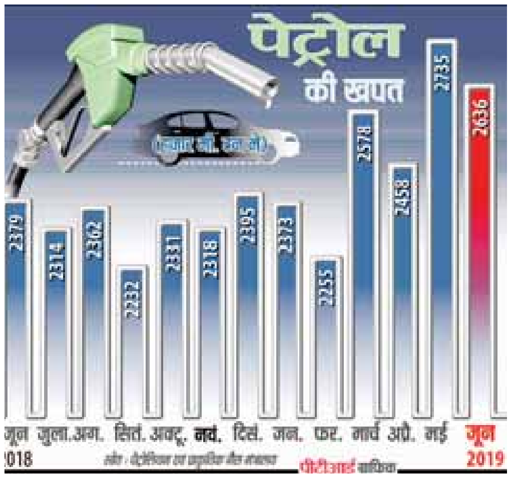


## जोमैटो ने रेस्तरां मालिकों से गतिरोध करने समाप्त करने का आग्रह किया

● गलतियां सुधारने को तैयार

एजेंसी। नई दिल्ली

**कंपनी** एवं उसके नेटवर्क से जुड़े रेस्तरां के मध्य गतिरोध के बीच ऑनलाइन खाने की डिलिवरी करने वाले मंच जोमैटो ने कहा है कि वह टेबल बुकिंग पर डिस्काउंट की पेशकश को लेकर अपनी गलतियों में सुधार को तैयार है। कंपनी ने रेस्तरां मालिकों से उसके मंच से हटने के अभियान को बंद करने की अपील की है। विभिन्न शहरों में करीब 1,200 रेस्तरां ने विभिन्न ऑनलाइन मंचों के टेबल बुकिंग से जुड़े ऑफरों के बाद खुद को इन मंचों से अलग कर लिया है। उनका कहना है कि इन एप आधारित रेस्त्रां आर्डर बुकिंग कंपनियों की ओर से दी जाने वाली भारी छूट से उनके कारोबार को नुकसान हो रहा है। जोमैटो के 65 साझीदार रेस्तरां ने खुद को इस मंच से अलग किया है। जोमैटो के संस्थापक दीपेंदर गोयल ने सिलसिलेवार ट्वीट कर गतिरोध को समाप्त करने का आह्वान किया है।

### अमेरिका के सरकारी बांड में भारत का निवेश जून अंत में बढ़कर 162.70 अरब डॉलर

**वाशिंगटन।** अमेरिका की सरकारी प्रतिभूतियों में भारत का निवेश जून महीने के अंत में करीब छह अरब डॉलर बढ़कर 162.70 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह कम से कम एक साल का उच्चतम स्तर है। अमेरिका के वित्त विभाग की ताजा रपट के अनुसार अमेरिका की सरकारी प्रतिभूतियों का सबसे बड़ा स्टाक जापान के पास है। जापान के पास जून के अंत में ।,122 अरब डॉलर मूल्य की अमेरिकी सरकारी प्रतिभूतियां थी। इसके बाद चीन का नंबर है। उसके पास ।,112 अरब डॉलर की अमेरिकी सरकारी प्रतिभूतियां थी। भारत इस मामले में 13वें स्थान पर है।

## बिजली वितरण कंपनियों, उत्पादकों का बकाया जून अंत तक 30% बढ़कर 46,000 करोड़

एजेंसी। नई दिल्ली

**वितरण** कंपनियों पर बिजली उत्पादकों का बकाया इस साल जून महीने के अंत में एक साल पहले की तुलना में 30 प्रतिशत से भी अधिक बढ़कर 46,412 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। बिजली मंत्रालय की प्राप्ति पोर्टल के अनुसार यह बकाया जून 2018 के अंत में 34,465 करोड़ रुपए था। उत्पादक और वितरण कंपनियों के बीच बिजली खरीद सौदों में पारदर्शिता लाने के इरादे से पोर्टल की शुरूआत मई 2018 में हुई।

इस साल जून में उत्पादन कंपनियों द्वारा दी गई 60 दिन की मोहलत के बाद भी वितरण कंपनियों ऊपर बकाया राशि 30,552 करोड़ रुपए रही जो पिछले साल इसी महीने में 21,739 करोड़ रुपए थी। बिजली उत्पादक कंपनियां बिजली की आपूर्ति के लिए बिलों के भुगतान को लेकर बिजली वितरकों को 60 दिन का समय देती हैं। उसके बाद बाया राशि पुराने बकायों की श्रेणी में आ जाती है और उस पर उत्पादक ज्यादातर मामलों में दंड ब्याज लगाते हैं। बिजली उत्पादन कंपनियों को राहत देने के लिए केंद्र ने एक अगस्त 2019 से भुगतान सुरक्षा प्रणाली लागू की। इस व्यवस्था के तहत वितरण कंपनियों को बिजली आपूर्ति के लिए साख पत्रों की व्यवस्था करने की जरूरत है। पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़े के अनुसार भुगतान के लिए 60 दिन की मोहलत खत्म होने के बाद भी बिजली की नहीं चुकाई गई राशि इससे पिछले महीने की तुलना में बढ़ी है। मई 2019 के अंत में बिजली वितरण कंपनियों पर बिजली उत्पादकों का ऐसा कुल बकाया 43,814 करोड़ रुपए था। इसमें बकाए थे जबकि 60 दिन की मोहलत के बाद भी बकाया राशि 25,660 करोड़ रुपए थी। जिन बिजली वितरण कंपनियों पर सर्वाधिक बकाया है, उसमें तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और जम्मू कश्मीर की वितरण इकाइयां शामिल हैं। वे भुगतान में 839 दिन तक का समय ले रही हैं। मध्य प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियां भुगतान में सर्वाधिक 839 दिनों का समय ले रही हैं और इस मामले में पहले पायदान पर है। उसके बाद क्रमश: बिहार (789 दिन), आंध्र प्रदेश (787 दिन), हरियाणा (787 दिन), तेलंगाना (767 दिन), कर्नाटक (761 दिन), तमिलनाडु (760 दिन), पंजाब (757 दिन) और जम्मू कश्मीर (756 दिन) शामिल हैं। कुल लंबित बकाए 30,552 करोड़ रुपए में स्वतंत्र बिजली उत्पादकों की हिस्सेदारी 62.27 प्रतिशत है। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनियों में एनटीपीसी का वितरण कंपनियों पर 6,3412.94 करोड़ रुपए, एनएलसी इंडिया का 4,604 करोड़ रुपए, टीएचडीसी इंडिया ।,971.73 करोड़ रुपए, एनएचपीसी का ।,963.71 करोड़ रुपए तथा दामोदर घाटी निगम का 843.79 करोड़ रुपए बकाया है। जिन बिजली वितरण कंपनियों पर सर्वाधिक बकाया है, उसमें अडाणी पावर (3,201.68 करोड़ रुपए), बजाज समूह के स्वामित्व वाली ललितपुर पावर जनरेशन कंपनी (1,980.26 करोड़ रुपए) तथा जीएमआर (1,733.18 करोड़ रुपए) शामिल हैं।

## मोरपेन लैब्स का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 256 प्रतिशत बढ़ा

**नई दिल्ली।** दवा बनाने वाली कंपनी मोरपेन लैबोरेटरीज लिमिटेड का एकल शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 256 प्रतिशत बढ़कर 8.41 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने एक बयान में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसे 2.36 करोड़ रुपए का एकल शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान बिक्री से प्राप्त राजस्व 25.4 प्रतिशत बढ़कर 186.70 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 148.83 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी का निर्यात भी 49 फीसदी बढ़कर 79.75 करोड़ रुपए हो गया। मोरपेन लैबोरेटरीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुशील सूरी ने कहा, हम नए अणुओं और नई पेटेंट प्रक्रिया पर जोर दे रहे हैं। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग से बद्दी स्थित शोध एवं अनुसंधान केंद्र को मान्यता मिलने के बाद हम कंपनी के और ज्यादा विकास के लिए इस केंद्र में निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

## यूको बैंक को आरबीआई के तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई नियम से अगले मार्च तक बाहर आने का भरोसा

एजेंसी। अहमदाबाद

**सार्वजनिक** क्षेत्र के यूको बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अतुल कुमार गोयल ने रविवार को कहा कि उनका बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के तत्काल सुधारात्मक कार्वाई (पीसीए) नियाम के तहत कर्ज आदि देने पर लागू पाबंदियों से मार्च अंत तक बाहर आ जाएगा। बैंक के 2019-20 की अंतिम तिमाही तक लाभ में लौट आने का भरोसा है। रिवर्ज बैंक चार प्रमुख पैमानों में से किसी एक पर खरा नहीं उतरने वाले बैंकों को पीसीए के तहत रख देता है। इनमें जोखिम भारे कर्जों के एक न्यूनतम अनुपात में आरक्षित पूंजी की कमी, शुद्ध अवरुद्ध रिणों का उंचा अनुपात , संपत्ति पर प्रतिफल यानी लाभ की स्थिति तथा कर्ज -शेयर पूंजी अनुपात (कर्ज-इक्विटी अनुपात) शामिल है। इनमें से किसी एक पैमाने पर विफल होने पर रिजर्व बैंक सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें पीसीए की पाबंदी में रख कर बड़े कर्ज का जोखिम लेने से रोक देता है। बैंक की शाखा प्रमुखों के साथ बैठक के बाद गोयल ने संवाददाताओं से कहा, हम हर तिमाही वृद्धि कर रहे हैं और हमने पीसीए रूपरेखा से बाहर आने का संकल्प जताया है। मुझे उम्मीद और भरोसा है कि हम मार्च 2020 तक पीसीए से बाहर आ जाएंगे। उन्होंने कहा, जून 2019 को समाप्त तिमाही में हमारा परिचालन लाभ ।,201 करोड़ रुपए रहा। यह पिछली 14 तिमाहियों में सर्वाधिक है। केवल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) प्रावधान के कारण नुकसान हुआ है। अगर हम एनपीए से बाहर आते हैं, यह प्रावधान कम होगा और हम लाभ में आ जाएंगे। एनपीए के बारे में गोयल ने कहा, मार्च 2019 में हमारा फंसा कर्ज 29,786 करोड़ रुपए था। यह घटकर 29,432 करोड़ रुपए पर आया है। वहीं शुद्ध एनपीए मार्च 2019 में 9,650 करोड़ रुपए था और यह जून तिमाही में 8,782 करोड़ रुपए पर आ गया।

# एसबीआई ने बैंकर्स कार्यशाला आयोजित की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**बैंकों के** निष्पादन की समीक्षा और उनकी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ समायोजन संबंधी विचार सृजित करने हेतु बॉटम अप परामर्शदात्री प्रक्रिया के प्रथम चरण का शुभारंभ राज्य स्तर पर भारतीय स्टेट बैंक द्वारा 17 व 18 अगस्त 2019 को आयोजित किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश के 38 क्षेत्रीय कार्यालयों की सभी शाखाओं को शामिल किया गया। लखनऊ नगर में 120 शाखाओं के कार्यों के निष्पादन की समीक्षा लखनऊ मण्डल की मुख्य महाप्रबंधक सलोनी नारायण ने स्वयं की। यह अपने प्रकार की पहली ऐसी मंत्रणा थी जिसमें शाखाओं से कहा गया था कि वे स्वयं अपने निष्पादन की समीक्षा, बैंकिंग क्षेत्र के समक्ष उपस्थित मुद्दों पर चर्चा और आने वाले समय में भावी रणनीति पर विचार करें। प्रक्रिया बैठक में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में क्रेडिट सुविधा बढ़ानेए नवोन्मेष हेतु

प्रौद्योगिकी का प्रयोग बढ़ाने और वृहत डाटा विश्लेषण को सक्षम बनाने व बैंकिंग को नागरिक केन्द्रित करने के साथ-साथ उसे वरिष्ठ नागरिकों, किसानों, लघु व्यवसायियों, उद्यमियों, युवाओं, छात्रों और महिलाओं के प्रति और अधिक जवाबदेह बनाने के उपायों व तरीकों पर विचार केन्द्रित किया गया। चर्चा के दौरान 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लिए बैंक क्रेडिट हेतु सक्षम बनाना, डिजिटल भुगतान बढ़ाना, पीएसबी में कारपोरेट शासन इत्यादि नौ थीम आधारित विषयो पर भी विचार व्यक्त किये गए ।

बैठक में बैंकों के निष्पादन और कई अन्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ उनके समायोजन की भी समीक्षा की गई जिसमें मुख्यता आर्थिक विकास हेतु ऋण सहायता, आधारभूत सुविधाएं उद्योग, कृषि क्षेत्र और ब्ल्यू अर्थव्यवस्था, जल शक्ति, एमएसएमई क्षेत्र और मुद्रा ऋण, शिक्षा ऋण, निर्यात ऋण, ग्रीन इकॉनमी, स्वच्छ भारत, वित्तीय समावेशन और महिला सशक्तिकरण, प्रत्यक्ष लाभांतरण, ईज ऑफ लिविंग, स्थानीय प्राथमिकताओं से संबद्धता एवं कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व थे। परामर्श के परिणाम स्वरूप कई कार्यान्वित किए जाने वाले तथा नवोन्मेषी सुझाव प्राप्त हुए कि कैसे सामान्यत: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक तथा विशेष तौर पर हमारा बैंक अपने कार्य निष्पादन में सुधार ला सकते हैं तथा भविष्य के लिए रोड मैप क्या होना चाहिए। इन सुझावों को संग्रहीत किया गया तथा इन्हें प्रत्येक क्षेत्र के तहत शाखाओं के कार्यनिष्पादन के तुलनात्मक विश्लेषण के साथ एसएलबीसी राज्य स्तर पर पुन: विचार विमर्श हेतु अंचल को भेजा गया। एसएलबीसी स्तर पर चर्चा के पश्चात अंत: बैंक एवं अंतर बैंक दोनों के कार्य निष्पादन की तुलना अंतिम रूप से परामर्श हेतु राष्ट्रीय स्तर पर की जाएगी तथा समस्त सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कार्यान्वित किए जाने के लिए सुझावों को अंतिम रूप दिया जाएगा। सुझाव की इस प्रक्रिया ने शाखा के स्तर पर भी संलग्नता एवं लक्ष्य के प्रति नवचेतना प्रदान की है तथा बैंक द्वारा भविष्य में रोडमैप लागू करने, कार्य निष्पादन में सुधार करने तथा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से जुड़ने की तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं जिससे हमारा बैंक भारत की संवृद्धि गाथा का अटूट एवं स्थायी हिस्सेदार बन सके और अपनी भागीदारी का निर्वाह पूर्ण रूप से कर सके। बैठक में क्षेत्रीय प्रबंधकों- अमित जोग, सुदेश भट्ट, मनीष उप्पल की सहभागिता रही।

## एनआरएल चार साल में कर्मचारियों की संख्या में करेगी 62% की वृद्धि

**गुवाहाटी।** पूर्वोत्तर की सबसे बड़ी रिफाइनरी नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड 22,594 करोड़ रुपए की अपनी विशाल विस्तार परियोजना के तहत अगले चार साल में अपने कर्मचारियों की संख्या में 62 प्रतिशत की वृद्धि करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक एस के बरुआ ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा कि नई इकाइयों के निर्माण से 550 लोगों को प्रत्यक्ष तौर पर एवं 12,000 लोगों को अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा, रिफाइनरी को पूरी तरह से शुरू करने के बाद हमें 550 और लोगों की जरूरत होगी। वर्तमान में एनआरएल में 874 कर्मचारी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा, पहले ही विभिन्न इंजीनियरिंग विभागों के 68 लोगों की नियुक्ति की गई है। परिवीक्षा अवधि खत्म होने के बाद उन्हें कंपनी के पेरोल पर रखा जाएगा।

# पुजारा का सैकड़ा, भारत के पांच पर 297 रन

तीन दिवसीय अभ्यास मैच

एजेंसी। कूलिज (एंटिगा)

चेतेश्वर पुजारा के शानदार शतक और रोहित शर्मा के 68 रन से भारत ने शुरूआती झटकों से उबरते हुए वेस्टइंडीज ए के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच के शुरूआती दिन यहां पांच विकेट पर 297 रन बनाए। पुजारा और रोहित ने चौथे विकेट के लिए मिलकर 132 रन की भागीदारी निभाई जिससे भारतीय टीम शनिवार को लंच तक 89 रन तक तीन विकेट गंवाने के बावजूद मजबूत स्थिति में पहुंची। टेस्ट विशेषज्ञ पुजारा 187 गेंद में आठ चौके और एक छक्के की मदद से 100 रन बनाकर रिटायर्ड हो गए। रोहित 115 गेंद में 68 रन बनाने के बाद आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी के दौरान आठ चौके और एक छक्का लगाया। पुजारा के अंतिम सत्र में रिटायर होने के बाद ऋषभ पंत और हनुमा विहारी ने स्कोर को 300 रन के पार पहुंचाया।

स्टंप उखड़ने तक पंत 53 गेंद खेलकर चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बानाकर आउट हो गए। दिन का खेल 88.5 ओवर में समाप्त हुआ, तब हनुमा विहारी 101 गेंद पर 37 रन बनाकर जबकि रविंद्र जडेजा एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। वेस्टइंडीज ए के लिए तेज गेंदबाज जोनाथन कार्टर ने 13.5 ओवर में 39 रन देकर तीन विकेट हासिल किए जबकि कीयोन हार्डिंग और अकीम फ्रेजर को एक एक विकेट मिला। भारत ने टास जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन उसकी शुरूआत अच्छी नहीं रहा। अभ्यास मैच के लिए कप्तान बनाए गए अजिंक्य रहाणे फिर विफल रहे जिससे भारत ने लंच तक 89 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। रहाणे केवल छह गेंद तक ही क्रीज पर टिक सके। केएल राहुल अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए। राहुल ने 46 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 36 रन बनाए और मयंक अग्रवाल (12) के साथ पहले विकेट के लिए 36 रन जोड़े। भारत ने हालांकि 16 रन के अंदर इन दोनों के अलावा रहाणे (एक) का भी विकेट गंवाया। राहुल ने शुरू से लय पकड़ ली थी जबकि अग्रवाल ने सतर्कता बरती। इस बीच राहुल ने रन बनाने की जिम्मेदारी संभाली। कार्टर ने अग्रवाल को बोल्ड करके यह साझेदारी तोड़ी।

राहुल फिर से अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील करने में नाकाम रहे और हार्डिंग की गेंद पर रोमेरियो शेफर्ड को कैच दे बैठे। कार्टर ने अगले ओवर में रहाणे को विकेट के पीछे कैच करवाकर स्कोर तीन विकेट पर 53 रन कर दिया। रहाणे पिछले दो वर्षों में शतक नहीं बना सके हैं, उन्होंने अगस्त 2017 में श्रीलंका टीम के लिए सैकड़ा जड़ा था। पिछले 12 टेस्ट मैचों में वह 20 पारियों में केवल पांच बार ही अर्धशतक तक पहुंच पाए हैं।

इस दो टेस्ट की श्रृंखला के लिए अंतिम एकादश में हालांकि उनके स्थान को खतरा नहीं है लेकिन अगर वह इस सीरीज में विफल रहते हैं तो दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए यह नहीं कहा जा सकता है। हनुमा विहारी और श्रेयस अय्यर ऐसे मौके के इंतजार में हैं।

# सिंधू की निगाहें स्वर्ण पर

विश्व चैम्पियनशिप

एजेंसी। बासेल (स्विट्जरलैंड)

**भारत** के लिए दो रजत हासिल कर चुकी पीवी सिंधू सोमवार को यहां शुरू होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के लिए एक और शानदार प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगी। सिंधू पिछले कुछ वर्षों में विश्व चैम्पियनशिप में लगातार दो रजत और इतने ही कांस्य पदक जीतकर निरंतर प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी रही हैं, लेकिन अब तक स्वर्ण पदक अपने नाम नहीं कर पाई हैं। भारत की 24 साल की शीर्ष खिलाड़ी हमेशा विश्व चैम्पियनशिप में अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म हासिल करने में कामयाब रही हैं लेकिन दो बार फाइनल में चूक गईं।

वह 2017 चरण में 110 मिनट तक चले मैच में जापान की नोजोमी ओकुहारा से पराजित हो गई और 2018 फाइनल में स्पेन की ओलंपिक चैम्पियन कैरोलिना मारिन ने उन्हें हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन में उप विजेता रहीं और अपने प्रतिद्वंद्वियों को पस्त करने के लिए अपनी फिटनेस और डिफेंस पर काम कर रही हैं। इस भारतीय को पहले दौर में बाई मिली है और अपने अभियान की शुरूआत चीनी ताइपे की पाई यु पो और बुल्गारिया की लिंडा जेचिरी के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता के खिलाफ करेंगी। सिंधू अगर जीत जाती हैं तो तीसरे दौर में अमेरिका की बेईवेन झांग से भिड़ सकती हैं जबकि क्वार्टरफाइनल में वह चीनी ताइपे की ताई जु यिंग के सामने हो सकती हैं। अगर सब कुछ ठीक रहता है तो तो सिंधू सेमीफाइनल में हमवतन साइना नेहवाल से भिड़ सकती हैं, बशर्ते वह भी शुरूआती दौर की बाधा पार कर जाए। विश्व चैम्पियनशिप में रजत और कांस्य पदक जीतने वाली आठवीं वरीयता प्राप्त साइना की भिड़ंत स्विट्जरलैंड की सबरीना जाकेट और नीदरलैंड की सोराय डे विच एजबर्गन के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगी। अगले दौर में उनके डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट से भिड़ने की संभावना है। क्वार्टरफाइनल में साइना का सामना चीन की चेन यू फेई से होने की उम्मीद है, जिन्होंने साल के शुरू में आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप हासिल की थी। पुरुष एकल में पूर्व विश्व नंबर एक किदाम्बी श्रीकांत घुटने की समस्या से उबरने के बाद अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। वह मार्च में इंडिया ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय ने पिछले 22 महीनों में बीडल्यूएफ विश्व टूर में एक भी खिताब नहीं जीता है। वह 2018 की तरह इस चरण में भी अपने शुरूआती मुकाबले में आयरलैंड के नाट एनगुएन के सामने होंगे। कंधे की चोट से परेशान समीर वर्मा भी ड्रा में उसी हाफ में हैं जिसमें श्रीकांत हैं और वह अपने अभियान की शुरूआत सिंगापुर के लोह कीन ययू के खिलाफ करेंगे। अगर वह पहले दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो मध्य प्रदेश के 10वें वरीय खिलाड़ी को प्रीक्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के दूसरी वरीयता प्राप्त चोऊ टिएन चेन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। स्विस ओपन के फाइनल तक पहुंचने वाले बी साई प्रणीत का सामना पहले दौर में कनाडा के जेसन एंथनी हो-श्यू से होगा जबकि एच एस प्रणय शुरूआती दौर में फिनलैंड के ईटू हीनो से भिड़ेंगे। युगल स्पर्धा में सत्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी ने चोट के कारण प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया है। भारत के लिए मनु अत्री और बी सुमीत रेड्डी, एमआर अर्जुन और रामचंद्रन श्लोक तथा अरुण जार्ज और संयम शुक्ला की जोड़ियां दौड़ में होंगी। महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी, जक्कमपुडी मेघना और पूर्विशा एस राम तथा पूजा दांडू और संजना संतोष की जोड़ियां भी अच्छा प्रयास करना चाहेंगी। प्रणव जेरी चोपड़ा और सिक्की की मिश्रित युगल जोड़ी भी टूर्नामेंट में आगे तक पहुंचना चाहेगी जो अपना अभियान इंग्लैंड के बेन लेन और जेसिका पुग की जोड़ी के खिलाफ करेगी।

# आस्ट्रेलियाई क्रिकेट संघ ने चोटिल स्टीव स्मिथ की हूटिंग की आलोचना की

**सिडनी**। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट संघ (एसीयू) ने जोफ्रा आर्चर के बाउंसर से पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ के गर्दन पर चोट लगने के बाद हुई हूटिंग की आलोचना करते हुए कहा कि खेल में अच्छे आचरण की जरूरत है। स्मिथ को दिन के दूसरे सत्र में आर्चर की गेंद पर चोटिल होने के कारण क्रीज छोड़नी पड़ी थी। उन्होंने हालांकि मैदान पर वापसी की और आखिर में 92 रन बनाकर पगबाधा आउट हुए। इस तरह से वह श्रृंखला में पहली बार शतक नहीं जमा पाए। यह स्टार बल्लेबाज तब 80 रन पर था जबकि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज आर्चर की 92.3 मील प्रति घंटे की रफ्तार से की गई गेंद उनकी गर्दन और सिर के बीच वाले हिस्से में लगी। स्मिथ मुंह के बल नीचे गिर गए। उन्होंने जो हेलमेट पहन रखा था उस पर गर्दन के बचाव की सुविधा नहीं थी। हेलमेट में इस तरह की व्यवस्था फिलिप ह्यूज की 2014 में सिडनी में एक घरेलू मैच में बाउंसर लगने से हुई मौत के बाद की गई थी। आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के चिकित्साकर्मियों ने स्मिथ का मैदान पर ही उपचार किया। इसके बाद वह उठ गए और उन्होंने आस्ट्रेलियाई टीम चिकित्सक रिचर्ड सॉ के साथ लंबी बातचीत के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया। जब वह मैदान पर वापस लौट रहे थे तब कुछ दर्शकों ने उनकी हूटिंग की। गेंद से छेड़छाड़ मामले में एक साल की प्रतिबंध झेलने के बाद स्मिथ की यह पहली टेस्ट श्रृंखला है। आस्ट्रेलिया में खिलाड़ियों की अगुवाई करने वाले एसीए ने कहा चोटिल खिलाड़ी के साथ ऐसा आचरण गलत है। एसीए के अध्यक्ष ग्रेग डायर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलिस्टर निकोलसन ने संयुक्त बयान जारी कर कहा, क्रिकेट में इससे कहीं बेहतर आचरण की अपेक्षा की जाती है। लार्ड्स को क्रिकेट का मक्का कहा जाता है वहां इससे काफी बेहतर आचरण होना चाहिए था। उन्होंने ने कहा कि हमने जो देखा वह एक युवा की बहादुरी थी जिसका अपमान नहीं, सम्मान किया जाना चाहिए था। बयान में कहा गया कि इंग्लैंड में दर्शकों का आचरण शानदार रहा है लेकिन जब कोई चोटिल होता है तब हूटिंग नहीं किया जाना चाहिए थी। मार्क टेलर और इयान हिली जैसे आस्टेलिया के दिग्गजों ने भी दर्शकों के इस आचरण को निराशाजनक बताया।

## मैदान गीला होने के कारण दलीप ट्राफी में दूसरे दिन का खेल रद्द

**बेंगलुरू**। इंडिया ब्लू और इंडिया ग्रीन के बीच यहां खेले जा रहे दलीप ट्राफी के पहले मैच के दूसरे दिन का खेल मैदान गीला होने के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द करना पड़ा। अंपायरों ने काफी इंतजार करने के बाद दोपहर दो बजे दिन का खेल रद्द करने का फैसला किया। शनिवार को वर्षा से प्रभावित पहले दिन 49 ओवर का खेल हो पाया था जिसमें इंडिया ग्रीन ने इंडिया ब्लू का स्कोर छह विकेट पर 112 रन कर दिया था। बंगाल के तेज गेंदबाज इशान पोरेल ने 26 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिसमें अंडर 19 भारतीय टीम के उनके पूर्व साथी शुभमन गिल का विकेट भी शामिल है।

इंडिया ग्रीन के कप्तान फैज फजल ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। रुतुराज गायकवाड़ 62 गेंद में तीन चौकों और दो छक्कों से 30 रन बनाने के बाद तनवीर उल हक (36 रन पर दो विकेट) की गेंद पर बोल्ड हुए। महाराष्ट्र के अनुभवी बल्लेबाज अंकित बावने 103 गेंद में 21 रन बनाकर खेल रहे हैं।

# करुणारत्ने का शतक, श्रीलंका चार विकेट से जीता

एजेंसी। गॉल

**कप्तान** दिमुथ करुणारत्ने की 122 रन की शानदार पारी से श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अपने पहले मुकाबले में रविवार को यहां 268 रन के लक्ष्य को सिर्फ चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। करुणारत्ने की यह नौवीं शतकीय पारी रही। उन्होंने इस दौरान सलामी बल्लेबाज लाहिरू तिरिमाने (64) के साथ पहले विकेट के लिए 161 रन की साझेदारी करके दोनों टीमों के बीच पहले विकेट के रिकार्ड की बराबरी की। इस साझेदारी के दम पर मुकाबले के पांचवें दिन श्रीलंका ने छह विकेट की जीत के साथ दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज ने नाबाद 28 रन बनाए। लंच के समय श्रीलंका को जीत के लिए 22 रन चाहिए थे जिसे देखते हुए अंपायरों ने खेल को जारी रखने का फैसला किया। करुणारत्ने को हालांकि किस्मत का भी साथ मिला। वह जब 58 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे तब शार्ट लेग पर टाम लैथम ने उनका कैच टपका दिया, इसी स्कोर पर विकेटकीपर बीजे वाटलिंग ने उन्हें स्टंप करने का मौका छोड़ दिया। उन्होंने 245 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्का लगाया। टिम साउथी ने उनकी शानदार पारी का अंत किया। करुणारत्ने और तिरिमाने ने दोनों देशों के बीच पहले विकेट के लिए रिकार्ड साझेदारी की बराबरी। हैमिल्टन में 1991 में जान राइट और ट्रेवर फ्रैंक्लिन ने 161 रन की साझेदारी की थी। इस साझेदारी की अहमियत का अंदाजा इसी बात से समझा जा सकता है कि गॉल में कोई भी टीम 99 रन से बड़ा लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इस मैच में श्रीलंका के लिए यह नया रिकार्ड है।

श्रीलंका ने पांचवें दिन की शुरूआत बिना किसी नुकसान के 133 रन से की। टीम को जीत दर्ज करने के लिए 135 रन की और जरूरत थी। न्यूजीलैंड को पहली सफलता तिरिमाने के विकेट के रूप में मिली। विलियम समरविले ने उन्हें पगबाधा आउट किया। मैदानी अंपायर ने हालांकि उन्हें नाटआउट करार दिया था लेकिन रिव्यू के बाद तीसरे अंपायर ने मैदानी अंपायर के फैसले को पलट दिया। कुसाल मेंडिस ने समरविले की गेंद पर चौका और छक्का लगाकर आक्रामक रूख दिखाया लेकिन एजाज पटेल की गेंद पर वह जीत रावल को कैच दे बैठे। करुणारत्ने ने इसके बाद मैथ्यूज के साथ तीसरे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। करूणारत्ने और कुसाल परेरा जल्दी-जल्दी आउट हो गए लेकिन धनंजय डि सिल्वा (14) और मैथ्यूज ने इसके बाद दो सत्र बाकी रहते टीम को जीत दिला दी। श्रृंखला का दूसरा और आखिरी टेस्ट गुरुवार से कोलंबो में खेला जाएगा।

# स्मिथ को चोटिल करने की मंशा नहीं थी: आर्चर

एजेंसी। लंदन

**इंग्लैंड** के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने कहा कि दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान आस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को चोटिल करने की उनकी कोई योजना नहीं थी लेकिन जब वह मैदान पर गिरे तब एक पल के लिए सब के दिल की धड़कन रुक गई थी। स्मिथ को शनिवार को दूसरे सत्र में आर्चर की गेंद पर चोटिल होने के कारण क्रीज छोड़नी पड़ी थी। यह स्टार बल्लेबाज तब 80 रन बनाकर खेल रहा था जबकि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज आर्चर की 92.3 मील प्रति घंटे की रफ्तार से की गई गेंद उनके गर्दन और सिर के बीच वाले हिस्से में लगी। स्मिथ मुंह के बल नीचे गिर गए। उन्होंने जो हेलमेट पहन रखा था उस पर गर्दन के बचाव की सुविधा नहीं थी। हेलमेट में इस तरह की व्यवस्था फिलिप ह्यूज की 2014 में सिडनी में एक घरेलू मैच में बाउंसर लगने से हुई मौत के बाद की गई थी।

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के चिकित्साकर्मियों ने स्मिथ का मैदान पर ही उपचार किया। इसके बाद वह उठ गए और उन्होंने आस्ट्रेलियाई टीम चिकित्सक रिचर्ड सॉ के साथ लंबी बातचीत के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया। स्मिथ 46 मिनट तक मैदान से बाहर रहने के बाद पीटर सिडल के आउट होने पर फिर से क्रीज पर उतरे और इसके बाद उन्होंने क्रिस वोक्स की जो दूसरी और तीसरी गेंद खेली उस पर चौके लगाए। लेकिन जब वह 92 पर थे तब वोक्स की गेंद पगबाधा हो गए। श्रृंखला में यह पहली बार हुआ जब इंग्लैंड के गेंदबाजों ने शतक पूरा करने से पहले उनका विकेट लिया। स्मिथ के चोटिल होने के बाद मैदान पर गंभीरता नहीं दिखाने के कारण सोशल मीडिया पर आर्चर की आलोचना की गई लेकिन उन्होंने बीबीसी रेडियो से कहा कि मेरी बल्लेबाज को चोटिल करने की योजना नहीं थी। आप पहले विकेट लेने की कोशिश करते है। जब वह गिर रहे थे तब एक पल के लिए सबकी धड़कने रूक गई थी। उन्होंने कहा कि जब वह उठ खड़े हुए और मैदान पर चहल-कदमी करने लगे तब सभी ने राहत की सांस ली। कोई भी किसी को स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर जाते नहीं देखना चाहता है। यह अच्छी चुनौती थी, एक शानदार स्पैल।

## आर्चर के स्पैल ने पोंटिंग को 2005 श्रृंखला की याद दिलाई

**लंदन**। रिकी पोंटिंग ने कहा कि लार्ड्स पर दूसरे एशेज टेस्ट के चौथे दिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ जोफ्रा आर्चर के स्पैल ने उन्हें 2005 की श्रृंखला की याद दिला दी जिसमें इसी स्टेडियम में उनके गाल पर चोट लग गई थी और खून बह रहा था। शनिवार को आर्चर का तेज बाउंसर स्टीव स्मिथ की गर्दन पर लगा जिससे वह जमीन पर गिर गए। पोंटिग ने इसकी तुलना 2005 एशेज श्रृंखला में गेंदबाजी कर रहे इंग्लैंड के स्टीव हार्मिसन के स्पैल से की जिसमें उसने आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और जस्टिन लैंगर को हिट करने के बाद पूर्व कप्तान का गाल चोटिल कर दिया था जिससे खून निकल रहा था। पोंटिंग ने किहा कि उस दिन (2005 श्रृंखला) की सुबह और बीती रात की घटनाओं से कुछ यादें ताजा हो गईं। उन्होंने कहा कि मुझे याद है जब मुझे गेंद लगी थी। मुझे लगता है कि इंग्लैंड के कप्तान माइकल वान ने अपने खिलाड़ियों से कहा था कि कोई भी उससे जाकर बात नहीं करेगा और पूछेगा कि क्या वह ठीक है जिससे मुझे कोई परेशानी नहीं थी क्योंकि मुझे दर्द हो रहा था और मैं उन्हें वहां से हटने के लिए ही कहता।

## भविष्य में नेक गार्ड पहनना अनिवार्य हो जाएगा: जस्टिन लैंगर

**लंदन**। आस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर का कहना है कि उन्हें कोई हैरानी नहीं होगी अगर भविष्य में हेलमेट पर नेक गार्ड पहनना अनिवार्य हो जाएगा। स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ इंग्लैंड के खिलाफ लार्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट में गर्दन पर एक बाउंसर लगने के बाद गिर गए थे। स्मिथ शनिवार को चौथे दिन 80 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे, तभी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की बाउंसर उनकी गर्दन के पीछे लग गई। यह गेंद 92.4 मील प्रति घंटे (148.7 किलोमीटर प्रति घंटे) की रफ्तार से फेंकी गई थी। वह थोड़ी देर के लिए जमीन पर गिर गए और फिर बल्लेबाजी के लिए खुद को तैयार करने के लिए समय लिया। स्मिथ इसके बाद तीन पारियों में तीसरे शतक से चूक गए लेकिन उन्होंने 92 रन की पारी खेली।

उन्होंने गेंद से छेड़छाड़ के प्रतिबंध के बाद वापसी में एजबेस्टन में आस्ट्रेलिया की 251 रन की जीत में 144 और 142 का स्कोर बनाया था। सिडनी में 2014 के घरेलू शेफील्ड शील्ड मैच में बाउंसर लगने से फिलिप ह्यूज की मौत हो गई थी। इसके बाद सुरक्षा के लिए शुरू हुए नेक गार्ड (गर्दन की सुरक्षा के लिए) लगाना शुरू किया गया। हालांकि स्मिथ बिना नेक गार्ड के हेलमेट पहने हुए थे। लैंगर ने कहा कि आप कभी भी अपने खिलाड़ियों को इस तरह हिट होते हुए नहीं देखना चाहते हो, इसमें कोई शक नहीं है। इस तरह का झटका, हालांकि याद रहेगा। यह पूछने पर कि खिलाड़ियों के लिए क्या नेक गार्ड को अनिवार्य बना देना चाहिए तो उन्होंने कहा कि मैंने आज तक महसूस नहीं किया था कि इन्हें अनिवार्य बना देना चाहिए। इस समय खिलाड़ियों के पास विकल्प है और मुझे हैरानी नहीं होगी कि भविष्य में इन्हें अनिवार्य बना दिया जाएगा।

## शोएब अख्तर ने जोफ्रा आर्चर को फटकारा

**नई दिल्ली**। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान स्टीव स्मिथ को बाउंसर लगने के बाद उनके नीचे गिरने के बावजूद इस आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज का हाल नहीं पूछने के लिए इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को फटकार लगाई। दूसरे एशेज टेस्ट के चौथे दिन लार्ड्स पर दो बार आर्चर की गेंद स्मिथ को लगी। पहली बार तो गेंद उनके हाथ में लगी जबकि दूसरी पर 92.4 मील प्रतिघंटा की रफ्तार से की बाउंसर उनकी गर्दन और सिर के बीच लगी जहां हेलमेट से बचाव की व्यवस्था नहीं थी। अख्तर ने रविवार को ट्वीट किया कि बाउंसर खेल का हिस्सा हैं लेकिन जब भी गेंद बल्लेबाज के सिर पर लगती है और वह नीचे गिर जाता है तो यह शिष्टाचार है कि गेंदबाज उसका हालचाल पूछे। यह आर्चर ने अच्छा नहीं किया कि जब स्मिथ दर्द से करहा रहा था तब वह वहां से चला गया। मैंने हमेशा सबसे पहले बल्लेबाज तक पहुंचता था। स्मिथ को जब गेंद लगी तब वह 80 रन बनाकर खेल रहे थे और रिटायर हर्ट होकर लौट गए। स्मिथ हालांकि लगभग आधे घंटे बाद बल्लेबाजी के लिए वापस लौटे और उन्हें इंग्लैंड के दर्शकों की हूटिंग का सामना भी करना पड़ा। यह पूर्व कप्तान 92 रन बनाने के बाद क्रिस वोक्स की गेंद पर पगबाधा आउट हुआ।

## जूनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत को तीन पदक

**टालिन** (एस्तोनिया)। पहलवान सचिन राणा को जूनियर विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप की ग्रीको रोमन स्पर्धा के रेपेचेज दौर में रविवार को हार का सामना करना पड़ा जिससे प्रतियोगिता में भारत का सफर तीन पदक के साथ खत्म हुआ। राणा के सामने 60 किग्रा वर्ग के रेपेचेज दौर में जार्जिया के डिएगो चख्वादजे की चुनौती थी। चख्वादजे ने भारतीय पहलवान को 5-1 से हराया। ग्रीको रोमन में सिर्फ सजन भानवाल ही भारत के लिए पदक जीत पाए। उन्होंने शनिवार को तुर्की के अब्दुररहमान कालकन को 77 किग्रा भार वर्ग में तकनीकी दक्षता से हराया था। इससे पहले फ्रीस्टाइल में दीपक पूनिया ने 86 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण और विकी ने 92 किग्रा में कांस्य पदक हासिल किया था। भारतीय महिला पहलवान पिछले तीन साल में पहली बार इस प्रतियोगिता में पदक जीतने में नाकाम रही।

## सेना एकादश को हराकर चैम्पियन बना आईओसीएल

**बेंगलुरू**। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने डोलो-650 बेंगलोर कप अखिल भारतीय हाकी टूर्नामेंट 2019 के फाइनल में रविवार को यहां सेना एकादश को 5-0 गोल से हराकर खिताब अपने नाम किया। आईओसीएल के लिए सुमित कुमार, गुरजिंदर सिंह, युवराज वालमिकी, धरमवीर सिंह और तलविंदर सिंह ने गोल दागे। आईओसीएल के लिए यह पिछले 15 दिनों में दूसरा खिताब था। इससे पहले उन्होंने बेंगलोर सुपर डिविजन खिताब भी जीता था। फाइनल मुकाबले के दौरान हाकी कर्नाटक ने 1972 म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के गोलकीपर रहे मैनुअल फ्रेडरिक्स को सम्मानित किया।

## भारतीय अंडर-19 फुटबाल टीम ने वनुआतू को 1-0 गोल से हराया

**नई दिल्ली**। सुमित राठी के 78वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत भारत की अंडर-19 राष्ट्रीय टीम ने रविवार को ओएफसी डेवलपमेंटल टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले में वनुआतू को 1-0 से शिकस्त दी। कोच फ्लायड पिंटो की रणनीति अंत में कारगर हुई। पहले हाफ के बाद भारत ने लगातार कार्नर हासिल किए लेकिन टीम उनका फायदा नहीं उठा सकी। गिवसन ने 73वें मिनट में 40 गज की दूरी से गोल करने का प्रयास किया लेकिन यह क्रासबार के ऊपर से निकल गया। लेकिन भारत को चौथे कार्नर पर सफलता मिली। गिवसन ने कार्नर लिया और निनथोई ने इसे विक्रम प्रताप सिंह की ओर किया जो सुमित राठी के पास गया जिन्होंने इसे गोल में पहुंचाया। अब टीम मंगलवार को न्यू कैलेडोनिया से भिड़ेगी।

## जोकोविच हारे, मेदवेदेव और गोफिन में होगा फाइनल

**सिनसिनाटी**। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सिनसिनाटी मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में उलटफेर का शिकार हुए, उन्हें रूस के नौंवी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने 3-6 6-3 6-3 से शिकस्त दी। मेदवेदेव इस तरह फाइनल में पहुंच गए जहां उनका सामना बेल्जियम के 16वें वरीय डेविड गोफिन से होगा जिन्होंने फ्रांस के रिचर्ड गास्केट को 6-3 6-4 से शिकस्त देकर पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में प्रवेश किया। मेदवेदेव ने अप्रैल में मोंटे कार्लो में जोकोविच के खिलाफ पिछली भिड़ंत में भी जीत हासिल की थी।

## हिमा दास ने 300 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता

**नई दिल्ली**। भारत के शीर्ष फर्राटा धावकों हिमा दास और मोहम्मद अनस ने चेक गणराज्य में एथलेटिकी मिटिनेक रीटर स्पर्धा में क्रमश: पुरुष और महिला 300 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। दो जुलाई से यूरोपीय स्पर्धाओं में यह हिमा का छठा स्वर्ण पदक है। इस स्पर्धा में हालांकि अधिकांश बड़े नामों ने हिस्सा नहीं लिया। हिमा ने शनिवार को स्वर्ण पदक जीतने के बाद ट्वीट किया, चेक गणराज्य में आज एथलेटिकी मिटिनेक रीटर 2019 में 300 मीटर स्पर्धा में शीर्ष पर रही। दूसरी तरफ अनस ने पुरुष 300 मीटर दौड़ 32.41 सेकेंड के समय के साथ जीती। उन्होंने ट्वीट किया, चेक गणराज्य में एथलेटिकी मिटिनेक रीटर 2019 में पुरुष 300 मीटर का स्वर्ण पदक 32.41 सेकेंड के समय के साथ जीतने की खुशी है।

## शीर्ष वरीय बार्टी उलटफेर का शिकार, कुज्नेत्सोवा फाइनल मे

**सिनसिनाटी**। रूस की अनुभवी स्वेतलाना कुज्नेत्सोवा ने डब्ल्यूटीए सिनसिनाटी मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एशले बार्टी को हराकर उलटफेर किया। दो बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन कुज्नेत्सोवा पिछले कुछ समय से चोटों से जूझ रही हैं लेकिन उन्होंने बार्टी को 6-2 6-4 से शिकस्त दी। फाइनल में उनका सामना अमेरिका की मेडिसन कीज से होगा और वह अपने 19वें डब्ल्यूटीए खिताब को जीतने की कोशिश करेंगी। वर्ष 2017 अमेरिकी ओपन की उप विजेता कीज ने हमवतन सोफिया केनिन को 7-5 6-4 से शिकस्त दी।

## अनिर्बान लाहिड़ी नेशनवाइड गोल्फ में संयुक्त छठे स्थान पर

**कोलंबस** (ओहियो)। अनिर्बान लाहिड़ी नेशनवाइड चिल्ड्रंस हास्पिटल गोल्फ चैंपियनशिप के तीसरे दौर के बाद संयुक्त छठे स्थान पर चल रहे हैं। अमेरिकी सरजमीं पर पहली जीत की तलाश में जुटे लाहिड़ी ने तीसरे दौर में तीन अंडर 68 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर सात अंडर 209 है। जोस डि जीजस रोड्रिगेज और ब्रेनडन हेगी 54 होल के बाद नौ अंडर 204 के स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। बेन मार्टिन, स्काटी शेफलर और स्काट हैरिंगटन आठ अंडर 205 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं।

## जोसेफ की हैट्रिक से गोकुलम डूरंड कप के सेमीफाइनल में

**कोलकाता**। मार्कस जोसेफ की हैट्रिक से गोकुलम केरल एफसी ने रविवार ो यहां 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे ट्राउ एफसी को 4-1 से हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। गोकुलम के ग्रुप डी के अंतिम मैच में जोसेफ ने 59वें, 64वें और 83वें मिनट में गोल दागे। आईलीग में पदार्पण कर रही मणिपुर की टीम की ओर से एकमात्र गोल 88वें मिनट में पेनल्टी पर एम रोजर ने दागा। गोकुलम की टीम अपने तीनों मैच जीतकर ग्रुप में शीर्ष पर रही। सेमीफाइनल में गोकुलम का सामना ईस्ट बंगाल से 21 अगस्त को साल्ट लेक स्टेडियम में होगा जबकि दूसरे सेमीफाइनल में मोहन बागान और रीयल कश्मीर एफसी आमने सामने होंगे।

## दिग्गज फुटबालर एशले कोल ने संन्यास की घोषणा की

**लंदन**। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज फुटबालर एशले कोल ने 38 साल की उम्र में रविवार को संन्यास की घोषणा की जो अब कोचिंग में करियर बनाएंगे। कोल ने आर्सेनल और चेल्सी का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने अपने करियर में प्रीमियर लीग के तीन खिताब सहित कुल 13 बड़े खिताब जीते हैं। कोल ने 107 मैचों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। वह उन नौ खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने इंग्लैंड के लिए 100 से अधिक मुकाबले खेले हैं।

# दलीप ट्राफी मैचों से खिलाड़ियों का परीक्षण शुरू करेगा नाडा

एजेंसी। बेंगलुरू

**राष्ट्रीय** डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) बेंगलुरू में दलीप ट्राफी के अगले मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट बोर्ड से पंजीकृत खिलाड़ियों का परीक्षण शुरू कर देगा। नाडा ने प्रमुख डोप नियंत्रण अधिकारियों (डीसीओ) के रूप में योग्य चिकित्सकों को रखने की बीसीसीआई की मांग स्वीकार कर ली है। हाल में बीसीसीआई के महाप्रबंधक (क्रिकेट परिचालन) सबा करीम और डोपिंग रोधी इकाई के प्रमुख डा अभिजीत साल्वी ने नाडा के वरिष्ठ अधिकारियों से आगे की रणनीति पर चर्चा के लिए मुलाकात की जिसमें महानिदेशक नवीन अग्रवाल शामिल थे। नाडा ने बैठक के बाद कहा कि हम यह भागीदारी जल्द से जल्द दलीप ट्राफी से ही शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं। नाडा हालांकि बेंगलुरू में इंडिया ब्लू और इंडिया ग्रीन टीमों के बीच चल रहे शुरूआती मैच में किसी खिलाड़ी की जांच नहीं करेगी। हालांकि ऐसी संभावना है कि कुछ परीक्षण 23 अगस्त से शुरू होने वाले अगले मैच में किए जाएं।

बीसीसीआई ने सत्र के घरेलू मैचों के पूर्ण कार्यक्रम की सूची सौंप दी है जिसमें तारीख और स्थल शामिल हैं ताकि नाडा अपने परीक्षण के लिए क्रिकेट कार्यक्रम तैयार कर सके। साल्वी ने कहा कि दलीप ट्राफी पहले ही शुरू हो चुकी है और शायद वे आगे के मैचों के लिए आएं। उन्होंने इसका जिक्र नहीं किया है कि वे किस तरह का परीक्षण (औचक या निर्धारित समय पर) करेंगे। उम्मीद है कि वे मैच के दिनों (टूर्नामेंट के दौरान) में कुछ परीक्षण करेंगे। बीसीसीआई के डोपिंग रोधी अधिकारी ने उच्च मानक सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त भुगतान की बात पर कहा कि हमारी मुख्य चिंता डोप नियंत्रण अधिकारियों की योग्यता पर और मामलों के निपटारे के लिए लिया जाने वाला समय थी। नाडा ने हमें दोनों के बारे में आश्वस्त किया है। हमने अनुरोध किया था कि बीसीसीआई के लिए जो डोप नियंत्रण अधिकारी नियुक्त किए जाएं, वे मान्यता प्राप्त चिकित्सक (एमबीबीएस) हों जिन्हें डोपिंग के संबंध में जानकारी हो। डीसीओ अगर डाक्टर होगा तो इसमें अतिरिक्त भुगतान होगा और बीसीसीआई इसका भुगतान करेगा जो मुख्य कार्यकारी अधिकारी राहुल जौहरी ने स्पष्ट कर दिया है।

### हितों के टकराव मुद्दे पर चर्चा को तैयार क्रिकेटर

**मुंबई**। पूर्व क्रिकेटर सोमवार को यहां बीसीसीआई के मुख्यालय में होने वाली अनौपचारिक बैठक के दौरान विवादास्पद हितों के टकराव के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। कई शीर्ष क्रिकेटरों के इस बैठक में शिरकत करने की उम्मीद है जिसमें प्रशासकों की समिति (सीओए) का कम से कम एक सदस्य मौजूद होगा। उनके इस मुद्दे पर लंबी चर्चा की उम्मीद है। विनोद राय की अध्यक्षता वाली सीओए में अन्य सदस्य डायना इडुल्जी और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल रवि थोडगे शामिल हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज दिलीप वेंगसरकर और तेज गेंदबाज अजीत अगरकर के बैठक में भाग लेंगे, यह तय है। यहां तक कि वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ के इसमें शिरकत करने की उम्मीद है। हालांकि पता चला है कि सचिन तेंदुलकर बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे। पूर्व भारतीय आफ स्पिनर हरभजन सिंह सोमवार को बैठक में शिरकत नहीं करेंगे लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर अपने विचार बोर्ड को पत्र में लिखकर भेज दिए हैं। हाल में हितों के टकराव का नोटिस जिसे भेजा गया, वो पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ हैं और उन्होंने नोटिस का जवाब दे दिया था। मध्य प्रदेश क्रिकेट के मानद सदस्य संजीव गुप्ता द्वारा दायर शिकायत के अनुसार द्रविड़ राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के सदस्य हैं और वह इंडिया सीमेंट्स ग्रुप में उपाध्यक्ष पद पर भी कार्यरत हैं जिसकी आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स है। सीओए ने हालांकि द्रविड़ की एनसीए के क्रिकेट प्रमुख के रूप में नियुक्ति स्पष्ट की और उनके खिलाफ हितों के टकराव के मामले को खारिज कर दिया। थोडगे ने 13 अगस्त को कहा था कि अब फैसला बीसीसीआई के लोकपाल और आचरण अधिकारी डीके जैन के हाथों में हैं जो इस मामले पर अंतिम निर्णय करेंगे। वहीं भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ को चुनने की प्रक्रिया भी बीसीसीआई के मुख्यालय में सोमवार से शुरू होगी और गुरूवार तक चलेगी।

### कोटला में जल्द होगा विराट कोहली स्टैंड: डीडीसीए

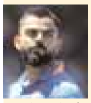

**नई दिल्ली**। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट कोहली की शानदार उपलब्धियों को देखते हुए दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने फिरोजशाह कोटला मैदान का एक स्टैंड का नाम भारतीय कप्तान के नाम पर रखने का फैसला किया है। दिल्ली के दो अन्य पूर्व खिलाड़ियों बिशन सिंह बेदी और मोहिंदर अमरनाथ के भी कोटला में स्टैंड हैं लेकिन उन्हें यह सम्मान संन्यास लेने के बाद मिला। कोहली सबसे युवा सक्रिय क्रिकेटर हैं जिनके नाम पर स्टैंड का नाम रखकर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। डीडीसीए अध्यक्ष रजत शर्मा ने बयान में कहा कि विश्व कप में विराट कोहली के शानदार योगदान ने डीडीसीए को गौरवांवित किया है। कई उपलब्धियां और कप्तानी में रिकार्ड बनाने के लिए हमें उन्हें सम्मानित करने में खुशी होगी। वीरेंद्र सहवाग और अंजुम चोपड़ा दिल्ली के दो अन्य क्रिकेटर हैं जिनके नाम पर कोटला में गेट हैं जबकि हाल आफ फेम को पूर्व भारतीय कप्तान एमएके पटौदी का नाम दिया गया है। डीडीसीए के साथ ही भारतीय टीम के सदस्यों को 12 सितंबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सम्मानित करेगा। उन्होंने कहा, यादों को सहेजने के लिए डीडीसीए एक स्टैंड का नाम उनके नाम पर रखना चाहता है। मुझे यकीन है कि विराट कोहली स्टैंड दिल्ली के युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत होगा। हमें खुशी है कि टीम इंडिया का कप्तान ही दिल्ली का खिलाड़ी नहीं है बल्कि उसका सलामी बल्लेबाज (शिखर धवन), विकेटकीपर (ऋषभ पंत) और एक मुख्य गेंदबाज (इशांत शर्मा) भी दिल्ली का है।

# आस्ट्रेलिया ने दूसरा एशेज टेस्ट ड्रा कराया

एजेंसी। लंदन

**आस्ट्रेलिया** ने इंग्लैंड के साथ खेला गया दूसरा एशेज टेस्ट ट्रेवर हेड की नाबाद 42 रन की साहसिक पारी की मदद से ड्रा करा लिया। अंतिम दिन आस्ट्रेलिया को जीत के लिए 48 ओवर में 267 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला लेकिन आस्ट्रेलिया 47.3 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 154 रन बना सका। इस तरह तीन गेंद बाकी रहते दोनों टीमों के कप्तान ने मैच ड्रा पर रहने की सहमति दी। इंग्लैंड की तरफ से तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने तीन और स्पिनर एम. लीच ने तीन विकेट लिए। इससे पहले इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने पांच विकेट पर 258 रन पर पारी घोषित कर दी। रूट ने जब पारी घोषित की उस समय हरफनमौला बेन स्टोक्स 115 रन पर नाबाद थे। उन्होंने 165 गेंद की आपनी पारी में 11 चौके और तीन छक्के लगाए। विकेटकीपर जानी बेयरस्टा 30 रन पर नाबाद रहे और उन्होंने स्टोक्स के साथ छठे विकेट के लिए 97 रन की अटूट साझेदारी की। चोट के कारण अनुभवी स्टीव स्मिथ मुकाबले से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह टीम में शामिल हुए मार्नस लाहबुशेन भी उस समय चोटिल होने से बचे जब आर्चर की उछाल लेती गेंद उनकी हेलमेट पर लगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बताया कि शनिवार को दूसरे सत्र में आर्चर की गेंद पर चोटिल होने वाले स्मिथ इस मुकाबले से बाहर हो गए। यह श्रृंखला टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के नए नियमों के तहत खेली जा रही है जिसमें सिर या गर्दन में चोट खाने वाले खिलाड़ी की जगह वैकल्पिक खिलाड़ी मैदान में उतर सकता है। पहले चोटिल खिलाड़ी की जगह मैदान में उतरने वाला खिलाड़ी सिर्फ क्षेत्ररक्षण कर सकता था लेकिन अब मैच में पूर्ण रूप से भाग ले सकता है। आस्ट्रेलिया के अनुरोध के बाद मैच रैफरी रंजन मदुगले से अनुमति मिलते ही शनिवार को 12वें खिलाड़ी के रूप में क्षेत्ररक्षण करने वाले लाहबुशेन रविवार को खेल शुरू होने के बाद टेस्ट इतिहास के पहले वैकल्पिक खिलाड़ी बन गए। स्मिथ जब 80 रन बनाकर खेल रहे थे तब इंग्लैंड के तेज गेंदबाज आर्चर की 92.3 मील प्रति घंटे की रफ्तार से की गई गेंद उनके गर्दन और सिर के बीच वाले हिस्से में लगी। स्मिथ मुंह के बल नीचे गिर गए। उन्होंने आस्ट्रेलियाई टीम चिकित्सक रिचर्ड सॉ के साथ लंबी बातचीत के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया।

स्मिथ 46 मिनट तक मैदान से बाहर रहने के बाद पीटर सिडल के आउट होने पर फिर से क्रीज पर उतरे लेकिन जब वह 92 पर थे तब क्रिस वोक्स की गेंद पगबाधा हो गए। बारिश से प्रभावित इस मैच में पांचवें दिन का खेल गिले आउटफील्ड के कारण एक घंटे देर से शुरू हुआ। इंग्लैंड ने दिन की शुरूआत चार विकेट पर 96 रन से आगे से की। लंच के समय इंग्लैंड का स्कोर चार विकेट के नुकसान पर 157 रन था। लंच के तुरंत बाद बटलर कमिंस की गेंद पर हेजलवुड को कैच दे बैठे। उन्होंने स्टोक्स के साथ पांचवें विकेट लिए 90 रन की साझेदारी की। स्टोक्स को इसके बाद बेयरस्टा का साथ मिला और दोनों टीम को ऐसी स्थिति में ले आए जहां से मैच गंवाने की संभावना ना के बराबर है। पहली पारी में 59 रन पर दो विकेट लेने वाले आर्चर ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी जारी रखी। उन्होंने लय पाने की कोशिश कर रहे डेविड वार्नर (पांच) को पारी के चौथे ओवर में गली में खड़े रोरी बर्न्स के हाथों कैच कराया। आर्चर ने अपने अगले ओवर में उस्मान ख्वाजा (दो) को विकेट के पीछे कैच कराकर पवेलियन भेजा। आस्ट्रेलिया ने पहला मुकाबला 251 रन से जीत कर श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की है।

# पुरुष हाकी टीम अंतिम मिनट में हारी

### ओलंपिक टेस्ट प्रतियोगिता

एजेंसी। टोक्यो

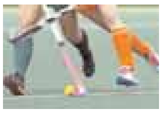

**भारतीय** पुरुष हाकी टीम को बढ़त बनाने के बावजूद रविवार को यहां ओलंपिक टेस्ट प्रतियोगिता के अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिलाई। न्यूजीलैंड ने हालांकि अंतिम क्वार्टर में जेकब स्मिथ (47वें मिनट) और सैम लेन (60वें मिनट) के मैदानी गोल की मदद से जीत दर्ज की। भारत ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करते हुए पहले मैच में मलेशिया को 6-0 से हराया था। दूसरे मैच में हार के बाद हालांकि भारतीय टीम अंक तालिक में दूसरे स्थान पर चल रही है जबकि उसे एक मैच और खेलना है। भारत मंगलवार को मेजबान जापान से भिड़ेगा। दुनिया की पांचवें नंबर की भारतीय टीम ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया और शुरुआती मिनटों में टीम हावी रही।

भारत को दूसरे ही मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर मिला जिसे ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत ने गोल में बदलकर भारत को 1-0 से आगे किया। भारत को छठे मिनट में दूसरा पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन यह बर्बाद गया। न्यूजीलैंड की टीम दबाव में थी लेकिन इसके बावजूद उसने भारत को मध्यांतर से पहले एक और गोल नहीं करने दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन टीम को गोल करने में सफलता नहीं मिली। हरमनप्रीत को 42वें मिनट में भारत की बढ़त को दोगुना करने का मौका मिला लेकिन न्यूजीलैंड के गोलकीपर रिचर्ड जायस ने इसे नाकाम कर दिया। अंतिम क्वार्टर में न्यूजीलैंड की टीम ने लय हासिल की और पूरी तरह हावी रही। न्यूजीलैंड ने 47वें मिनट में अच्छा मूव बनाया और जेकब स्मिथ ने गोल दागकर टीम को बराबरी दिला दी। भारत को इसके बाद कुछ और मौके मिले लेकिन टीम गोल नहीं कर सकी। मैच में जब एक मिनट से भी कम का समय बचा था तब न्यूजीलैंड ने सैम लेन की बदौलत एक और गोल दागकर जीत दर्ज की।

### महिला टीम ने आस्ट्रेलिया से ड्रा खेला

**टोक्यो**। भारतीय महिला हाकी टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां ओलंपिक परीक्षण प्रतियोगिता के राउंड रोबिन लीग मैच में दुनिया की दूसरे नंबर की टीम आस्ट्रेलिया को 2-2 से ड्रा पर रोका। टूर्नामेंट के दूसरे मैच में भारत के लिए वंदना कटारिया (36वें मिनट) और गुरजीत कौर (59वें मिनट) ने गोल किए। आस्ट्रेलिया की तरफ से कैटलिन नोब्स ने 14वें और ग्रेस स्टीवर्ट ने 43वें मिनट में गोल दागे। भारत ने शनिवार को पहले मैच में मेजबान जापान को 2-1 गोल से शिकस्त दी थी। दुनिया की 10वें नंबर की भारतीय टीम ने आक्रामक तरीके से मैच की शुरुआत की। उसने आस्ट्रेलिया की आक्रामक हाकी जैसा ही खेल दिखाया जिससे दोनों टीमों ने पेनल्टी कार्नर हासिल किए। हालांकि दोनों ही गोल नहीं कर सकीं। लेकिन 14 वें मिनट में भारतीय डिफेंडर ने गोल पर एक शाट रोक दिया जिसके बाद आस्ट्रेलिया को पेनल्टी स्ट्रोक दिया गया। नोब्स ने गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त दिलाने में कोई गलती नहीं की।

## द्रोणाचार्य पुरस्कार की दौड़ में पिछड़े राणा, किसी ने भी उन्हें अपना मेंटर नहीं बताया

एजेंसी। नई दिल्ली

**द्रोणाचार्य** पुरस्कारों के लिए जसपाल राणा के नाम की घोषणा नहीं होने के बाद हुए विवाद पर 12 सदस्यीय चयन समिति के एक सदस्य ने कहा कि उनके मार्गदर्शन में खेल रहे किसी भी खिलाड़ी ने आधिकारिक दस्तावेजों में कोच के रूप में उनके नाम का जिक्र नहीं किया है। उन्होंने बताया कि मनु भाकर और सौरभ चौधरी सहित किसी ने भी कोच के रूप में उनके नाम का उल्लेख नहीं किया था। एशियाई खेलों में कई स्वर्ण पदक जीतने वाले राणा को मनु भाकर, सौरभ चौधरी और अनीश भानवाला जैसे विश्वस्तरीय निशानेबाजों को तैयार करने का श्रेय दिया जाता है। इस खिलाड़ियों ने टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टाप्स) में दिए गए शपथ पत्र में किसी और को कोच बताया है। सौरभ ने आधिकारिक रिकॉर्ड में अमित श्योराण को कोच बताया है जबकि मनु और अनीश ने क्रमश: सुरेश कुमार और हरप्रीत सिंह को कोच बताया है। चयन समिति के एक सदस्य ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि हमने आधिकारिक रिकॉर्ड में एथलीटों की घोषणा देखी है। जसपाल राणा के किसी भी शिष्य ने टाप्स में दिए आवेदन में उन्हें अपना कोच नहीं बताया है।

# आईटीएफ सुरक्षा सलाहकारों से आज मिलेगा भारत

### डेविस कप मुकाबले से हटने से भारतीय टीम स्वत: एशिया ओसियाना ग्रुप दो में रेलिगेट हो जाएगी। इसके चलते वे 2022 से पहले विश्व क्वालीफायर्स में जगह नहीं बना पाएंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

**अखिल** भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) पाकिस्तान के इस्लामाबाद में होने वाले डेविस कप मुकाबले के स्थल में बदलाव की मांग के साथ सोमवार को जब आईटीएफ से बात करेगा तो टीम के कप्तान महेश भूपति के महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की संभावना है। संविधान के अनुच्छेद-370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिला विशेष दर्जा खत्म करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ राजनयिक संबंधों के दर्जे को कम दिया है। इस्लामाबाद में 14-15 सितंबर को प्रस्तावित मुकाबले के लिए भारत ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। जम्मू-कश्मीर के केन्द्र शासित प्रदेश बनने के बाद पाकिस्तान ने भारतीय राजदूत को उनका देश छोड़ने के लिए कहा और दोनों देशों के बीच चलने वाली ट्रेन सेवा को रोक दिया। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद भारतीय खेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि वह इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा क्योंकि यह द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं है। आईटीएफ का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में स्थल बदलने की जरूरत नहीं है और ऐसे में एआईटीए के लिए तटस्थ स्थल पर मैच कराने के लिए उसे तैयार करना काफी मुश्किल होगा। आईटीएफ ने एक बयान में कहा कि आईटीएफ के लिए सुरक्षा सबसे अहम प्रथमिकता है। हम मेजबान राष्ट्र और स्वतंत्र विशेषज्ञ सुरक्षा सलाहकारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। आईटीएफ स्थल के वर्तमान सुरक्षा मूल्यांकन और योजना से संतुष्ट है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लिए समग्र सुरक्षा जोखिम रेटिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन हम अपने सलाहकारों के साथ स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। आईटीएफ हालांकि एआईटीए की चिंताओं को दूर करने और उसके सुरक्षा सलाहकार से बात करने के लिए तैयार है। सोमवार को होने वाली बातचीत में भूपति भी शामिल रहेंगे।
डेविस कप के नियमों के मुताबिक मुकाबले को विशेष परिस्थितियों में देश से बाहर आयोजित किया जा सकता है। नियम 30.2.5 के मुताबिक, कोई भी राष्ट्र चयन किए गए मैदान पर मेजबानी से हाथ धो सकता है जब विरोधी टीम का वहां पहुंचना संभव नहीं होगा। उदाहरण के लिए युद्ध, राजनीतिक अशांति, आतंकवाद या प्राकृतिक आपदा जैसी स्थितियों में।

मुकाबले से हटने से हालांकि भारत को नुकासान होगा और टीम स्वत: एशिया ओसियाना ग्रुप दो में रेलिगेट हो जाएगी। जिसका मतलब यह होगा कि वे 2022 से पहले विश्व क्वालीफायर्स में जगह नहीं बना पाएंगे। भारतीय टीम अगर पाकिस्तान को हरा देती है तो वे 2020 क्वालीफायर्स में भाग लेने के पात्र होंगे। भूपति ने कहा कि हम मुकाबले को रद्द नहीं करना चहते हैं। हम सभी खिलाड़ियों की सुरक्षा की गारंटी देने वाले समाधान को खोजने के लिए आईटीएफ के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

## मेजर दुर्गा मल्ल मेमोरियल जिला फुटबाल 20 से

**लखनऊ**। युवा गोरखा समाज की ओर से द्वितीय शहीद मेजर दुर्गा मल्ल मेमोरियल जिला फुटबाल टूर्नामेंट चौक स्टेडियम में 20 से 25 अगस्त तक आयोजित होगा। युवा गोरखा समाज के अध्यक्ष बलराम सिंह थापा ने रविवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में एक प्रेस वार्ता में बताया कि नाकआउट आधार पर होने वाले टूर्नामेंट में पिछले टूर्नामेंट की विजेता सहारा एफसी और उपविजेता एलयूएफसी समेत 11 टीमों को प्रवेश दिया गया है। टूर्नामेंट में पिछले साल की विजेता व उपविजेता को सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश दिया गया है।

**प्रतिभागी टीमें:** आर्मी ब्वायज, स्पोर्ट्स कालेज, एक्स स्टूडेंट्स, आरए ब्वायज, पुलिस न्यू ब्वायज, इमरान एफसी, एलयू, न्यू ब्वायज, मिलानी क्लब, चौक स्पोर्टिंग, सहारा एफसी।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 19 अगस्त, 2019



# सफलता के सूत्र

## अपराध और घोटाला की बढ़ती घटनाओं से फोरेंसिक विशेषज्ञों की आवश्यकता कई स्तरों पर बढ़ी है। डॉ.भूपेश के शर्मा ऐसे सूत्र बताते हैं कि कैसे व्यक्ति इसे एक लाभदायक विकल्प बना सकता है।

वर्तमान परिदृश्य में, जिस तरह अपराध दिन पर दिन बढ़ रहा है, एक ऐसी विधा की जबरदस्त आवश्यकता है जो युवाओं को सिखा सकें कि समाज मे हो रही घटनाओं को कैसे पहचानें व उन्हें रोकें। इस विशेष उद्देश्य के लिए, उनके पास विषय का विशेष ज्ञान होना चाहिए जिसे दिन पर दिन बढ़ रही इन सभी समस्याओं पर काबू पाने के लिए उपयोग में लाया जा सके, इसीलिए, फोरेंसिक विज्ञान चर्चा में आता है। आजकल, अपराध दर भयावह ढंग से बढ़ रही है साथ ही साथ अपराधी इतने स्मार्ट हो गए है कि पुलिस अधिकारियों द्वारा अकेले ऐसे अपराधियों से निपटना बहुत कठिन हो रहा है। फोरेंसिक विज्ञान मूलत: न्याय के उद्देश्य से कानून के नियमों में विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों व तकनीकों का उपयोग है। फोरेंसिह विज्ञान, विज्ञान की वो शाखा है जो जांच पड़ताल , संग्रह, परीक्षण, विश्लेषण तथा अपराध स्थल पर उपस्थित प्रमाणों की तुलना का कार्य करती है। प्रत्यक्ष प्रमाण वे सभी प्रमाण हैं जो विशेष अपराध स्थल पर पाए जाते हैं। इनमें ऊंगलियों के निशान, पैरों के निशान, रक्त, बाल, फाइबर, सीमेन, सालिवा, तत्व-पहचान आदि शामिल हो सकते हैं।

### आवश्यकता व संभावना

दुनिया भर में अपराध व घोटालों की घटनाएं बढ़ते जाने से, फोरेंसिक विज्ञान की संभावना निश्चित रूप से बढ़ रही है। आज सरकारी समेत निजी क्षेत्र में फोरेंसिक अधिकारियों की जबरदस्त आवश्यकता है। पुलिस लैब्स, क्राइम ब्रांचेज, सीआईडी, जांच ब्यूरो, रक्षा/ सेना, अदालतें, नार्कोटिक्स विभाग, विश्वविद्यालयों, जासूसी संस्थाओं, बैंकों, बीमा कंपनियों व अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियां फोरेंसिक वैज्ञानिकों की सेवाएं ले रही हैं। इसके अलावा व्यक्ति निजी प्रेक्टिस में भी खुद को लगा सकता है और बैंकों, बीमा कंपनियों, व्यक्तिगत मुवक्किलों व अन्य विधि क्रियान्वयन संस्थाओं के लिए एक फ्रीलांस फोरेंसिक विशेषज्ञ के रूप में काम कर सकता है। फिंगरप्रिंट, हस्तलेखन, बेलेस्टिक्स, टोक्सीकोलाजी, ओडोंटोलाजी, अपराध स्थल आदि की जांच व अन्य विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त फोरेंसिक विशेषज्ञ अपराध स्थल व किसी अन्य स्थल से सूत्र एकत्रित कर सकते हैं और उन्हें अपराध को साबित करने या मामला सुलझाने हेतु प्रमाणों में बदल सकते हैं।

### फोरेंसिक वैज्ञानिक व उनकी कार्य शैली

फोरेंसिक वैज्ञानिकों को अपराध स्थल पर अपराधी द्वारा छोड़े गए सुबूतों को खोजने, उन्हें जांचने, एकत्रित करने आदि के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। मसलन ऊंगलियों के निशान, पैरों के निशान, खून, बाल व अन्य सुबूत। यह फोरेंसिक वैज्ञानिक ही है जो अपराध विशेष में विशेष साक्ष्य की परीक्षण तकनीक व उनके उचित संग्रहण के बारे में जानता है। अपराध जांच की समूची सफलता या विफलता अपराध स्थल पर मिले प्रमाणों के उचित संग्रहण तथा मूल्यांकन पर निर्भर करती है। इसीलिए, फोरेंसिक वैज्ञानिक अपराध व आपराधिक जांच के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इसके लिए उन्हें विश्लेषणात्मक योग्यताओं के साथ गहन विवेचक बनना पड़ता है।

### फोरेंसिक विज्ञानों में शिक्षा एवं करियर संभावनाएं

फोरेंसिक विज्ञान में करियर का चुनाव करने के लिए व्यक्ति का वैज्ञानिक पृष्ठभूमि होनी आवश्यक है क्योंकि फोरेंसिक विज्ञान की अधिकांश क्षेत्र विज्ञान की विभिन्न शाखाओं का उपयोग हैं जिनमें प्रमाणों का विश्लेषण करना और अपराध की गुत्थी सुलझाना शामिल है। इसीलिए, जिस व्यक्ति या महिला की अध्ययन पृष्ठभूमि विज्ञान होता है वह फोरेंसिक विज्ञान में अपना करियर बना सकता है, या सकती है।

> “ **वर्तमान परिदृश्य में बड़ी संख्या में मुकदमों को सुलझाने के लिए फोरेंसिक वैज्ञानिकों की भारी मांग है। तथा इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए, सरकार अधिक से अधिक संस्थानों को खोलने का कदम उठा रही है जो फारेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण व डिग्री प्रदान कर सकें।**

जो लोग फोरेंसिक विज्ञान में अपना करियर बनाना चाहते हैं वे सामान्य फोरेंसिक्स, फोरेंसिक एंथ्रोपोलोजी, फोरेंसिक डेन्टिस्ट्री, क्राइम सीन जांच, प्रश्नांकित दस्तावेज व हस्तलेखन परीक्षण, फिंगरप्रिंट साइंस, फोरेंसिक टाक्सीकोलोजी, फारेंसिक बायलोजी एवं सेरोलाजी, फोरेंसिक बेलेस्टिक्स एवं एक्सप्लोसिव्स में से किसी एक को विशेषज्ञता के लिए चुन सकते हैं।

### अच्छा फोरेंसिक वैज्ञानिक कैसे बन सकते हैं?

- उसे एक गहन विवेचक बनना पड़ेगा क्योंकि उसने अपराध स्थल पर जाना पड़ेगा और ऐसे साक्ष्य तलाशने पड़ेंगे क्योंकि सामान्य व्यक्ति कुछ खास सुबूतों को नजरंदाज कर सकता है लेकिन एक कुशल फोरेंसिक वैज्ञानिक अपराध स्थल को गहराई से जांचेगा और अधिक से अधिक जानकारी एकत्रित करने का प्रयास करेगा।
- उसे शोध योग्यताओं के साथ विधिवत तथा अपनी जांच पड़ताल में व्यापक होना होगा।
- उसमें धैर्य रखना होगा क्योंकि अनेक मामलों में महज निष्कर्ष तक पहुंचने में उसे काफी समय लग सकता है। कभी कभी फोरेंसिक वैज्ञानिक को सुबूतों का बार बार विश्लेषण करना पड़ेगा और अधिक सूत्रों व सहयोगी प्रमाणों को कई बार जांचना पड़ेगा।
- उसमें सभी वैज्ञानिक क्षेत्रों का मूल ज्ञान होना चाहिए और साथ ही अपराध की जांच तथा सुबूतों के परीक्षण में विभिन्न वैज्ञानिक अनुशासनों को उपयोग करने की योग्यता भी होनी चाहिए।
- फोरेंसिक वैज्ञानिक के लिए जासूसी दृष्टि तथा समाधानकारी योग्यताएं होना बहुत आवश्यक हैं।
- और अंत में, उसमें अच्छी संप्रेषण योग्यताएं होनी चाहिए क्योंकि उसे कानून की अदालत में समझाना पड़ेगा इसलिए उसे वकीलों, जजों, व जनता को सुबूतों को स्पष्टता से समझाने में सक्षम होना चाहिए।

फोरेंसिक विज्ञान में अनेक नए उभरते क्षेत्र है इनमें हैं - फोरेंसिक साइकोलाजी, फोरेंसिक पेलआंटोलाजी, फोरेंसिक जीनोमिक्स, टेलीफोरेंसिक्स, फोरेंसिक एकाउन्टेंसी, फोरेंसिक आर्कियोलाजी, डिजीटल फोरेंसिक, साइबर फोरेंसिक्स।

### रोजगार संभावनाएं

फोरेंसिक वैज्ञानिक फ्रीलांस फोरेंसिक विशेषज्ञ के रूप में काम कर सकता है और अदालत, वकीलों, व जासूसों को फोरेंसिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी राय दे सकता है, वे सरकार में काम कर सकते हैं। फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्रीज के विभिन्न पदों पर, वे फ्रीलांस के रूप में काम कर सकते हैं, दस्तावेजों पर सवाल उठा सकते हैं और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ व अन्य पदों पर काम कर सकते हैं। वे बैंकिंग व बीमा सेक्टरों में काम कर सकते हैं। वर्तमान परिदृश्य में बड़ी संख्या में मुकदमों को सुलझाने के लिए फोरेंसिक वैज्ञानिकों की भारी मांग है। तथा इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए, सरकार अधिक से अधिक संस्थानों को खोलने का कदम उठा रही है जो फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण व डिग्री प्रदान कर सकें। उम्मीदवार इस तेजी से उभरते क्षेत्र का चुनाव कर सकते हैं और जांच पड़ताल के इस महासागर में करियर बना सकते हैं। इस तेजी से उभरते क्षेत्र में रोजगार बाजार बहुत अच्छा है लेकिन व्यक्ति को खयाल रखना होगा कि वह एक फ्रीलांस विशेषज्ञ भी बन सकता है और इस क्षेत्र में नौकरी से अधिक कमा सकता है।

(लेखक एमिटी युनिवर्सिटी, के फोरेंसिक साइंस विभाग में सहायक प्रोफेसर एवं प्रोग्राम लीडर है।)

## स्कॉलरशिप

### मर्डोक युनिवर्सिटी, दुबई

सितंबर 2019 के लिए अकादमिक एक्सीलेंस फंडिंग का प्रस्ताव देती है। इस आवेदन के लिए विदेशी छात्र आवेदन कर सकता है।

**योग्यता:** ब्रिटिश केरीकुलम (जीसीएसई): 2-3 विषयों में दस प्वाइंट ग्रेड के साथ ए लेवेल या कम से कम 5 विषयों के साथ ओ लेबेल पर, ब्रिटिश केरीकुलम ओ लेवेल, औसत बी के साथ आठ विषय या उपरोक्त, अमेरिकन हाई स्कूल: समग्रता में 3.5 जीपीए तथा एसएटी 1650, के साथ हाई स्कूल डिप्लोमा की पढ़ाई पूरी की हो, इंडियन व पाकिस्तानी नेशनल केरीकुलम: एफएससी/एचएससी/ सीबीएसई/ आईसीएससी 75 प्रतिशत के साथ पूर्ण हो, आईबी केरीकुलम- न्यूनतम 30 प्वाइंट्स का यूजी डिप्लोमा, विदेशी छात्र आवेदन कर सकते हैं।

**पीजी छात्रों के लिए:** मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी से 4.0 में से न्यूनतम 3.5 का जीपीए के साथ स्नातक डिग्री की पढ़ाई की हो तथा छात्र ने प्रत्येक इकाई में प्रतिष्ठा अर्जित की हो।

**आवश्यक भाषा:** मर्डोक में प्रवेश पाने के लिए, छात्रों को अंग्रेजी भाषा में दक्षत प्रदर्शित करने के लिए अंग्रेजी भाषा संबंधी शर्तों को पूरा करना होगा।

**आवेदन कैसे करें:** छात्रों को जमा करने होंगे: दो अकादमिक संदर्भ, दस्तावेजों, स्कालिस्टिक उपलब्धियों - जीपीए औसत की मूल प्रति।

कृपया सुनिश्चित करें कि आपने प्रत्येक नियमों का पालन तथा दस्तावेज संलग्न किए हैं जो आपके आवेदन का समर्थन करते हैं: अपने चयनित पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश शर्तों को पूरा करें, इस आवेदन के सभी हिस्से पूर्ण हों, 500 शब्दों का कथन संलग्न होना चाहिए कि स्कालरशिप (यदि लागू हो)के संदर्भ में आपके बारे में क्यों विचार किया जाए, 1000 शब्दों का निबंध लिखें व आवेदन (यदि लागू हो) के साथ संलग्न करें तथा स्पोर्ट्स स्कालरशिप (यदि लागू हों) के लिए प्रमाणपत्रों व प्रशंसाओं को संलग्न करें।

**आवेदन की अंतिम तिथि:** 1 सितंबर (फरवरी से जून) में अध्ययन शुरू करने के लिए अंतिम तिथि है 30 नवंबर, 2019।

द युनिवर्सिटी आफ ग्रीनविच विदेशी छात्रों के लिए इंटरनेशनल अवार्ड्स प्रस्तावित कर रही है। यह स्कालरशिकप यूजी व पीजी डिग्री प्रोग्राम की पढ़ाई करने का अवसर प्रदान करती है।

**आवेदन कैसे करें:** आवेदन निम्न पते पर ऑनलाईन जमा करें- https://www.gre.ac.uk/international/international-scholarships-award

**आवेदन की अंतिम तिथि:** 1 नवंबर, 2019 के लिए (अंतिम तिथि है 18 अक्टूबर, 2019), 1 दिसंबर, 2019 के लिए (आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख है 15 नवंबर, 2019)।

# पूर्णता की भावना से कड़ी मेहनत करें

## माइंड इट

बचपन से हमें कोशिश को कर्तव्य के रूप में, कड़ी मेहनत को दायित्व के रूप में, कड़ी मेहनत को परिणाम केन्द्रित निवेश के रूप में बताया गया है। हमें बताया गया कि कड़ी मेहनत करो ताकि बाद में तुम्हें इसका लाभ मिल सके। प्रसन्नता सफलता का मूल है, यह सही बात है, लेकिन क्या प्रसन्नता कड़ी मेहनत से वंचित करती है? अगर प्रसन्नता कड़ी मेहनत से अलग करती है तो वे सभी लोग जो कड़ी मेहनत करते हैं निश्चित रूप से बहुत दुखी होंगे। क्या हम खुश होकर कड़ी मेहनत नहीं कर सकते? क्या कड़ी मेहनत आनंद से उपज नहीं सकती? क्या कोई यह नहीं कह सकता कि मैं बहुत खुश हूं कि मैं बड़ी मेहनत से काम कर रहा हूं। या हमें केवल मुंह लटकाए कड़ी मेहनत करनी चाहिए और कहना चाहिए कि मैं इतना परेशान हूं कि मैं हाथ पैर मार रहा हूं।

हमारी कड़ी मेहनत सिर्फ श्रम है, नतीजे पाने के लिए किया गया श्रम। वे नतीजे जो हम चाहते हैं, हमें कभी भी सचमुच संतुष्ट नहीं करते हैं। प्रमाण यह कि हम ज्यादा चाहते हैं। और किसी भी बिन्दू पर हम नहीं रुकते और कहते हैं कि हमारे पास पर्याप्त हो गया। और चूंकि हम ज्यादा चाहते हैं, तो हमें ज्यादा श्रम करना होगा। इसलिए, अपने पूरे जीवन में हम सिर्फ एक मजदूर हैं। लेकिन हमने कड़ी मेहनत तभी की है जब आप दुखी व भयभीत थे, यह सच है ना? कोई आता है और आपको ऊपर आगाह करता है: परीक्षाएं आ रही हैं, तुम फेल हो जाओगे और तब आप कड़ी मेहनत करना शुरू करते हैं। तो, हमारा इंजन कौन है? दुख। हम जितना ज्यादा दुखी होते हैं हम उतनी ही ज्यादा कड़ी मेहनत करते हैं। क्या ऐसा नहीं है? हम जितना ज्यादा डरते हैं तो हम उतना ही ज्यादा काम करते हैं। इसे आदत नहीं बनने देते हैं, इसे जाहिर नहीं होने देते हैं कि आप दबाव या निराशा या दुख या भय के कारण कड़ी मेहनत के लिए बने हो सकते हैं। वर्ना आप दुनिया को आपको नियंत्रण का हथियार दे रहे हैं। याद रखें, आपका सर्वश्रेष्ठ सामने आता है जब आप आनंदित होते हैं, जब आप निर्भीक होते हैं। दबाव के तहत काम करने की आदत न अपनाएं। खुश रहें और जी-जान लगा दें। यह कैसे महसूस होता है? किसी ऐसे व्यक्ति की तरह जो खुशी के लिए दौड़ते हैं।

क्या आप जानते हैं कि वो मुख्य समस्या क्या है जो हमें कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करती है? मुख्य समस्या यह है कि हमें खुद के बारे में छोटा महसूस कराया गया है। आपके सभी कार्य निराशा से उपजते हैं। आपको बहुत लंबे समय से खुद के प्रति असंतुष्ट महसूस कराया गया है।

परिवार, समाज, शिक्षा, धर्म इन सबने लगातार आपको बताया है कि आपमें कुछ कमी है, आपमें कुछ गड़बड़ी है और आपको इसे ठीक करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। आप जैसे हैं, उसमें पर्याप्त अच्छे नहीं हैं। आपको छोटा, मामूली, अपूर्ण महसूस कराया गया है। आपको बताया गया है कि यदि आप कुछ बनना चाहते हैं, यदि आप कुछ अर्थपूर्ण हासिल करना चाहते हैं तो कुछ कीजिए, उसके लिए कड़ी मेहनत कीजिए।

जीवन की सारी बिमारियां, आपकी सारी असहजता, आपकी सारी गपशप, आपकी समूची बेचैनी इस गहरे पैठी मानसिकता से उपजती है कि आपमें कुछ गलत या कमी है। कृपया इस सोच से बाहर आएं। आप अद्भुत, उत्कृष्ट, सुंदर हैं। अपनी समस्त कमियों के साथ, आप फिर भी बहुत सुंदर है। अपनी समूची वैचारिक परतों के साथ, आप अभी भी अनोखे हैं।

एक हीरा मिट्टी में गिर सकता है लेकिन क्या इससे उसकी कीमत घट जाती है? आप बेहद, बेहद मूल्यवान हैं। लेकिन वे लोग जो अपने खुद के हीरक स्वभाव को नहीं जानते, वे हर व्यक्ति को छोटा महसूस कराते हैं। असलियत में, दुनिया में केवल दो प्रकार के लोग होते हैं। एक जो छोटा महसूस करता है और दूसरा जो पूर्ण महसूस करता है और नाचता है।

जो लोग स्वयं के बारे में छोटा महसूस करते रहते हैं, उनका जीवन में एकमात्र लक्ष्य दूसरों को छोटा महसूस कराना होता है। जो व्यक्ति भयभीत होता है वो निश्चित रूप से अपने इर्दगिर्द भय फैलाएगा। क्या आपने ऐसे लोगों को नहीं देखा है? परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं और वह कांप रही हैं। तो वह क्या करती है? वह पांच अन्य लोगों को कॉल करती है। और वह उन पांचों के साथ क्या करती है? क्या वह उन्हें हिम्मत देती है?

वह क्या करती है? जो व्यक्ति छोटा महसूस करता है, वह हर किसी को छोटा महसूस कराती है। ऐसे लोगों से सावधान रहें। वे आपके बहुत करीबी हो सकते हैं, फिर भी उनसे अत्यंत सतर्क रहें। कैसे जानें कि कोई पूर्णता की भावना से काम कर रहा है? हमेशा ध्यान दें, कि आप क्या महसूस करते हैं जब उस व्यक्ति के साथ होते हैं? क्या आप अधिक से अधिक असंतुष्ट महसूस करने लगते हैं, या आप एक खास राहत हासिल करते हैं? वह उपस्थिति आपको बता देगी।

पूर्णता की भावना से कड़ी मेहनत करें। और दूसरों को कभी भी आपको छोटा या अपूर्ण महसूस कराने का अवसर न दें। अपनी संगत को लेकर अत्यंत स्पष्ट रहें, क्योंकि कोई भी आपको उतनी तीव्रता व बेहतरी के साथ बदल नहीं सकता जितना कि अच्छी सोहबत।

-लेखक आचार्य प्रशांत आध्यात्मिक शिक्षक व लेखक हैं।

# डिजाइन करें अपना भविष्य

## इंटीरियर डिजाइनर का काम सिर्फ घरों को सजाने से जुड़ा नहीं है। शताब्दी गंटेइट का कहना है कि इसमें और भी बहुत कुछ है-

क्या आप रचनात्मक व्यक्ति हैं? क्या आप अपने खुद के घर के इंटीरियर का सुंदरीकरण करते हैं? क्या आपमें घर के नए डिजाइनों, रंगों व सौंदर्यबोध का शौक है और आप नीरस परिवेश को खुबसूरती देने के बारे में सोचते हैं? क्या आप अक्सर अपने घर की मौजूदा सजावट को बदल देते हैं? यदि आप इन सभी प्रश्नों का उत्तर हां में देते है तो आपके लिए इंटीरियर डिजाइनिंग एक संभावनायुक्त करियर हो सकता है।

सुंदर घर का विचार हमेशा सबको आकर्षित करता है। सदियों से लोगों ने ऐसा घर बनाने का सपना देखा है जो उनके व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित कर सकता हो। मालिक की प्राथमिकताएं व रुचि भी समय के साथ बदली है और अक्सर वे ऐसे प्रस्ताव तलाशते हैं जो समस्त आधुनिक सुविधाओं का आराम प्रदान करते हों। इंटीरियर डिजाइन की भूमिका, एक अधिक स्वस्थ तथा सौंदर्यबोध के स्तर पर रचनात्मकता, कला एवं डिजाइन रणनीति के साथ एक सुखद परिवेश निर्मित करने के काम आती है।

इंटीरियर डिजाइनर का काम सिर्फ अंदरुनी हिस्सों की सजावट करने तक ही सीमित नहीं है बल्कि उन्हें अपने ग्राहकों के लिए सुविधा एवं सुंदरता के बीच उचित संतुलन बनाने की जिम्मेदारी दी जाती है। इंटीरियर डिजाइनर फर्श से लेकर छत की डिजाइनिंग तक, हर चीज के प्रति जिम्मेदार होता है। उसके पास वृहद क्षेत्रों में अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर होता है। उसके पास कल्पनाशील निगाहें होनी चाहिए कि कौन सी जगह कैसी दिखाई देगी। बजट, समय सीमा एवं सुरक्षा मानकों को दिमाग में रखते हुए व्यवसायिक एवं आवासीय संपत्तियों, दोनों के लिए अवधारणा बनाना और उसे लागू करना पूरी तरह इंटीरियर डिजाइनर का दायित्व होता है।

इंटीरियर डिजाइनरों के पास किसी भी परियोजना को हाथ में लेने से पहले डिजाइन का इतिहास की ठोस जानकारी होना आवश्यक होता है। कोर्स करने के लिए आवश्यक मूल योग्यताएं इस प्रकार हैं:

- अच्छी कलात्मक समझदारी
- योजना एंव प्रशासनिक योग्यताएं
- संप्रेषण योग्यताएं
- कंप्यूटर योग्यताएं
- ड्राइंग योग्यताएं
- गणित की समझदारी
- नेतृत्वकारी योग्यताएं

डिजाइनरों को आम तौर पर न केवल गृहस्वामियों के साथ, बल्कि बिल्डरों, आर्किटेक्टों, सरकारी संस्थाओं एवं बिजनेस मालिकों के साथ काम करने की जरूरत होती है। इसीलिए, यह अत्यंत आवश्यक है कि व्यक्ति इस करियर विकल्प का चुनाव करने से पहले उचित योग्यताओं में निपुण हो।

इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स के पूर्ण होने के बाद, स्नातक या तो पेशेवर के रूप में इंडस्ट्री का हिस्सा बनने का विकल्प चुन सकते हैं या उच्चस्तरीय पढ़ाई के लिए जा सकते हैं या वे अपना खुद का व्यवसाय भी शुरू कर सकते हैं। रीयल इस्टेट या मेहमानवाजी सेक्टर में उछाल होने से, इंटीरियर डिजाइनरों की मांग हालिया वर्षों में बढ़ी है। कार्यस्थल भी थीम के आधार पर बनते हैं जिससे कि कर्मचारियों की क्षमता बढ़ सकें। यह भी संभावना है कि इंटीरियर डिजाइनिंग उद्योग 2024 तक चार फीसदी की वृद्धि होने की संभावना है और इसीलिए करियर संभावनाएं निकट भविष्य बहुत अधिक हैं।

इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स में बीएससी के लिए योग्यता मानक, में किसी भी बोर्ड से कक्षा बारहवीं में पास होना है। अक्सर विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षाएं कराती हैं जिसके बाद निजी साक्षात्कार की प्रक्रिया होती है।

अच्छा पोर्टफोलियो पाने के लिए अच्छे कालेज से इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, व्यक्ति को प्रत्यक्ष प्रशिक्षण के लिए निश्चित रूप से एक या दो इंटर्नशिप करनी चाहिए। भारत में, इंटीरियर डिजाइनिंग का शुरुआती वेतन 20000 से 30000 के बीच है और धीरे धीरे इसका अनुपात संबद्ध परियोजनाओं के स्तर तथा कार्य अनुभवों के अनुसार बढ़ता जाता है।

भारत में इंटीरियर डिजाइनिंग उद्योग फास्ट ट्रेक मोड पर है और इसीलिए इसका करियर के रूप में चुनाव करने से उच्च स्तरीय नौकरियां हासिल करने की संभावना है।

- लेखक एनएसएचएम स्कूल आफ डिजाइन में इंटीरियर डिजाइनिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।